पेटीएम हुआ स्वदेशी चीनी स्वामित्व खत्म
- 12

सरकार का एसआईआर पर चर्चा से इनकार- 12

इजराइल गाजा में हमले और तेज करने की तैयारी में संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी
- 13

गिल आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित- 14

आज का मौसम
33.0⁰ अधिकतम तापमान
28.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.37
सूर्यास्त 06.52

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 02:28 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082
गुरुवार, 7 अगस्त 2025, वर्ष 3, अंक 348, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

कानपुर महानगर की खबरों का पुलआउट अंदर के पन्नों में...।

ब्रीफ न्यूज

मुठभेड़ में 15 लाख का इनामी माओवादी ढेर

गुमला। झारखंड के गुमला जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में माओवादियों से अलग हुए संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया का एक सदस्य मारा गया। उस पर 15 लाख रुपये का इनाम था। मृतक की पहचान मार्टिन केरकेट्टा के रूप में हुई है। वह इस प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख एवं एरिया कमांडर था और झारखंड के सात जिलों के कई पुलिस थानों में दर्ज 72 मामलों में वांछित था।

एनटीपीसी में हादसा तीन श्रमिकों की मौत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के सीपत स्थित राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (एनटीपीसी) संयंत्र में बुधवार को एक भीषण औद्योगिक हादसे में तीन श्रमिकों की मौत हो गई जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा दोपहर करीब 12 बजे के आसपास हुआ, जब संयंत्र परिसर के भीतर मरम्मत कार्य के दौरान एक भारी मशीनरी असंतुलित होकर गिर गई।

अंदर देखें ... कैम्पस

पूर्व सरकारों में नौकरियों पर डाली जाती थी डकैती, बबुआ-चाचा करते थे वसूली

मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद और बरेली में जनसभाओं को किया संबोधित, सपा पर साधा निशाना

- कहा- हमारी सरकार ने पिछले आठ साल में साढ़े आठ लाख युवाओं को दी नौकरी
- बोले- वैश्विक पटल पर छाया मुरादाबाद, 15000 करोड़ का होता है हस्तशिल्प कारोबार

कार्यालय संवाददाता, बरेली/मुरादाबाद

मुरादाबाद में एक लाभार्थी को प्रधानमंत्री आवास की चाबी देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मुरादाबाद और बरेली में आयोजित जनसभा में समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर हमला बोला।

योगी ने कहा कि पिछली सरकारों में सरकारी नौकरियों पर डकैती डाली जाती थी और बबुआ-चाचा दोनों अलग-अगल वसूली के निकलते थे। सरकारी नौकरियों के लिए वसूली करने वाले रिश्तों को देखकर हर कोई असमंजस में रहता था, लोग कहते थे कि महाभारत में ही यह रिश्ते देखे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में आज अवसरों की कमी नहीं है।

हमारी सरकार ने पिछले आठ साल में साढ़े आठ लाख युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरी दी है। मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद महानगर के कांठ रोड स्थित 24वीं वाहिनी पीएसी परिसर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यहां अब न गुंडा, न दंगा, केवल विकास की ही चौतरफा चमक है।

यहां के हस्तशिल्पियों दिलशाद हुसैन और बाबू राम यादव को पद्मश्री मिल चुका है। अकेले मुरादाबाद से 15000 करोड़ रुपये का हस्तशिल्प उत्पादों का कारोबार होता है। बदलता मुरादाबाद आज सबके सामने है। योगी ने यहां युवा उद्यमी योजना के अन्तर्गत ऋण वितरण के अलावा 1172 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी हस्तशिल्प व पौराणिक हस्तकला के लिए विख्यात मुरादाबाद में बारिश व विपरीत परिस्थितियों में आने का अवसर मिला है। उन्होंने अपने संबोधन में पूरे समय विकास योजनाओं का उल्लेख करने के साथ सपा और कांग्रेस को निशाने पर रखा। कहा कि अब लोगों को योजनाओं का लाभ पात्रता और पारदर्शिता के साथ मिल रहा है। पूर्ववर्ती सपा पर तंज कसते हुए कहा कि चेहरा देखकर नहीं सबका साथ, सबका विकास की तर्ज पर डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही है। 5300 आरक्षी मुरादाबाद में पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में ट्रेनिंग कर रहे हैं। बेटियों को बड़े पैमाने पर पुलिस भर्ती का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर भाई बहनों को हस्तशिल्पी व कारीगरों द्वारा बनाए उत्पाद को दें। जन्माष्टमी पर भी इन्हीं उत्पादों को उपहार में दें। इससे मिला पैसा विकास को और बढ़ाएगा। इस दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसौदिया, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख आदि मौजूद रहे। इसके पहले बिलारी तहसील के पीपली में मुख्यमंत्री ने अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण किया।

बरेली को दी 2262 करोड़ की योजनाएं

मुख्यमंत्री योगी ने बरेली कॉलेज के मैदान में आयोजित कार्यक्रम में 2262 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इस दौरान कहा, 2017 से पहले युवाओं को पहचान का संकट था, लेकिन अब युवाओं को पहचान से नहीं गुजरना पड़ता है। कहा कि 2017 से पहले सपा सरकार हर जनपद में एक से चार माफिया तैयार करती थी, गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर व्यापारिक वर्ग को तबाह करते थे।

एससीओ समिट में शामिल होने चीन जाएंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- गलवान झड़प के बाद प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी

सात वर्षों के अंतराल के बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इस महीने के अंत में चीन की यात्रा कर सकते हैं। सूत्रों ने बुधवार बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 29 अगस्त के आसपास जापान की यात्रा पर जाएंगे और यात्रा के समापन के बाद, वह 31 अगस्त से एक सितंबर तक आयोजित होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए चीन के उत्तरी शहर तियानजिन जाएंगे।

मोदी की चीन यात्रा की योजना दोनों पक्षों द्वारा अपने द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के प्रयासों के बीच बनाई जा रही है। जून 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच घातक झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच गंभीर तनाव पैदा हो गया था। मोदी की जापान और चीन की यात्रा की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह यात्रा 29 अगस्त से एक सितंबर तक होने की संभावना है।

मोदी ने आखिरी बार जून 2018 में एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन का दौरा किया था। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग अक्टूबर 2019 में दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए थे। हालांकि, पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध के कारण दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ और उसी वर्ष जून में गलवान घाटी में हुई झड़पों के परिणामस्वरूप संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया। पिछले साल 21 अक्टूबर को हुए एक समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह गतिरोध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया। पिछले कुछ महीनों में, दोनों पक्षों ने सीमा संबंधी मुद्दे और अन्य संवाद तंत्रों पर विशेष प्रतिनिधि वार्ता को बहाल किया है।

आरबीआई ने 5.5 % पर कायम रखा रेपो रेट

मुंबई, एजेंसी

- अमेरिकी शुल्क पर अनिश्चितता के बीच आरबीआई का निर्णय

भारतीय रिजर्व बैंक ने अमेरिकी शुल्क को लेकर अनिश्चितता के बीच बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय किया। नीति निर्माता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों से उत्पन्न जोखिमों और उच्च शुल्क की आशंका से जुड़ी अनिश्चितताओं का फिलहाल आकलन कर रहे हैं।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाले छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर यथावत रखने का निर्णय किया। इसके साथ ही आरबीआई ने मौद्रिक नीति रुख को भी तटस्थ बनाए रखा है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि अच्छी मानसूनी बारिश और आने वाले त्योहारों से अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद है, लेकिन वैश्विक व्यापार के मोर्चे पर चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं।

हालांकि, उन्होंने अमेरिकी शुल्क के बारे में सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा। ट्रंप ने सात अगस्त से अमेरिका में प्रवेश करने वाले सभी भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से तेल आयात को लेकर 'जुर्माना' लगाने की घोषणा की है। मल्होत्रा ने कहा कि मध्यम अवधि में भी, बदलती विश्व व्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी अंतर्निहित ताकत, मजबूत बुनियादी ढांचे और अन्य मोर्चों पर संतोषजनक स्थिति के दम पर उज्ज्वल संभावनाओं से भरी हुई है। हम नीति निर्माण के बहुआयामी लेकिन सुसंगत दृष्टिकोण के माध्यम से अनुकूल परिस्थितियां बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

इससे पहले, केंद्रीय बैंक इस साल फरवरी से जून तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को घटाकर 3.1 प्रतिशत कर दिया है जबकि जून में इसके 3.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था।

ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर लगाया 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क

भारत पर लगाया गया कुल अमेरिकी शुल्क 50 % हुआ

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले ही दी थी शुल्क थोपने की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीद जारी रखने पर बुधवार को भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। इसके साथ ही भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में लगने वाला शुल्क अब बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है।

ट्रंप ने पिछले सप्ताह ही 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने ने इस शुल्क के लागू होने से चंद घंटे पहले अतिरिक्त शुल्क लगाने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। इस आदेश के बाद कुछ छूट प्राप्त वस्तुओं को छोड़कर, भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा। प्रारंभिक शुल्क सात अगस्त से प्रभावी होगा जबकि अतिरिक्त शुल्क 21 दिन बाद लागू होगा। ट्रंप ने मंगलवार को चेतावनी देते हुए कहा था कि वह रूस से तेल एवं गैस खरीदने के लिए भारत पर 24 घंटे में भारी शुल्क की घोषणा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस इस तेल बिक्री से हासिल राशि का इस्तेमाल कर रहा है जबकि भारत सस्ता तेल पाने के लिए इस पहलू पर ध्यान नहीं दे रहा है।

भारत ने जताया था कड़ा विरोध

कुछ दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल हेंडल ट्रुथ पर लिखा था कि रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारत उसकी युद्ध मशीनरी को ईंधन दे रहा है। रूस उक्त धनराशि का इस्तेमाल रूस, यूक्रेन के साथ युद्ध में कर रहा है, मैं इससे खुश नहीं हूं। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिका पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि अमेरिका रूस से अभी भी यूरेनियम और पैलेडियम खरीद रहा है।

भारत ने कहा-अन्यायपूर्ण, गैरजरूरी फैसला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर पूर्व में लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क के अलावा और 25 प्रतिशत और शुल्क लगाने की घोषणा पर भारत ने कड़ा विरोध किया है। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति का यह निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण, अन्यायपूर्ण, गैरजरूरी और सर्वथा अनुचित है। कहा कि रूस से हमारा तेल आयात बाजार की जरूरतों पर आधारित है। इस फैसले के बाद सरकार देशहित में जरूरी कदम उठाएगी।

उत्तरकाशी में दो और शव बरामद, 153 लोग रेस्क्यू

धराली में आपदा पीड़ितों से मुलाकात करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

संवाददाता, उत्तरकाशी/देहरादून

- बचाव कार्य में सरकार ने झोंकी ताकत, सेना के 11 जवान भी मिले
- ग्राउंड जीरो पर पहुंचे सीएम, पीड़ितों को हरसंभव मदद का भरोसा

अमृत विचार : उत्तरकाशी जिले के आपदाग्रस्त धराली गांव में प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच राज्य और केंद्र सरकार ने राहत, बचाव एवं सर्च ऑपरेशन में पूरी ताकत झोंक दी है।

बुधवार को दो लोगों के शव बरामद किए गए जबकि 153 लोगों के साथ ही लापता सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल समेत 10 जवानों को रेस्क्यू कर लिया गया। इनमें दो जवानों को हेलीकॉप्टर से हायर सेंटर जबकि दो अन्य को सड़क मार्ग से एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश भेजा गया है। लापता लोगों की तलाश युद्ध स्तर पर जारी है, जिनमें केरल से 28 पर्यटकों का एक समूह भी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को धराली में ग्राउंड जीरो पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे कर्मियों से भी भेंट की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत सामग्री समयबद्ध तरीके से प्रभावितों तक पहुंचे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बुधवार सुबह मुख्यमंत्री से फोन पर बात कर धराली क्षेत्र में चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों का अपडेट लिया।

दिव्यांगजनों के भरण-पोषण भत्ते में दोगुनी वृद्धि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पहले मिलते थे 2000 अब मिलेंगे प्रतिमाह 4000 रुपये

अमृत विचार : राज्य सरकार ने दिव्यांगजनों की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करते हुए एक बड़ा निर्णय लिया है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित विशेष विद्यालयों, संस्थाओं में निवासरत दिव्यांग संवासियों के भरण-पोषण भत्ते की राशि को 2000 प्रतिमाह से बढ़ाकर 4000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। यह निर्णय बुधवार से प्रभावी हो गया है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने कहा कि भरण-पोषण भत्ते में की गई यह बढ़ोतरी दिव्यांग बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए बड़ी राहत है। प्रमुख सचिव सुभाष चंद्र शर्मा द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार, पूर्व में 25 अप्रैल 2016 को जारी शासनादेश को संशोधित करते हुए यह निर्णय लिया गया है।

यूपी बोर्ड : इंटर और हाईस्कूल कम्पार्टमेंट परीक्षा के नतीजे घोषित

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की वर्ष 2025 की हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट कम्पार्टमेन्ट परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि हाईस्कूल में 15985 छात्र तथा 4783 छात्राएं थीं, जिसमें कुल 20768 पंजीकृत थे। 14685 छात्र तथा 4460 छात्राएं को मिलाकर कुल 19145 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। सचिव ने बताया कि इंटर कम्पार्टमेन्ट परीक्षा में 12495 छात्र तथा 13128 छात्राओं सहित कुल 25623 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें 10899 छात्र तथा 11641 छात्राओं सहित कुल 22540 उत्तीर्ण घोषित हुए। छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 91.08 तथा छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 91.43 है।

संघ प्रमुख बोले — हिंदू धर्म सार्वभौमिक, विविधता को स्वीकार करने की देता है शिक्षा

संघर्षरत विश्व को हिंदू धर्म की आवश्यकता : भागवत

नागपुर (महाराष्ट्र), एजेंसी

- नागपुर में किया धर्म जागरण न्यास के नए भवन का लोकार्पण

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि आज के संघर्षग्रस्त विश्व को हिंदू धर्म की आवश्यकता है, क्योंकि यह एक सार्वभौमिक धर्म है, जो विविधता को स्वीकार करने की शिक्षा देता है।

भागवत ने यहां धर्म जागरण न्यास के नए भवन के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व को इसी 'धर्म' की आवश्यकता है। विश्व अपनी विविधताओं को स्वीकार करते हुए जीना नहीं जानता, इसीलिए इतने संघर्ष हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीयों के लिए 'धर्म' एक परम सत्य है। उन्होंने कहा कि यह धर्म एकता और सभी विविधताओं को स्वीकार करना सिखाता है। हम सभी विविधताओं को स्वीकार करते हैं। हम इसलिए अलग नहीं हैं, क्योंकि हम विविध हैं, यह धर्म यही हमें सिखाता है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि यह एक सार्वभौमिक धर्म है, लेकिन चूंकि हिंदुओं ने इसे सबसे पहले खोजा था, इसलिए इसे हिंदू धर्म कहा जाने लगा। उन्होंने कहा कि अन्यथा, हिंदू धर्म प्रकृति का धर्म है, एक सार्वभौमिक पंथ है, मानवता का धर्म है। प्रत्येक हृदय को इस धर्म से जागृत होना चाहिए।

धर्म का कर्तव्य केवल ईश्वर के प्रति ही नहीं

भागवत ने कहा कि धर्म का कर्तव्य केवल ईश्वर के प्रति ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति भी होता है। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास बताता है कि धर्म के लिए अनेक बलिदान दिए गए। उन्होंने कहा कि धर्म के लिए ढेरों सिर काटे गए, लेकिन किसी ने धर्म नहीं छोड़ा। आप सभी ने छावा फिल्म देखी होगी। यह सब (बलिदान) हमारे लोगों ने किया। वे हमारे लिए एक मिसाल हैं। हिंदी फिल्म छावा मराठा राजा छत्रपति संभाजी के जीवन पर आधारित है, जिन्हें 1689 में मुगल सम्राट औरंगजेब ने कड़ी यातनाएं दीं और अंत में उन्हें मौत के घाट उतार दिया था।

दूसरों को बदलने की जबरन कोशिश न हो

भागवत ने कहा कि इस तरह के बलिदान आम लोगों द्वारा भी किए गए थे, क्योंकि उनका मानना था कि हमारा धर्म सत्य पर आधारित है और दुनिया का अंतिम सत्य यह है कि भले ही हम सामान्य जीवन में अलग-अलग दिखते हों, लेकिन हम सभी एक हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म यह भी सिखाता है कि विभिन्न धर्मों के मार्ग एक ही मंजिल तक ले जाते हैं, इसलिए किसी को भी दूसरों के तौर-तरीकों को जबरन बदलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 7 अगस्त 2025

बाढ़ का कहर जारी, बारिश से 14 की मौत

मिर्जापुर जिला सबसे अधिक प्रभावित, प्रयागराज में यमुना खतरे के निशान से 1.19 मीटर ऊपर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ का कहर कम होता नहीं दिख रहा है। सिंचाई विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, मिर्जापुर जिला बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित है। सिंचाई विभाग की ओर से संबंधित अधिकारियों को इसके लिए सचेत कर दिया गया है। वहीं, बारिश के दौरान अलग-अलग हादसों में तमाम जिलों में 14 की जान चली गई।

उधर, प्रयागराज में यमुना अपने खतरे के निशान 84.74 मीटर से 1.19 मीटर और प्रयागराज के ही छदनाग क्षेत्र में खतरे के निशान 84.374 मीटर से 58 सेमी. ऊपर बह रही है। पूर्वांचल में वाराणसी, गाजीपुर, बलिया, श्रावस्ती क्षेत्र में बहने वाली नदियों के साथ ही लखनऊ मंडल के लखीमपुर खीरी के पलिया में शारदा खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गई। हालांकि देर रात सभी जगह जलस्तर घटने की संभावना है।

बाराबंकी में सरयू नदी के बढ़े जलस्तर के बीच नाव से चारा लाते ग्रामीण।

बारिश से हुए हादसों में चित्रकूट में एक बच्चे समेत दो, महोबा में दो और उन्नाव में एक बच्ची की जान चली गई। प्रयागराज के फाफामऊ में तीन और बमरौली एयरपोर्ट के पास दो लोग डूब गए। बिजनौर में दो, सीतापुर में एक और मुरादाबाद में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

वहीं निरंतर हो रही बारिश के बीच मानसून गुरुवार को प्रदेश के दक्षिणी हिस्से, विंध्य क्षेत्र और पूर्वांचल की दिशा पकड़ेगा। वहीं,

- अभी प्रदेश में जारी रहेगा बारिश का सिलसिला

प्रदेश के पश्चिमी तराई इलाकों में बीते दो दिनों में भारी बरसात के बाद तराई इलाकों में दोबारा बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, बांग्लादेश के ऊपर बने सिस्टम की सक्रियता बढ़ने से राज्य में बारिश का सिलसिला अभी रहने वाला है।

मंगलवार और बुधवार को पश्चिमी-तराई में भारी बारिश देखने को मिली। इस दौरान बिजनौर में सर्वाधिक 190 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं बरेली में 160 मिमी, मुरादाबाद में 150 मिमी बरसात हुई। पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर आदि में भी अच्छी बरसात हुई।

निराश्रित महिलाओं को पर्वों से पहले ही भेजी गई पेंशन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार ने 36 लाख से अधिक महिलाओं के खाते में भेजी 1115.64 करोड़ की पेंशन राशि

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने रक्षाबंधन और जन्माष्टमी से पहले निराश्रित महिलाओं को उपहार दिया है। महिला कल्याण विभाग ने पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) की 1115.64 करोड़ रुपये की धनराशि अगस्त के पहले सप्ताह में ही 36,75,623 लाभार्थी महिलाओं के आधार-लिंक्ड बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी है। जिससे उन्हें त्योहार मनाने में आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े।

महिला कल्याण विभाग की निदेशक संदीप कौर ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के त्योहारों को ध्यान में रखते हुए पेंशन की राशि समय से पहले हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि कोई भी पात्र महिला इस योजना के लाभ से वंचित न रहे।

निदेशक के मुताबिक, योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए उप्र. की निवासी महिलाएं sspy-up.gov.in वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में इस योजना के तहत 35,78,111 लाभार्थी महिलाओं को 1062.15 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

तिरंगा अभियान में स्वास्थ्य विभाग भी देगा सलामी

अमृत विचार, लखनऊ : इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग व परिवार कल्याण विभाग के अलावा चिकित्सा संस्थाएं भी तीन चरण में संचालित होने वाले 'हर घर तिरंगा' अभियान में प्रतिभाग करेंगी। हर संस्थान कार्यालय और अस्पताल पर तिरंगा फहराने के साथ अधिकारियों को सामूहिक रूप से ली गई सेल्फी भी केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी। यह निर्देश प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि 2 से 8 अगस्त तक चलने वाले प्रथम चरण, द्वितीय चरण (9 से 12 अगस्त) और 13 से 15 अगस्त तक चलने वाले तृतीय चरण में कार्यालयों और अस्पतालों को तिरंगा लाइटिंग से सजाया जाएगा। कार्यालय, प्रतिष्ठान में तिरंगे का प्रदर्शन किया जाएगा एवं अधिकारियों व कर्मचारियों को harghartiranga.com पर तिरंगे के साथ सामूहिक सेल्फी अपलोड करने हेतु प्रेरित किया जाएगा।

गोरखपुर व कानपुर देहात में बनेंगे नए राजकीय संप्रेक्षण गृह

अमृत विचार, लखनऊ : गोरखपुर व कानपुर देहात में बालकों के लिए नये राजकीय संप्रेक्षण गृह बनाने की तैयारी तेज हो गई है। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री बाल आश्रय योजना के तहत 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किये हैं। सरकार ने महिला कल्याण विभाग को इनके निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये हैं। योजना के तहत राज्य सरकार ने बीते वर्ष नवंबर में प्रदेश में 10 नये सम्प्रेक्षण गृह बनाने का निर्णय लिया था। इनमें राजधानी लखनऊ के अलावा गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, अमेठी, फिरोजाबाद, बस्ती, झांसी व कानपुर देहात जिले शामिल हैं। सम्प्रेक्षण गृहों की क्षमता 100 बालकों की होगी। राज्य सरकार सभी नये सम्प्रेक्षण गृहों के शीघ्र निर्माण के निर्देश दिये हैं।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान 13 तक

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन का 13 अगस्त तक चलने वाला विशेष दिव्यांगजन रोजगार अभियान बुधवार से शुरू हो गया। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि अभियान का उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनकी क्षमताओं के अनुसार रोजगार से जोड़ना है। कौशल विकास केंद्रों और आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त दिव्यांगजनों को रोजगार में वरीयता दी जाएगी। जिन दिव्यांगजनों ने अभी तक कोई प्रशिक्षण नहीं प्राप्त किया है, उनके लिए भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

किसानों की आज निकलेगी ई-लॉटरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नाम आया तो अनुदान पर मिलेगा कृषि यंत्र
- सभी जिलों में आज व कल होगा किसानों का चयन
- बड़ी स्क्रीन लगाकर कृषि विभाग बरतेगा पारदर्शिता

अमृत विचार : प्रदेश में गुरुवार को किसानों की ई-लॉटरी निकलेगी। यह प्रक्रिया शुक्रवार को भी चलेगी और जिन किसानों नाम इसमें आया, उन्हें अनुदान पर कृषि यंत्र दिया जाएगा। गांव, कस्बों तक बड़ी स्क्रीन लगाकर कृषि विभाग ई-लॉटरी में पूरी पारदर्शिता बरतेगा। चयनित न होने वाले किसानों की जमानत धनराशि छह महीने के भीतर वापस कर दी जाएगी।

दरअसल, राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को अनुदान पर कृषि यंत्रों का लाभ दे रही है। किसानों का पारदर्शिता से इसका लाभ मिले, इसके लिए सभी जिलों में डीएम की अध्यक्षता में कृषि विभाग द्वारा ई-लॉटरी से किसानों का चयन किया जाएगा। यह प्रक्रिया सभी जिलों में 7 अगस्त (गुरुवार) व 8 अगस्त (शुक्रवार) को होगी। प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेज्ड्यू एवं सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के अंतर्गत कृषि यंत्रों की बुकिंग तथा नेशनल मिशन ऑन एडिबल (ऑइलसीड) योजना के अंतर्गत मिनी ऑइल मिल एक्स्ट्रैक्सन यूनिट एवं तिरपाल की बुकिंग किसानों द्वारा विभागीय पोर्टल पर की गयी है। इसका पारदर्शी ढंग से चयन ई-लाटरी के माध्यम से कृषि विभाग द्वारा कराया जाएगा।

ई-लॉटरी के लिए जनपदीय उप कृषि निदेशक द्वारा संबंधित किसानों व जिला स्तरीय कार्यकारी समिति के सदस्यों को सूचित किया गया है। ई-लाटरी के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति डीएलएससी (जिला स्तरीय समन्वय समिति) के सदस्यों का विवरण विभागीय पोर्टल पर बुधवार तक अनिवार्य रूप से फीड कर लिया जाएगा। कृषि विभाग ने निर्देश जारी किया है कि ई-लाटरी की प्रक्रिया के लिए ऐसे स्थान का चयन किया जाए, जहां इसे अधिक से अधिक किसान देख सकें।

ई-लॉटरी में चयनित किसानों को मोबाइल पर एसएमएस भेजा जाए। सूचना एवं बिल अपलोड की अंतिम तिथि की सूचना के साथ-साथ प्रतीक्षा सूची में चयनित कृषकों को भी सूचित किया जाएगा। ई-लॉटरी में चयनित न होने वाले किसानों की जमानत धनराशि अधिकतम छह महीने में वापस कर दी जाएगी।

नाला खुला दिखे तो कर्मचारियों पर हो कार्रवाई : शर्मा

अमृत विचार, लखनऊ : नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की अध्यक्षता में बाढ़ व वर्षा से उत्पन्न परिस्थितियों पर अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई। राज्य में बाढ़ और अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति के संबंध में जानकारी ली, जिस पर जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सभी अधिकारी अलर्ट मोड पर हैं। इस दौरान एके शर्मा ने पीडब्ल्यूडी और नगर विकास के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों पर जलजमाव की स्थिति में जलनिकासी की व्यवस्था करने के साथ ही त्वरित गति से सड़कों की मरम्मत कराई जाए। सभी अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि गड्ढा मुक्ति और नाली आदि को ढकने का काम सुनिश्चित कर लिया जाए।

लखनऊ में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को रक्षा सूत्र बांधतीं महिला उत्थान मंडल की बहनें।

मंत्री भी प्रदर्शन करने पर मजबूर : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश के हर क्षेत्र में अराजकता, लूट और भ्रष्टाचार है। सत्तारूढ़ दल के विधायक, मंत्री भी धरना और प्रदर्शन करने पर मजबूर हैं। किसी की कोई सुनवाई नहीं है। भ्रष्टाचारियों और अराजक तत्वों से प्रदेश का हर वर्ग परेशान है। भाजपा सरकार ने नौ साल में सरकारी बजट को लुटाने के सिवा कोई काम नहीं किया। सपा प्रमुख ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि प्रदेश के कई जिले बाढ़ से जूझ रहे हैं। लोगों के सामने खाने-रहने, दवा, इलाज का संकट है। सरकार बाढ़ पीड़ितों की मदद नहीं कर रही है। बाढ़ से खेती-बाड़ी, जानवर और फसलों का बड़े पैमाने पर नुकसान हो रहा है। सरकार सो रही है। इसीलिए बाढ़ पीड़ितों की न प्रयागराज, फतेहपुर, बलिया में मदद हो पा रही है और न तो वाराणसी, हमीरपुर से लेकर अन्य जिलों में कोई मदद हो रही है।

किसानों को समय पर मिले खाद-बीज : कृषि मंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों को समय पर खाद व बीज उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, किसानों के हित में स्वीकृत बजट को समय पर किसानों के हित में खर्च कर लिया जाए। कृषि मंत्री बुधवार को कृषि भवन में विभागीय समीक्षा बैठक कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि संबंधित कृषि यंत्र भी किसानों को समय से उपलब्ध कराया जाए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। कृषि मंत्री ने उर्वरक की आपूर्ति, भंडारण व वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक खाद विक्रय केंद्र स्तर पर इसकी निरंतर गहन निगरानी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसानों के खतौनी में नाम दर्ज भूमि के सापेक्ष ही उर्वरक दिया जाए, ताकि जमाखोरी व कालाबाजारी पर लगाम लगाई जा सके। बैठक में प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र, सचिव कृषि इन्द्र विक्रम सिंह, विशेष सचिव टीके शिबू व ओपी वर्मा, निदेशक कृषि डॉ. पंकज कुमार त्रिपाठी व निदेशक सांख्यकीय सुमिता सिंह समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लखनऊ स्थित कृषि भवन में समीक्षा बैठक करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए बस सेवा फ्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने रक्षाबंधन पर्व पर परिवहन सेवा सुलभ कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि 7 अगस्त से 12 अगस्त तक (6 दिन) की अवधि में अधिक से अधिक बसों का संचालन कराया जाए, जिससे कि लोगों को रक्षाबंधन पर्व पर आवागमन में कोई असुविधा न हो। इस दौरान विषम परिस्थितियों को छोड़कर कोई भी अधिकारी कार्य स्थल से बिना सूचना दिये नहीं छोड़ेगा।

परिवहन मंत्री ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणानुसार रक्षाबंधन पर्व पर 8 अगस्त की सुबह 6 बजे से 10 अगस्त की मध्य रात्रि 12 बजे तक सभी माताओं, बहनों-बेटियों को निःशुल्क परिवहन सेवा उपलब्ध होगी। परिवहन निगम द्वारा संचालित सभी श्रेणी की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

प्रबन्ध निदेशक परिवहन निगम मासूम अली सरवर ने बताया कि उक्त अवधि में जो चालक व परिचालक, छह दिन और 1800 किमी का बस संचालन पूर्ण करते हैं तो उन्हें 1200 रुपये की प्रोत्साहन उन्हें प्राप्त होगी। अधिक किमी अर्जित करने पर 55 पैसे प्रति किमी की दर से अतिरिक्त भुगतान देय होगा। इसी प्रकार डिपो एवं क्षेत्रीय कार्यशाला के कर्मचारियों को एकमुश्त 500 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त होगी।

नियामक आयोग का सलाह देना कोर्ट की अवमानना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- निजीकरण मामले में उपभोक्ता परिषद ने फिर दाखिल की आयोग में याचिका

अमृत विचार : ऊर्जा निगमों के निजीकरण मामले में राज्य विद्युत नियामक आयोग का राज्य सरकार को सलाह देने से सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होगा। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने बुधवार को यह तर्क देते हुए फिर आयोग में याचिका दाखिल की।

प्रकिया को लेकर राज्य सरकार ने विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 86 (2) के तहत नियामक आयोग से निजीकरण पर सलाह मांगी है। नियामक आयोग ने निजीकरण के मसौदे पर कई खामियां निकाली हैं। याचिका में उपभोक्ता परिषद ने अपीलेट ट्रिब्यूनल की ओर से पीटीसी इंडिया बनाम केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग में पारित संवैधानिक पीठ के निर्णय का हवाला दिया है। कहा गया है कि आयोग का सैद्धांतिक अनुमोदन जैसा कोई भी जवाब सलाह के रूप में वैध नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि निजीकरण प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित एनर्जी टास्क फोर्स की बैठक में लिया गया है। इस निर्णय को वैध बनाने के लिए आयोग से सलाह देने का प्रयास किया जा रहा है।

बिजली कर्मी चलाएंगे कॉर्पोरेट घरानों के खिलाफ अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के बिजली कर्मी अब 'कॉर्पोरेट घरानों-सार्वजनिक क्षेत्र में पॉवर सेक्टर छोड़ो' अभियान चलाएंगे। भारत छोड़ो आंदोलन व काकोरी क्रांति की पूर्व संध्या पर 8 अगस्त को यह कार्यक्रम आयोजित होगा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने बुधवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया।

समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण से निजी कंपनियां मुनाफे के लिये काम करने आएंगी। बिजली के दामों में बेतहाशा वृद्धि होगी। निजीकरण प्रदेश के किसानों, गरीब और माध्यम वर्गीय उपभोक्ताओं के लिये अंधेरे का संदेश लेकर आयेगा। लोगों को इससे निजात पाने के लिये अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। अभियान के तहत 8 अगस्त से 15 अगस्त तक बिजली कर्मी प्रतिदिन तिरंगा लेकर व्यापक जनसंपर्क कर आम लोगों को बिजली के निजीकरण से होने वाले नुकसान से अवगत कराएंगे।

कांग्रेस की जयहिंद यात्रा कल से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश कांग्रेस इस माह कार्यक्रम आयोजित कर शहीदों को नमन करेगी और इतिहास के पन्नों में दर्ज आजादी के आंदोलन को याद करेगी। कार्यक्रम के तहत 8 अगस्त से कांग्रेस की 'जयहिंद यात्रा' शुरू होगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बुधवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि 1942 में 8 अगस्त को महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा देकर भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी। कार्यक्रम की श्रृंखला की शुरुआत 8 अगस्त को काकोरी में जयहिंद यात्रा निकाल कर की जाएगी। इसके बाद 9 अगस्त को प्रयागराज, 10 अगस्त आगरा व मुरादाबाद, 11 अगस्त अयोध्या (फैजाबाद), 12 अगस्त आजमगढ़, 14 अगस्त मैनपुरी, 15

प्रेस वार्ता करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय।

अगस्त मऊ, 16 अगस्त चंदौली (धानापुर) व जौनपुर, 17 अगस्त वाराणसी, 18 अगस्त गाजीपुर व सीतापुर, 19 अगस्त बलिया, 23 अगस्त गोरखपुर, 28 अगस्त को चंदौली में कार्यक्रम कर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की जाएगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व विधायक रवींद्र चौधरी, मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, प्रदेश प्रवक्ता सचिन रावत आदि मौजूद रहे।

जुलाई में 72346.08 करोड़ का मिला राजस्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार को वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के जुलाई माह तक कर राजस्व के तहत प्रमुख मदों में कुल 72346.08 करोड़ आय हुई है।

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि इस जुलाई में मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों से राज्य सरकार को कुल 18394.27 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस माह 17304.60 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था। बीते वर्ष की तुलना में प्रदेश को 1089.67 करोड़ राजस्व अधिक प्राप्त हुआ है। कर राजस्व के अंतर्गत जीएसटी में माह जुलाई 2025 में कुल 6949.01 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई। बीते साल जुलाई में राजस्व प्राप्ति 6804.46 करोड़ रही थी।

इसी तरह, वैट के अन्तर्गत माह इस जुलाई में 2818.36 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई। आबकारी के तहत इस जुलाई में कुल 4354.28 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई है। बीते वर्ष इस माह प्राप्ति 3952.53 करोड़ रही थी। स्टाम्प तथा निबंधन के तहत इस जुलाई में राजस्व प्राप्ति 3112.26 करोड़, परिवहन के तहत राजस्व प्राप्ति 860.93 करोड़, भू-तत्व तथा खनिकर्म के अन्तर्गत 299.43 करोड़ राजस्व प्राप्ति हुई।

बदलाव | सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, रिसर्च संस्थान और आयुष चिकित्सालयों में बढ़ीं सुविधाएं

आठ वर्षों में प्रदेश में बदली स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हर जिले में मिल रही डायलिसिस और सीटी स्कैन की सुविधा

अमृत विचार : पिछले आठ वर्षों में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में खासा विकास हुआ है। मुख्यमंत्री योगी ने एमबीबीएस-पीजी सीटें बढ़ाने के लिए न केवल हर जिले में मेडिकल कॉलेज योजना चलाई, बल्कि हर जिले में डायलिसिस जैसी सुविधा उपलब्ध कराकर जीवन रक्षक चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध करायी हैं। इतना ही नहीं सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों और रिसर्च संस्थानों की स्थापना तथा आयुष चिकित्सा को बढ़ावा देकर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिखा है।

प्रदेश में 44 राजकीय एवं 36 निजी, कुल 80 मेडिकल कॉलेज चल रहे हैं। बिजनौर, बुलंदशहर, कुशीनगर, पीलीभीत, सुल्तानपुर, कानपुर देहात, ललितपुर, औरैया, चंदौली, गोंडा, सोनभद्र, लखीमपुर खीरी और कौशांबी जैसे जिलों में स्वशासी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सत्र प्रारंभ हो चुका है। वहीं, महाराजगंज, शामली और संभल में पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के तहत मेडिकल कॉलेजों की स्थापना कर चिकित्सा शिक्षा को और अधिक सुलभ बनाया गया है। इस प्रकार प्रदेश में 5,250 एमबीबीएस और पीजी सीटों की संख्या 900 से बढ़कर 1,871 हो गई है, निजी क्षेत्र में 2,100 पीजी सीटें उपलब्ध हैं। इनमें पीपीपी मॉडल के तीन नए मेडिकल कॉलेजों में 350 अतिरिक्त सीटें शामिल हैं। इतना ही नहीं, सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों में भी 250 सीटें बढ़ी हैं, गुणवत्तायुक्त चिकित्सा शिक्षा से प्रदेश में चिकित्सा सेवाओं का मार्ग प्रशस्त होता है।

आयुष शिक्षा को भी मिला बढ़ावा

अयोध्या में आयुर्वेदिक महाविद्यालय और वाराणसी में होम्योपैथिक सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई है। प्रदेश में कुल 2,110 आयुर्वेदिक, 254 यूनानी और 1,585 होम्योपैथिक चिकित्सालय कार्यरत हैं। इसके अलावा, आठ आयुर्वेदिक कॉलेज, दो यूनानी कॉलेज और नौ होम्योपैथिक कॉलेज चल रहे हैं। गोरखपुर में आयुष विश्वविद्यालय, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय स्थापित हुआ है। प्रदेश में आयुष बोर्ड का गठन का निर्णय है ।

सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों की स्थापना

कैंसर मरीजों के लिए राजधानी में कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट स्थापित हुआ है। संजय गांधी पीजीआई में डायबिटीज सेंटर की स्थापना और 500 बेड के एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। आईआईटी कानपुर में 'स्कूल ऑफ मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी' की स्थापना भी की जा रही है, जो चिकित्सा अनुसंधान और अत्याधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देगा।

नर्सिंग शिक्षा और क्रिटिकल केयर को मिला विस्तार

प्रदेश में 27 नर्सिंग कॉलेजों में से 25 में निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। साथ ही, नर्सिंग में 7,000 सीटों और पैरामेडिकल में 2,000 सीटों की वृद्धि की गई है। वर्तमान में 352 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) से अधिक को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) की सुविधाओं से लैस किया गया है। साथ ही 72 स्वास्थ्य इकाइयों में सौर ऊर्जा से बिजली की आपूर्ति की गई है। सभी जिलों में डायलिसिस सेवाएं साथ ही सीटी स्कैन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है । प्रदेश भर में 515 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट, 75 जिला स्तर पर इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब और 74 क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक का निर्माण शामिल है।

गोरखपुर को शीघ्र मिलेगा एक और टूरिस्ट स्पॉट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बदहाल चिलुआताल का योगी सरकार ने किया कायाकल्प

अमृत विचार : गोरखपुर शहर के उत्तरी छोर पर दशकों तक बदहाल रहे चिलुआताल को राज्य सरकार ने टूरिस्ट स्पॉट बना दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से चिलुआताल घाट का कायाकल्प शहर के उत्तरी छोर में पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन चुके रामगढ़ताल की तर्ज पर कराया गया है। चिलुआताल घाट भी पर्यटन के साथ रोजगार का केंद्र बनेगा। इसके लिए घाट पर कियॉस्क भी बनाए गए हैं।

चिलुआताल घाट के सौंदर्यीकरण का कार्य लगभग पूरा हो गया है। ताजा स्थिति यह है कि पहले लोग यहां आने को कतराते थे, लेकिन अब लोग सुबह-शाम घाट का आनंद लोकार्पण होने से पहले ही ले रहे हैं। पर्यटन विभाग की मंशा जल्द इसका लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों कराने की है।

पर्यटन विभाग के उप निदेशक राजेंद्र प्रसाद यादव के मुताबिक, चिलुआताल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 20 करोड़ 39 लाख रुपये की परियोजना को मूर्त रूप दिया गया है। परियोजना के तहत 98 प्रतिशत काम पूरा हो गया है।

न्यूज ब्रीफ

एसपी को रक्षासूत्र बांधतीं छात्राएं।

छात्राओं ने एसपी की कलाई में बांधी राखी

कानपुर देहात। बुधवार को मांवर के दि जैन वर्ल्ड स्कूल की छात्राओं ने कार्यालय पहुंचकर एसपी अरविंद मिश्र की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनके दीर्घायु व स्वस्थ जीवन की कामना की। एसपी ने छात्राओं को उपहार भेंटकर आशीर्वाद दिया। छात्राओं ने एएसपी राजेश पांडेय समेत अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी राखी बांधी। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक भी रहे।

प्रतियोगी छात्र का सुबह मिला शव

कानपुर देहात। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के बरौला निवासी मोहनलाल का बेटा पुष्पेंद्र (21) इंटर की परीक्षा पास करने के बाद प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। मंगलवार की देर शाम खाने के बाद छप्पर के नीचे सोने चला गया। बुधवार सुबह शव मिला। मां संगीता, भाई धर्मपाल समेत अन्य परिजन बिलखते रहे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जहरीला कीड़ा काटने से महिला गंभीर

पुखरायां। देवरहाट थाना क्षेत्र के सुल्तानापुर के अनुरुद्ध ने बताया कि मां मीरा देवी (40) खेत में जानवरों के लिए चारा लेने गई थी, हाथ में जहरीले कीड़ा काटने से हालत बिगड़ गई। परिजन उन्हें सीएचसी ले गए, जहां डॉ. गोविंद प्रसाद ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला को मेडिकल कालेज अकबरपुर रेफर कर दिया।

पंचायतघर से सामान और कंप्यूटर चोरी

रूरा। भिखनापुर के पंचायत घर से लाखों का सामान चोरी हो गया। पंचायत सहायक सौम्या तिवारी ने बताया कि जब वह बुधवार सुबह पहुंची तो मेन गेट व कमरे के दरवाजे के ताले टूटे थे। अंदर कंप्यूटर, पंखा, इनवर्टर, बैटरी, प्रिंटर, पीएचसी का इनवर्टर, बैटरी, प्रिंटर व अन्य सामान नहीं था। थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि तहरीर मिली है। मौके पर पुलिस गई है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बाढ़ सिमटी, ढर्रे पर लौटी जिंदगी

बाढ़ में बह गया भूसा और हरा चारा, मवेशियों का पेट भरने का गहराया संकट

संवाददाता, राजपुर

- बेहमई में खतरे के निशान से पांच मीटर नीचे पहुंचा जलस्तर
- बाजरा, मक्का, कुम्हड़ा, कद्दू और तिल की फसलें हो गईं बर्बाद
- आधा दर्जन गांवों में सबसे ज्यादा पशुओं के चारे की परेशानी

बाढ़ के पानी से भीगने से घर का भूसा सड़ गया। अमृत विचार

बाढ़ घटने के बाद खेत की फसल में भरा पानी। अमृत विचार

अमृत विचार: धीरे-धीरे समुना की बाढ़ के पानी से घिरे गांवों के लोगों का जीवन अब पटरी पर लौटना शुरू हो गया है, लेकिन अब उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती पालतू मवेशियों का पेट भरने की है। भूसा और चारा बाढ़ में बह चुका है। उधर, बाढ़ का पानी उतरने से संपर्क मार्गों पर लोगों का आवागमन शुरू हो गया है, लेकिन कीचड़ के चलते समस्याएं बरकरार हैं।

यमुना का जलस्तर बढ़ने से सिकंदरा तहसील क्षेत्र के दस गांवों में बाढ़ आ गई थी। इससे जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। सबसे ज्यादा परेशानी नदी की तलहटी पर बसे जैसलपुर, महदेवा, गौहानी बांगर, बेहमई, बैजामऊ बांगर, भुपैय्यापुर गांव में थी। इन गांवों के करीब दो सैकड़ा घर बाढ़ के पानी से घिरे थे। अब धीरे-धीरे बाढ़ का पानी कम हो गया है। पहले बेहमई गेज में यमुना खतरे के निशान से करीब ढाई मीटर ऊपर बह रही थी। वहीं बुधवार को यमुना का पानी खतरे के निशान से करीब पांच मीटर से अधिक नीचे आ गया है। जिससे पानी गांवों से निकल गया है। वहीं तेज धूप निकलने से जमीन भी पानी सोख रही है।

इधर, बाढ़ प्रभावित गांव के लोग गांवों से पानी निकलने के बाद घरों से निकलकर रोजमर्रा के कार्यों में व्यस्त हो गए हैं। सर्वाधिक मारामारी पशुओं के चारे को लेकर चल रही है। जैसलपुर गांव निवासी नरेंद्र सिंह ने बताया कि बाढ़ की वजह से जैसलपुर व महदेवा गांव के एक सैकड़ा किसानों की करीब डेढ़ हजार बीघा बाजरा, मक्का, कुम्हड़ा, कद्दू व तिल की लगभग डेढ़ हजार बीघा फसल बर्बाद हुई है। ऐसे में किसानों को सबसे ज्यादा चिंता पशुओं के चारे को लेकर है। भूसा भी बर्बाद हो गया है और खेतों का चारा भी नहीं बचा है।

ओवरफ्लो होने से भाल खाजरा बंबी की कट गई पटरी, फसलें लबालब

संवाददाता, राजपुर

- नदियों में बाढ़ की वजह से छोड़ा गया पानी, आसपास के खेत डूबे
- क्षमता से अधिक पानी आने पर फटी बंबी, तालाब भी उफनाया

बंबी ओवरफ्लो होने से बहता पानी। अमृत विचार

अमृत विचार: राजपुर रजबहे से जुड़ी भाल खारजा बंबी की पटरी कटने से तालाब ओवरफ्लो हो गया। जिससे खेतों में पानी भर गया और किसानों की करीब 35 बीघा फसल जलमग्न हो गई।

नदियों में बाढ़ के चलते नहरों के पानी को खारजा बंबी में क्षमता से अधिक छोड़ा गया है। जिसके चलते बुधवार को राजपुर रजबहे से जुड़ी खारजा बंबी की पटरी कट गई और भाल गांव का तालाब ओवरफ्लो हो गया। जिससे आसपास के खेत जलमग्न हो गए। भाल गांव के किसान नरेश सिंह, प्रमोद दीक्षित, रामदेव, सुनील, देवेंद्र त्रिपाठी, राजकिशोर, प्रभाकांत आदि ने बताया कि शराब ठेके के सामने खारजा बंबी की पटरी कटने से तालाब ओवरफ्लो हुआ है।

बंबी की पटरी कटने से किसानों की करीब 35 बीघा कुम्हडा, मक्का, ज्वार आदि की फसलें जलमग्न हो गई हैं। भाल गांव के प्रधान बब्बन दीक्षित ने नहर विभाग को सूचना दी। नहर विभाग के जेई तारिक खान ने बताया कि बंबी में अधिक पानी आने के कारण समस्या आई है। उच्चाधिकारियों से कहकर नहर के पानी को भी कम कराया जा रहा हैं।

दुकानदार से मारपीट व लूट की सूचना, पुलिस मान रही संदिग्ध

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- एएसपी और सीओ सिटी ने मौके पर पहुंचकर की तहकीकात
- पुलिस बोली-लेन-देन को लेकर हुई मारपीट, खंगाल रहे कैमरे

दुकानदार से लूट की सूचना पर छानबीन करती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार: रनियां में दुकानदार से मारपीट पर उसके साथी ने पुलिस को लूट की जानकारी दे दी। जिसपर अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ व थाना प्रभारी ने मौके पर छानबीन की। फिलहाल पुलिस घटना को संदिग्ध मानकर चल रही है।

रनियां कस्बा के मालबर रोड निवासी सूरज गुप्ता विसायकपुर में नेशनल हाईवे किनारे होटल चलाते हैं। बुधवार की सुबह वह घर से दुकान जा रहे थे। तभी हाईवे किनारे एक फैक्ट्री के बाहर दो-तीन युवकों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि युवकों ने उसकी आंखों में लाल मिर्च पाउडर डालकर मारपीट की और उसकी जेब में रखे रुपये छीनकर फरार हो गए। दुकानदार के परिचित ने इसकी जानकारी डायल 112 पर पुलिस को दी।

सूचना पर पीआरवी व थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। इधर सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय और सीओ सदर संजय वर्मा ने भी मौके पर जाकर दुकानदार से पूछताछ की। थाना प्रभारी एसएन सिंह ने बताया कि दुकानदार और मारपीट करने वाले युवक पहले से ही परिचित बताए जा रहे हैं। प्रथमदृष्टया रुपये के लेन-देन को लेकर मारपीट की बात सामने आई है। लूट की घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए जा रहे हैं।

बेकाबू ऑटो पलटने से अधेड़ की मौत

राजपुर। जल्लापुर से सवारी लेकर कस्बे आ रहा तेज रफ्तार ऑटो भाल पुलिया पुल के पास पलट गया, जिससे उसमें सवार अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। पीएचसी से मेडिकल कालेज रेफर किया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

थाना क्षेत्र के जल्लापुर निवासी मशीउल्लाह ने बताया कि जनपद औरैया के थाना अजीतमल के चपटा गांव निवासी शहंशाह (45) काफी वर्षों से जल्लापुर गांव में निवास कर रहे थे। बुधवार को वह किसी कार्य से आटो में सवार होकर राजपुर जा रहे थे। तभी भाल पुलिया के पास अनियंत्रित होकर आटो पलट गया। हादसे में शहंशाह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें राजपुर पीएचसी में भर्ती कराया। जहां डाक्टर हरदीप प्रताप सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। राजपुर प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार ने बताया कि परिजनों ने कानूनी कार्रवाई करने से इंकार किया है।

मोबाइल न देने से नाराज 8वीं के छात्र ने दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के कुईतखेड़ा गांव का मामला
- एकलौते बेटे को फंदे पर लटका देख बदहवाश हो गई मां

अमृत विचार: मोबाइल न देने से नाराज आठवीं के छात्र ने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की।

अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के कुईतखेड़ा गांव निवासी सतीश यादव का बारह वर्षीय पुत्र प्रद्युम्न गांव के ही स्कूल में आठवीं का छात्र था। मंगलवार को प्रद्युम्न ने परिजनों से मोबाइल मांगा, लेकिन उन्होंने नहीं दिया। इससे नाराज छात्र ने घर में कमरे के अंदर फंदा लगाकर जान दे दी। एकलौते बेटे को फंदे पर लटका देख मां रीना बदहवास हो गईं। रक्षाबंधन पर्व के ठीक पहले एकलौते भाई की मौत पर बहन कीर्ति भी बिलख पड़ी। पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी दौड़े। जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। अकबरपुर कोतवाल सतीश कुमार ने बताया कि परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। जिसपर पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को सुपुर्द कर दिया गया है।

लाडला होने से जिद्दी हो गया था प्रद्युम्न

- घर का एकलौता होने के कारण प्रद्युम्न परिजनों का लाड़ला था। इसके चलते वह जिद्दी भी हो गया था। परिजनों से मोबाइल न मिलने पर उसने फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों का कहना है कि उन्हें अगर मालूम होता कि प्रद्युम्न इस तरह का कदम उठा लेगा तो वह नया मोबाइल खरीदकर दे देते।

खेलने निकले किशोर की ट्रेन से कटकर मौत

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के कानपुर-झांसी रेलवे लाइन पर तिलौंची गांव के सामने डाउन लाइन पर किशोर का शव पड़ा मिला। पुलिस ने छानबीन की है।

बुधवार की दोपहर तिलौंची रेलवे फाटक से पहले खंभा नंबर 1312/2 के पास एक किशोर के ट्रेन से कटने की सूचना डायल 112 पर पुलिस को मिली। ग्रोथ सेंटर चौकी इंचार्ज जसवीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया। इसी बीच पहुंचे नारायणपुर निवासी बलवान सिंह ने शव की शिनाख्त अपने 14 वर्षीय बेटे दिलीप सिंह के रूप में की। पिता ने बताया कि बेटा सुबह 10 बजे खेलने की बात कहकर घर से निकला था। देर तक घर न लौटने पर वे लोग खोजबीन कर रहे थे। मौत से मां ममता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। दिलीप तीन भाईयों में छोटा था। पिता खेतीबाड़ी करते हैं। गजनेर एसओ जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम भेजा गया है।

डीएचओ को कारण बताओ नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक करतीं सीडीओ लक्ष्मीं एन.। अमृत विचार

- कार्य की धीमी प्रगति पर सीडीओ ने जताई नाराजगी, दिए निर्देश

अमृत विचार: जनपद में उद्यान विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की बैठक बुधवार को विकास भवन सभागार में सीडीओ लक्ष्मीं एन. की अध्यक्षता में हुई।

जिला उद्यान अधिकारी डॉ. बल्देव प्रसाद ने बताया कि योजना अंतर्गत 1030 ईकाई का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसके सापेक्ष अब तक 321 ईकाईयां स्थापित की गई हैं। कम प्रगति पर सीडीओ ने जिला उद्यान अधिकारी एवं योजना अंतर्गत कार्यरत जनपदीय रिसोर्स पर्सन से कड़ी नाराजगी जताई। निर्देशित किया कि प्राप्त लक्ष्यों के सापेक्ष डीआरपी को लक्ष्य का आवंटन दोबारा करें। संतोषजनक कार्य न करने वाले डीआरपी के डी-इंपेन्डलमेंट कार्रवाई की जाएगी।

सीडीओ ने कहा कि एक सप्ताह से अधिक समय तक पत्रावली डीआरपी/डीएलसी स्तर पर लंबित न रहे। उन्होंने जिला उद्यान अधिकारी को धीमी कार्य प्रगति पर कारण बताओ नोटिस व संतोषजनक कार्य न करने वाले डीआरपी पर कार्रवाई के निर्देश दिए। योजना के पोर्टल का परीक्षण करने पर पाया गया कि 110 आवेदन विभिन्न शाखाओं पर लंबित हैं। जिसपर लीड बैंक प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि अधिक समय से लंबित प्रस्तावों की व्यक्तिगत समीक्षा करते हुए समय पर आवेदनों का निस्तारण किया जाए। एलडीएम नितिन शंकर सिंह पंद्रह दिनों से अधिक लंबित पत्रावलियों का निस्तारण 15 अगस्त से पूर्व करने का आश्वासन दिया। बैठक में उप कृषि निदेशक हरि शंकर भार्गव, जिला कृषि अधिकारी उमेश गुप्ता, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद पांडेय, जिला समन्वयक बड़ौदा यूपी बैंक प्रदीप कुमार समेत अन्य अधिकारी व बैंकर्स मौजूद रहे।

विद्यालय की दूरी, बच्चों की समस्या और मजबूरी

संवाददाता, राजपुर

- तमरापुर गांव के अभिभावकों ने एसडीएम से की शिकायत
- नहर का जर्जर पुल और सड़क पार करते गांव के नौनिहाल

अमृत विचार: विद्यालय मर्ज होने को लेकर तमरापुर गांव के दर्जनों लोगों ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर समस्या का निराकरण करने की मांग की है। अभिभावकों का कहना है कि स्कूल की दूरी बढ़ने से अधिकांश बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाएंगे।

राजपुर ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत सहाबापुर के मजरा तमरापुर का प्राथमिक विद्यालय सहाबापुर में मर्ज कर दिया गया है। जिससे तमरापुर के अभिभावकों ने ग्राम प्रधान के साथ मिलकर एसडीएम सिकंदरा को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि सहाबापुर जाने के लिए पहले बच्चों को जर्जर नहर पुल से होकर गुजरना पड़ता है। जिससे गिरने का खतरा बना रहता है। वहीं राजपुर से कृपालपुर सड़क को पार करते हैं, जिसपर छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं और दुर्घटना का डर बना रहता है।

इसके साथ ही तमरापुर गांव से सहाबापुर की दूरी लगभग एक किलोमीटर है, जिससे पैदल जाने में बच्चों को समस्या होगी। ऐसे में अधिकांश अभिभावकों ने बच्चों को विद्यालय भेजना बंद कर दिया है। शिकायती पत्र देने में ग्राम प्रधान नीलेंद्र कटियार, नीमा देवी, पंकज, सुनीता, निहाल कश्यप, रोशनी, मोनी, हलीमा, इंदु, सपना, नंदकुमार, अखिलेश आदि मौजूद रहे। एसडीएम सिकंदरा शालिनी उत्तम ने बताया कि मामले में जांच कराई जाएगी।

10 से तिरंगा यात्रा निकालेगी भाजपा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- 13 अगस्त तक सभी मंडिलों में भाजपा करेगी आयोजन
- हर घर तिरंगा अभियान व यात्रा तैयारियों को लेकर हुई बैठक

तिरंगा यात्रा को लेकर जानकारी देती भाजपा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान। अमृत विचार

अमृत विचार: भाजपा जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई बैठक में हर घर तिरंगा अभियान व यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की गई।

बुधवार को माती भाजपा पार्टी कार्यालय में 14 अगस्त को रेणुका सचान की अध्यक्षता में हर घर तिरंगा अभियान एवं तिरंगा यात्रा की तैयारी को लेकर बैठक हुई। जिसका शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। जिलाध्यक्ष ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 10 से 13 अगस्त तक जिले के सभी मंडलों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों की साफ-सफाई कर माल्यार्पण किया जाएगा।

14 अगस्त को विभाजन विभीषिका के स्मरण में मौन जुलूस आयोजित होगा। वहीं, 15 अगस्त को हर घर पर तिरंगा फहराया जाएगा और शाम 5 बजे तक सम्मानपूर्वक उतारा जाएगा। बैठक में हर घर तिरंगा अभियान एवं तिरंगा यात्रा को सफल बनाने को प्रत्येक मंडल के लिए प्रभारी की नियुक्ति की गई है। मुख्य अतिथि सुनील साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छाशक्ति एवं निर्णायक नेतृत्व व ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर देश गौरवांवित है।

बैठक में युवा मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सुनील साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवबीर सिंह भदौरिया, रसूलाबाद विधायक पूनम संखवार, पूर्व जिलाध्यक्ष मदन पांडेय, सौरभ मिश्रा, बबलू शुक्ला, बृजेंद्र सिंह, परवेश कटियार, केपी सिंह, कल्पना सक्सेना, सत्यम सिंह चौहान, अतुल चंदेल, विनय प्रताप सिंह शिव विलास मिश्रा आदि मौजूद रहे।

बुधवार को पैदल मार्च करतीं संस्था की राष्ट्रीय सचिव दीक्षा यादव। अमृत विचार

परीक्षा घोटाले के विरोध में पुतला दहन

राजपुर। एसएससी परीक्षा घोटाले को लेकर देश भर के छात्रों में आक्रोश व्याप्त है। साथ ही दिल्ली जंतर मंतर पर आंदोलन चल रहा है, जिसके समर्थन में बुधवार को एक उम्मीद संस्था के तत्वावधान में भारी संख्या में लोगों ने पुतला दहन किया। साथ ही सिकंदरा के राजेंद्र नगर से पटेल चौक तक पैदल मार्च कर विरोध जताया गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व एक उम्मीद की राष्ट्रीय सचिव दीक्षा यादव व अमित यादव ने किया। उन्होंने कहा कि घोटालों की जांच होनी चाहिए। इस दौरान संस्था की प्रदेश अध्यक्ष सीता यादव, मंजीत यादव प्रदेश उपाध्यक्ष, फैसल अंसारी प्रदेश महासचिव, चरण सिंह यादव जिलाध्यक्ष, पवन सिंह चौहान, पान सिंह यादव, अवधेश यादव, प्राची कटियार, लारेब नक़वी, अभिषेक गुप्ता, लता कश्यप आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला | 10 से 28 अगस्त तक जिले में चलाया जाएगा सर्वजन दवा सेवन अभियान

17 .61 लाख लोग खाएंगे फाइलेरिया दवा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

फाइलेरिया अभियान को लेकर कार्यशाला में जानकारी देते सीएमओ डॉ. एके सिंह।

अमृत विचार: ज़िले में 10 अगस्त से एक व्यापक सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान शुरू किया जाएगा। इसका उद्देश्य दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित व दुर्बल करने वाली फाइलेरिया बीमारी को जड़ से ख़त्म करना है। यह अभियान ज़िले भर के अनुमानित 17.61 लाख लोगों को दवा पिलाएगा। यह जानकारी बुधवार को सीएमओ डॉ. एके सिंह ने कार्यशाला में दी।

उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य खतरे की रोकथाम और उसे खत्म करने के लिए आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराना है। अभियान 10 से 28 अगस्त तक चलेगा। इसमें पूरे क्षेत्र में केंद्रित हस्तक्षेप की अवधि शामिल होगी। अभियान सभी ब्लॉकों अकबरपुर, अमरौधा, मैथा, मलासा, डेरापुर, राजपुर, रसूलाबाद व झींझक में चलेगा। सीएमओ ने कहा आशा कार्यकर्ताओं को लोगों के घरों में सीधे दवा देने के लिए तैनात किया जाएगा। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दवाएं उनकी प्रत्यक्ष देखरेख में ली जाएं, जो व्यक्ति शुरू में दवा लेने से इंकार करते हैं, उनसे स्वास्थ्य कार्यकर्ता दोबारा मिलेंगे।

उन्होंने बताया कि आईडीए-एमडीए के तहत आइवरमेक्टिन, एल्बेंडाज़ोल व डीईसी दवा दी जाती है, जो मानव शरीर में फाइलेरिया परजीवियों से लड़ने के लिए सहक्रियात्मक रूप से कार्य करती हैं। कुछ लोगों में सेवन के बाद खुजली, त्वचा पर चकत्ते या उल्टी जैसी हल्की समस्या हो सकती है। जिला मलेरिया अधिकारी मारुति दीक्षित ने बताया कि जनपद में फाइलेरिया के 3039 रोगी चिंहित हैं। इनमें से 2866 लोग हाथीपांव से पीड़ित हैं। वहीं अभियान कार्यांवयन की निगरानी के लिए कुल 348 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। कार्यशाला में मेडिकल कॉलेज की सामुदायिक चिकित्सा विभाग अध्यक्ष डॉ. नेहा अग्रवाल, पीएसपी अध्यक्ष सीएचओ जागृति श्रीवास्तव, प्रतिनिधि साक्षी, सीमा आदि रहे।

उद्यमियों को बड़ी चपत लगा रहा विद्युत विभाग

संवाददाता, रनियां

वार्ता करते जोनल चेयरमैन हरदीप सिंह।

अमृत विचार: सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने का दंभ भर रही है, मगर बिजली विभाग उद्यमियों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। औद्योगिक क्षेत्र में ट्रिपिंग से रोजाना लाखों रुपये का नुक़सान उठाना पड़ रहा है। यह बात बुधवार को स्मॉल इंडस्ट्रीज मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन (सीमा) जोनल चेयरमैन हरदीप सिंह राखरा ने प्रेसवार्ता में कही।

उन्होंने कहा कि 1 अगस्त से 6 अगस्त तक दोपहर में 20-22 बार सप्लाई बाधित हुई। बार-बार ट्रिपिंग से मशीनों में पड़ा माल खराब हुआ। उत्पादन प्रक्रिया बाधित हुई। कटौती समस्या को लेकर बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों को कई बार फोन किया किया गया, लेकिन किसी ने न तो गंभीरता से लिया और न ही कोई समाधान किया। इस दौरान संदीप कोचर, अजय गर्ग, विनोद तिवारी, सुनील गुप्ता, वीके गुप्ता, भूपेंद्र कुमार शुक्ला, दिग्विजय सिंह आदि उद्यमी मौजूद रहे। वहीं अधिशासी अभियंता पुष्प देव ने कहा कि बारिश में समस्याएं बढ़ी हैं। कर्मचारी बढ़ाकर समस्या को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

बंद मकान में छापा, 9 जुआरी पकड़े गए

हमीरपुर। कस्बे के बजरिया मोहल्ला में बंद मकान में पुलिस ने छापा मारा। फोर्स देखकर जुआरियों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने 9 जुआरियों को दबोच लिया। इंस्पेक्टर रामआसरे सरोज ने बताया कि बुधवार को बजरिया स्थित पुनीत के मकान में जुएं की फड़ चलने की सूचना मिली। पुलिस फोर्स के साथ दरवाजा खोलवाने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर जुआरियों में हड़कंप मच गया और छत से भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर 9 जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। फड़ से 39 हजार रुपये बरामद हुए हैं।

सोलर प्लांट से 11 प्लेट ले गए चोर

हमीरपुर। सिसोलर थाना क्षेत्र के ग्राम भमई में चोरों ने सोलर प्लांट में लगी आधा दर्जन से अधिक प्लेट चोरी कर ले गए। पीड़ित ने इस घटना की तहरीर सिसोलर पुलिस को देकर चोरों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। क्षेत्र सिसोलर के ग्राम भमई निवासी सेवानिवृत्त अध्यापक मंगल सिंह ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उन्होंने अपने प्लॉट में तीन किलो वाट का सोलर प्लांट सरकार की योजना के तहत लगवाया था। जिसमें 12 सोलर प्लेट लगी हुई थी। मंगलवार की रात चोरों ने सोलर प्लांट की 11 प्लेट खोल कर चोरी कर ले गए। सुबह इस घटना की जानकारी हुई। मंगल सिंह ने चोरी गई प्लेटों की कीमत एक लाख रुपये से अधिक बताई है।

सामान अपने साथ रखने की सलाह दी

हमीरपुर। रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने टीम के साथ पैदल गस्त किया। वाहनों की चेकिंग की। रोडवेज बस में महिला यात्रियों को छत में झोला सामान न रख अपने पास रखे जाने को जागरूक किया। त्यौहार के नजदीक आने पर महिलाओं का आना जाना शुरू है। उन्होंने बताया कि महिला यात्रियों को सतर्कता बरतने को जागरूक अभियान चलाया जा रहा है। ताकि किसी तरह की घटना न हो सके।

दहेज के लिए प्रताड़ित करने की दी तहरीर

हमीरपुर। महोबा के मिरतला गांव के छबिलाल राजपूत ने थाने में तहरीर देकर बताया कि पुत्री की शादी क्षेत्र के महेरा गांव के राहुल पुत्र राजबहादुर के साथ की थी। दहेज को लेकर पति राहुल, ससुर राज बहादुर, सास कमला, ननद शीलम नीरज प्रताड़ित कर रहे थे। वह बेटी को मायके ले आए। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि जांच कर ससुरालीजनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह थाना सुमेरपुर के बांक गांव निवासी बरदानी पुत्र दिबिया ने दी तहरीर में कहा कि पुत्री की शादी 12 साल पहले कल्ला गांव निवासी रामबाबू पुत्र बदलू बाल्मीकि के साथ की थी। पति शराब पीने का आदी है।

दर्जी व ब्यूटी पार्लर के लिए मांगे गए आवेदन

हमीरपुर। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि जिला ग्रामोद्योग कार्यालय को कौशल सुधार प्रशिक्षण योजना (एससीएसपी) योजना के अंतर्गत दर्जी ट्रेड में 50 एवं ब्यूटी पार्लर ट्रेड में 50 और कौशल सुधार प्रशिक्षण (सामान्य) के अन्तर्गत दर्जी ट्रेड में 25 का लक्ष्य मिला है। योजनाओं के अन्तर्गत आवेदको के उम्र की न्यूनतम सीमा 18 तथा अधिकतम सीमा 45 वर्ष होगी तथा एक परिवार के एक ही सदस्य का चयन किया जाएगा। चयन के समय प्रशिक्षण के लिए दिव्यांग, बीपीएल परिवार के सदस्यों तथा महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

नून नदी का निरीक्षण करने पहुंचे मंडलायुक्त व सीडीओ

चंडारी तालाब में कमल पुष्प की खेती करने के लिए कमल के बीज बोए गए

संवाददाता, शिवराजपुर

नून नदी के उद्गम स्थल पर मौजूद अधिकारी व अन्य लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। बुधवार दोपहर रामपुर नरुआ गांव में मंडलायुक्त के . विजयेन्द्र पांड्यन व मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन नून नदी के पुनरुद्धार कार्य पूर्ण होने के उपरान्त कार्यक्रम की प्रगति का निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के उपरांत वहां पर स्थित चंडारी तालाब में स्वयं सहायता समूह के साथ कमल पुष्प की खेती करने के लिए कमल के बीज बोए और पौधरोपण भी किया । इस दौरान उनके साथ कई अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

शिवराजपुर विकासखंड के 2 ग्राम पंचायत के पास समूह की 56 महिलाओं द्वारा कमल की पौध तैयार की गई थी। वहीं कमल की पौध को अधिकारियों द्वारा चंडारी तालाब में रोपित किया गया। नून नदी के पुनरुद्धार कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे कानपुर कमिश्नर विजयेन्द्र पांड्यन व विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मंडलायुक्त व मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने मौके पर पहुंचकर अभी तक हुए विकास कार्य को जांचा परखा। साथ ही चंडारी तालाब में कमल के पुष्प की खेती करने के लिए कमल के बीज रोपे । साथ ही आसपास स्थित जगहों पर पौधरोपण किया गया। इसके बाद अधिकारियों ने अटल आवासीय विद्यालय के क्रीड़ा स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मैदान में बजरी इत्यादि डंप किया गया था,जिसे मैदान से हटाने की निर्देश दिए गए। विदित हो कि पिछले कई महीनों से नून नदी के पुनुरुद्धार का कार्य चल रहा था, जिसमें नून नदी के उद्गम स्थल कन्हैया झील से शुरू होकर यह नदी लगभग 50 किलोमीटर का सफर तय करते हुए बिठूर में गंगा नदी में मिल गई है। नून नदी का पुनुरुद्धार कार्य लगभग 6 महीने से चल रहा था। इस मौके पर प्रमुख रूप से खंड विकास अधिकारी बलराम सिंह, ब्लॉक प्रमुख शुभम वाजपेई, ग्राम प्रधान छविराम,ग्राम प्रधान आदर्श मिश्रा,पंचायत सचिव अंजली पांडे , जेई कामता नाथ बाजपेई, एवं सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद थे ।

नून नदी को प्रदूषित करने का वीडियो हुआ वायरल

एक ओर जहां नून नदी को शुद्ध और पुराने रूप में लाने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। नून नदी जीर्णोद्वार योजना के तहत कानपुर जिलाधिकारी और सीडीओ कानपुर नगर लगातार नदी की सफाई को लेकर मॉनिटरिंग कर रहे हैं और नून नदी में सफाई बनाए रखने के लिए ग्रामीणों को जागरूक भी कर रहे हैं । वहीं एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें दिख रहा है कि नून नदी में किसी फैक्ट्री से उसका दूषित व और विषैला पानी गिर रहा है। हालांकि इस वीडियो की पुष्टि अमृत विचार अखबार नहीं करता है। वहीं दूसरी ओर शिवराजपुर के जगदीशपुर गांव के पास फैक्ट्री द्वारा नदी में दूषित पानी छोड़ा जा रहा है जिससे लोगों में आक्रोश है ।

खाद की किल्लत होने पर फील्ड पर उतरे अधिकारी

बिल्हौर । बिल्हौर तहसील क्षेत्र में पिछले कई दिनों से किसानों को हो रही खाद की किल्लत की शिकायतों पर प्रशासन सख्त हो गया है। शिकायतों का संज्ञान लेते हुए उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित, सहायक निबंधक (एआर) कोऑपरेटिव राकेश प्रभाकर और जिला कृषि अधिकारी अमर सिंह ने संयुक्त रूप से फील्ड में उतरकर स्थिति का जायजा लिया।

अधिकारियों ने सबसे पहले मकनपुर और अरौल समेत कई समितियों का दौरा किया। उन्होंने वहां मौजूद खाद के स्टॉक की जांच की और किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। समितियों के निरीक्षण के बाद अधिकारियों की टीम ने कई निजी खाद दुकानों पर भी छापा मारा। उन्होंने दुकानों में मौजूद स्टॉक और बिक्री रजिस्टर की जांच की। उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने बताया कि किसानों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्षेत्र में खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। जिला कृषि अधिकारी अमर सिंह ने बताया कि किसान पहले से ही आलू की फसल के लिए खाद का स्टॉक कर रहा है जिसके चलते तमाम उर्वरक की किल्लत सामने आ रही है । उन्होने किसानों से कहा खाद का स्टाक न करें।

बच्ची के नाम का चेक पिता को देते अधिकारी। अमृत विचार

सीएचसी प्रभारी ने बच्ची के पिता को सौंपी चेक

संवाददाता बिधनू

अमृत विचार। बिधनू सीएचसी में बीते बुधवार को आप्रेशन से बच्ची को जन्म देने के 15 घंटे बाद प्रसूता की मौत पर स्टाफ नर्स की लापरवाही व बाहर से इंजेक्शन मंगाकर लगाने में हंगामा किया था। इस मामले में सीएचसी अधीक्षक ने स्टाफ नर्स के खिलाफ रिपोर्ट भेजने के साथ बुधवार को बच्ची के नाम 25 हजार रुपये से सुकन्या खाता शुरू कराया।

रमजीपुरवा निवासी कमलेश कुमार की 30 वर्षीय पत्नी पूजा की बीते 30 जुलाई की सुबह आप्रेशन से बच्ची को जन्म देने के 15 घंटे बाद मौत हो गई थी। परिजनों ने स्टाफ नर्स सीमा वर्मा पर लापरवाही व बाहर से इंजेक्शन मंगवाकर लगाने का आरोप लगाया था। इसके बाद भी एसीएमओ रवींद्र प्रताप मिश्रा ने स्टाफ नर्स पर विभागीय जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद सीएमओ हरिदत्त नेमी भी घटना की पड़ताल करने सीएचसी पहुंचे और नर्स समेत सभी स्टाफ नर्सों को बुलाकर सख्त निर्देश दिए। सीएचसी चिकित्साधीक्षक डा. नीरज सचान से घटना की जल्द जांच कर रिपोर्ट भेजने को कहा था। जिसपर सीएचसी चिकित्साधीक्षक ने आरोपित नर्स के खिलाफ रिपोर्ट भेज दी।

इसके साथ ही उन्होंने समाज मे बेटियों के प्रति अच्छी भावना को बढ़ावा देने के लिए नवजात बच्ची के नाम 25 हजार रुपये से सुकन्या खाते की शुरुआत की। जिसकी चेक पिता कमलेश को सौंपी।

रुद्राभिषेक व भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता, घाटमपुर

भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार। बुधवार को आर्दश विक्रम फील्ड में महा रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। रुद्राभिषेक के बाद यहां पर लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

आदर्श सचान के ईंट भट्ठे में सावन के अंतिम बुधवार को विद्वान आचार्य के द्वारा विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ बाबा भोलेनाथ को दूध, दही, शहद, फल, जल, घी आदि विशेष सामग्रियां अर्पित कर महा रुद्राभिषेक किया गया। इस दौरान बाबा भोलेनाथ का अद्भुत श्रृंगार देखकर लोग भाव विभोर हो गए। रुद्राभिषेक के दौरान भोले बाबा के भजनों व कीर्तनों पर लोग झूमते रहे। वहीं रुद्राभिषेक सम्पन्न होने के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतू चौरसिया, उत्कर्ष सचान, आदर्श सचान, सहित लोग मौजूद रहे।

सावन के महीने का बताया महत्वः बिठूर। यहां के प्रजापति मोहाल मन्धना में स्थित ब्रम्हादेव मंदिर में शिव महापुराण की कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा 6अगस्त से प्रारम्भ हुई और इसका समापन 12अगस्त को होगा। कथा के पहले दिन आचार्य शरदेन्दु जी त्रिपाठी ने प्रत्येक वर्ष पड़ने वाले सावन महीने का महत्व बताते हुए भगवान शिव की महिमाओं का वर्णन किया। ब्रम्हादेव मंदिर सेवा समिति के तत्वाधान में पिछले 40वर्षों से यहां पर कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा में अतुल दीक्षित,बेटू मिश्रा,श्याम बिहारी दीक्षित,प्रवीण शुक्ला,मुकेश,सुकेश आदि रहे।

खंती में डूबकर छात्र की गई जान

बिठूर। बिठूर थाना क्षेत्र के बिरतियान मंधना निवासी मजदूर बबलू के बेटे सोहित गौतम(7)की सड़क किनारे खंती में डूबने से मौत हो गयी। बबलू बिरतियान मंधना में अपनी ससुराल में पास के मकान में किराए पर रहते है। बबलू ने बताया वह और पत्नी रेखा मजदूरी के लिए चले गए थे। घर में बड़ा बेटा राज और सोहित थे। सोहित दोपहर बाद पड़ोस में रहने वाले हमउम्र आयुष के साथ लक्ष्मनपुर से शादीपुर जाने वाली सड़क की गहरी खंती के पानी मे नहाने लगा वहां पर वह डूब गया। सोहित को डूबता देख दोस्त आयुष ने शोर मचाया। शोर सुनकर रास्ते से गुजर रहे गांव के हिमांशु ने सोहित को किसी तरह बाहर निकाला लेकिन तब तक सोहित की सांसें थम चुकी थी।

विधायक ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

संवाददाता घाटमपुर

बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री देतीं विधायक सरोज कुरील। अमृत विचार

अमृत विचार । तहसील के यमुना तटवर्ती गांवों में बाढ़ का पानी उतर चुका है। प्रशासन ने गांवों की साफ सफाई के लिए 60 सफाईकर्मियों की टीम तैनात की है। वहीं घाटमपुर विधायक सरोज कुरील ने बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री वितरित करते हुए हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है।

घाटमपुर तहसील क्षेत्र के गड़ाथा, अमिरतेपुर, महुआपुरवा, कटरी समेत आधा दर्जन गांवों में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से नदी का पानी गांवों में घुस गया था। इससे लोगों के घर डूब गए थे और उन्हें जबरदस्त परेशानी का सामना करना पड़ा था। अब यमुना नदी का जलस्तर घटने से लोगों के घरों में भरा पानी निकल चुका है। लेकिन पानी उतरने के बाद गांवों में साफ सफाई बड़ी समस्या बनी हुई है। इसके समाधान के लिए घाटमपुर एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने घाटमपुर बीडीओ और नगर पालिका से समन्वय कर सफाई अभियान शुरू किया है।

प्रभावित गांवों में फॉगिंग भी कराई जा रही है। विधायक सरोज कुरील बीते दो दिनों से बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर बाढ़पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित कर रही हैं। एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने बताया कि प्रशासन बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ है और उन्हें हर संभव राहत पहुंचाई जा रही है।

पूर्व सांसद मिले बाढ़ पीड़ितों से

घाटमपुर। सपाइयों का एक प्रतिनिधिमंडल घाटमपुर विधानसभा क्षेत्र के महुआ पूर्वा ,हरदौली , काटर, गड़ाथा गांव में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने वहां पर पहुंच कर लोगों का हाल-चाल लिया और फल व खाद्य सामग्री बांटीं। यहां पर प्रमुख रूप से पूर्व सांसद राजा रामपाल, जिला उपाध्यक्ष अनिल सोनकर वारसी, राजू वर्मा, शैलू सोनकर, विजय पटेल ,सोमवती शंखवार, शिवासिंह पाल , ब्लॉक अध्यक्ष मनोज यादव, बाबा शिवकरण निषाद, सेक्टर प्रभारी छोटे सिद्दीकी, जीतू यादव, नवल सिंह यादव, राघवेंद्र, शाहिद रहे।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26

CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053

Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

कार्यशाला अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा की अगुवाई में वार्ड नंबर 5, 16, 17 और 24 में हुआ कार्यक्रम

स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्रोत पर ही कूड़े का पृथक्करण

संवाददाता बिल्हौर

लोगों को गीले व सूखे कूड़े के बारे में जानकारी देते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। बुधवार को बिल्हौर अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा ने नगरपालिका कार्यालय में विभिन्न वार्डों के गणमान्य नागरिकों के साथ स्रोत पर कूड़े के पृथक्करण के विषय पर एक महत्वपूर्ण बैठक की।

अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा की अगुवाई में वार्ड नंबर 5, 16, 17 और 24 में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में स्वच्छ भारत मिशन की मंडल कार्यक्रम प्रबंधक पलक शर्मा ने भी भाग लिया। उन्होंने मोहल्ला समिति के सदस्यों के सहयोग से वार्ड के निवासियों को समझाया कि कैसे वे गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग कूड़ेदानों में रखें। उन्होंने यह भी बताया कि जब घर-घर कूड़ा लेने वाली गाड़ी आएं, तो उन्हें कचरा अलग-अलग डिब्बों में ही देना चाहिए। अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा ने कार्यक्रम के दौरान सभी से प्रतिबंधित पॉलीथीन का उपयोग न करने की अपील की।

उन्होंने जोर देकर कहा कि पॉलीथीन के इस्तेमाल से हमारा पर्यावरण प्रदूषित होता है, और यह हम सभी के लिए हानिकारक है। इस जागरूकता कार्यक्रम में सभासद मो. शमीम, कांति राठौर, सत्येंद्र पांडे, अन्य पालिकाकर्मी और बड़ी संख्या में वार्ड निवासी उपस्थित रहे। इस पहल से उम्मीद है कि लोग अपने घरों से ही कूड़े को अलग-अलग करना शुरू करेंगे।

प्रशासन ने उड्डा गांव के रास्ते से हटवारा घूरे का ढेर

ककवन । ककवन ब्लॉक के ग्राम उड्डा में गांव में अंदर जाने वाले रास्ते पर ग्रामीणों ने घूरा (गोबर का ढेर) व कूड़ा डालकर अतिक्रमण कर रखा था। वहीं अब तहसील प्रशासन ने रास्ते से घूरे के ढेर को हटवाकर रास्ता साफ करा दिया है। बीते दिनों तहसील दिवस में ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी बिल्हौर, संजीव दीक्षित से रास्ते पर लगे घूरे के ढेर को हटवाने को कहा था। उपजिलाधिकारी ने इसे गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए थे । इसी के चलते नायाब तहसीलदार सीपी राजपूत मौके पर पहुंचे और पुलिस बल की मदद से अतिक्रमण को हटवाया। गांव वालों ने बताया कि यह रास्ता कई सालों से घूरों से भरा हुआ था।इससे पैदल चलना भी मुश्किल था। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। रास्ता साफ होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, गुरुवार, 7 अगस्त 2025

सुविचार

जब तक प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में राष्ट्रवाद की भावना का विकास नहीं होगा तब तक देश का सर्वांगीण विकास नहीं हो सकता।

- जय प्रकाश नारायण

कानपुर के प्रमुख समाचार

- सांड़ ने बाइक सवार युवक को मार डाला II
- कमर तक पानी, जाम-नगर निगम नाकाम III
- 50 फीसदी टैरिफ से निर्यातक पस्त IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

स्मार्ट सिटी के स्वीमिंग पूल

मूसलाधार बारिश से जाजमऊ में सड़क धंस गई। यहां करीब 10 फीट से ज्यादा चौड़ा गड्ढा हो गया। जिससे आवागमन बाधित हो गया। यह सड़क और धंसने का अनुमान है। इसके अलावा गुमटी, सिविल लाइंस सोम वाटिका पार्क के पास सड़क धंस गई। यहां बैरीकेडिंग लगा दी गई है। झाड़ी बाबा पड़ाव कैंट के पास भी सड़क धंस गई जिससे आवागमन बाधित हुआ। बारिश से शहर भर में जमकर जलभराव भी हुआ और भीषण जाम लगा। रात तक लोग जाम से जूझते-खीजते रहे। (विस्तृत पैकेज-पेज III पर) अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

गुमटी में डॉट नाला धंसा, मिट्टी-पत्थर डाले

कानपुर। गुमटी में बारिश के बाद बुधवार को टॉक आफ द टाउन चौराहे पर सड़क धंस गई और यातायात रुक गया। रक्षाबंधन त्योहार को लेकर आस-पास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। यहां कुछ समय पहले ही सीवर लाइन की 20 मीटर नई पाइप डाली गई थी। सूचना पर पहुंची नगर निगम की टीम ने ईंट पत्थर डालकर गड्ढे को भर दिया। इसके अलावा जाजमऊ में भी सड़क धंस गई और बड़ा गड्ढा हो गया। इससे आवागमन प्रभावित हो गया। लोगों ने आसपास ईंटे रख दी हैं।

छावनी में डॉट सीवर लाइन क्षतिग्रस्त

कानपुर। छावनी परिषद के पास पुल के नीचे डॉट सीवर लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। जिससे विशाल आकार का गड्ढा हो गया। छावनी परिषद ने नगर निगम को पत्र भेजकर डॉट नाले को ठीक करने के लिए कहा है। परिषद ने कहा कि कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है।

भवनों को करें सोलराइज्ड

कानपुर। सरकारी भवनों को सोलराइज्ड करने के लिए बुधवार को यूपीनेडा, जलकल एवं जल निगम के साथ नगर आयुक्त ने बैठक की। बिनगवॉ एसटीपी, पनका एसटीपी, सजारी एसटीपी, सभी जल शोधन संयंत्रों के भवनों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए यूपीनेडा और केस्को से समन्वय बनाने के लिए कहा। नगर आयुक्त ने कहा कि 25 किलोवाट से अधिक विद्युत भार वाले भवनों को रेस्को मोड में और उससे कम विद्युत भार वाले भवनों को कैपेक्स मोड में सोलराइज्ड किया जाए।

भाजपा नेता रवि सतीजा ने बर्रा थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट, करीबी लवी की भी हुई गिरफ्तारी

वसूली के आरोप में चर्चित अधिवक्ता अखिलेश दुबे साथी समेत गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- छह घंटे की लंबी पूछताछ की गई बर्रा थाने में, इसके बाद कर ली गई गिरफ्तारी
- भाजपा नेता पर नाबालिग से दुष्कर्म का लगा था आरोप, अन्य मुकदमे भी दर्ज कराए गए थे

अमृत विचार। चर्चित अधिवक्ता अखिलेश दुबे को बुधवार बर्रा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि अखिलेश दुबे और उनके करीबी लवी मिश्रा को पुलिस ने वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया है।

अखिलेश से छह घंटे की लंबी पूछताछ के बाद उन्होंने गिरफ्तारी की जानकारी मीडिया को दी। डीसीपी ने बताया कि अखिलेश की गिरफ्तारी भाजपा नेता रवि सतीजा की शिकायत पर बर्रा में दर्ज मुकदमे में हुई है। रवि ने दुष्कर्म के फर्जी मामले में फंसाकर वसूली करने का आरोप लगाया है। रवि सतीजा के खिलाफ 2022 में धोखाधड़ी, कूटरचना समेत कई मुकदमे दर्ज कराए गए थे। यह सभी मुकदमे अखिलेश के इशारे पर दर्ज कराए जाने का आरोप है।

अखिलेश दुबे।

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने प्रेसवार्ता में मीडिया को बताया कि बर्रा थाने में दर्ज मुकदमे में अखिलेश दुबे अपनी सफाई देने के लिए फाइलों का पुलिंदा लेकर बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे डीसीपी साउथ ऑफिस पहुंचे थे। इस पर उन्हें बर्रा थाने में संपर्क करने के लिए कहा गया। उनके बर्रा थाने पहुंचते ही पुलिस ने अखिलेश और लवी मिश्रा को हिरासत में लेकर वसूली के आरोपों में पूछताछ की। अखिलेश दुबे ने कागजात दिखाकर पुलिस को संतुष्ट करना चाहा, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अखिलेश की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही पैरवी के फोन बजने लगे।

नाबालिग से दुष्कर्म का लगा था आरोप

डीसीपी साउथ के अनुसार 2022 में होटल कारोबारी और भाजपा नेता रवि सतीजा पर एक नाबालिग ने दुष्कर्म का आरोप लगाकर सनसनी फैलाई थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस की जांच में सामने आया कि पॉक्सो के मामले में शिकायत करने वाली लड़की बिहार की रहने वाली थी और उसके साथ कोई भी घटना नहीं हुई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि वसूली के इरादे से अखिलेश दुबे के इशारे पर रवि सतीजा पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया था। हालांकि पुलिस ने अभी तक मामले में कोई बयान दर्ज नहीं किया है। पुलिस की जांच में क्लीन चिट मिलने पर भाजपा नेता रवि सतीजा ने अखिलेश दुबे और उनके सहयोगियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में बर्रा थाने में मुकदमा दर्ज कराया, जिसमें अखिलेश की गिरफ्तारी हुई।

बिल्डर से वसूली करने में सिपाही और मीडिया कर्मियों पर एफआईआर दर्ज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कानपुर प्रेस क्लब का पूर्व कार्यकारिणी सदस्य, यू ट्यूबरों समेत 11 के खिलाफ कार्रवाई
- आरोपी पहले फर्जी खबरें चलाते फिर वसूली का सौदा करते, दबाव के लिए कीं फर्जी पोस्ट

अमृत विचार। ऑपरेशन महाकाल में बिल्डर से वसूली में सिपाही और कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य, यू ट्यूबरों समेत 11 लोगों के खिलाफ जाजमऊ थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई है। आरोप है कि ये लोग पहले फर्जी खबरें चलाते, फिर दबाव बनाकर वसूली करते। हालांकि मुकदमा दर्ज कराने वाले बिल्डर सहाब अनवर उर्फ सहाब लारी पर भी विवादित जमीनों के मामले में मुकदमे दर्ज हैं। सरकारी जमीन बेचने में उस पर उन्नाव से गैंगस्टर की कार्रवाई हुई थी। वह जेल भी जा चुका है।

जाजमऊ के स्वान टॉवर निवासी बिल्डर सहाब अनवर उर्फ सहाब लारी के अनुसार उसकी सामाजिक छवि खराब करने और वसूली के लिए दबाव बनाने को कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य दिवस पांडेय, शैलेंद्र सिंह यदुवंशी, नवीन गुप्ता, योगेश दीक्षित, मोहित शर्मा, अनिल गर्ग, यू ट्यूबर फैजान हैदर, कम्मू शेख, कमलेश फाइटर व कैमरामैन मुशीर फर्जी खबरें चलाते थे। बदनामी होने पर खबर चलाने से रोका जाता तो आरोपी वसूली का दबाव बनाते। दिवस पांडेय ने जाजमऊ आकर कहा कि वह उसे बदनामी से बचाएगा और खबरें भी नहीं चलाई जाएंगी। इसके बदले में 25 हजार वसूल किए। इसके बाद फिर कई बार में पांच-पांच हजार रुपये लिए गए। दिवस जब भी पैसे लेने आता उसके साथ कई लोग आते। जिसमें योगेश दीक्षित, कम्मू शेख, फैजान हैदर आदि होते। जाजमऊ थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की गई है।

- **एक्स व यूपी पुलिस पर की गई फर्जी पोस्ट :** बिल्डर सहाब अनवर के अनुसार आएदिन की वसूली से आजिज आकर उसने रुपये देना बंद कर दिया तो उसे परेशान किया जाने लगा। अवैध वसूली का पैसा जाजमऊ में तैनात रहे सिपाही सीमांत कुमार को भी मिलता था। इसलिए वह आरोपियों का साथ देता। वहीं आरोपियों ने एक दिन में 10-10 बार कमिश्नरेट पुलिस, यूपी पुलिस व एक्स पर विभिन्न आईडी से फर्जी पोस्ट किए। उन्नाव दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रयास हुआ।
- **बिल्डर ने भी बेची सरकारी जमीन, गैंगस्टर की कार्रवाई :** बिल्डर सहाब अनवर ने भी जमीनों का काफी खेल किया है। करोड़ों की सरकारी जमीन बेचने में उसके खिलाफ उन्नाव के गंगाघाट पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। सहाब लारी का चाचा नौशाद लारी उर्फ नौशाद अहमद भी जमीनों का खेल करता है। कई मामलों में शामिल रहा है। नवबंर 2023 को उन्नाव पुलिस ने बिल्डर को जेल भेजा था। उसके खिलाफ कानपुर में भी कई मुकदमे दर्ज हैं।

कर्नलगंज के तीन घरों में पकड़ी गई बिजली चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिजली चोरी की रोकथाम के संबंध में केस्को की विजिलेंस टीम बुधवार को चीनापार्क सबस्टेशन के अंतर्गत मिल रही शिकायतों के आधार पर पहुंची। टीम को चेकिंग अभियान के दौरान तीन परिसरों में बिजली चोरी मिली। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक कर्नलगंज के चांद अली पुत्र नदिर अली, जाकिर पुत्र रमजानी शाह और मो. फारूक पुत्र स्व. अब्दुल माजिद बिजली चोरी में पकड़े गए। तीनों मामलों में धारा 135 के तहत एफआईआर दर्ज करायी जा रही है। अभियान के अन्तर्गत क्षेत्र में बिजली चोरी नहीं करने के लिए जागरूक भी किया गया है।

आज यहां पर नहीं आएगी बिजली

कानपुर। सीएसए सबस्टेशन के अंतर्गत तिवारी घाट फीडर में बिजली गुरुवार को एबी केबिल डालने के कार्य की वजह से सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक नहीं रहेगी। खलासी लाइन एक व दो और तिकोनिया पार्क में सुबह 10 बजे से दो बजे तक और चावला मार्केट व कच्ची बस्ती में दोपहर दो बजे से छबीलेपुरवा एचएएल मानस विहार में सुबह नौ बजे से बिजली गुल रहेगी।

फाल्ट होने से रात को गई बिजली दोपहर में आई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में कुछ इलाकों में मंगलवार रात को गई बिजली बुधवार सुबह भी नहीं आई। बिजली मरम्मत कार्य को 11 घंटे लगे, तब जाकर दोपहर में हजारों लोगों को बिजली नसीब हुई। इसके अलावा 50 से अधिक क्षेत्रों में बुधवार को बिजली संबंधित व्यवधान का सामना करना पड़ा। किदवई नगर सबस्टेशन में पानी भरने से बिजली आपूर्ति बाधित हुई।

मंगलवार रात एक बजे के बाद वीसीबी में फाल्ट होने से साइकिल मार्केट सबस्टेशन के बेकनगंज और दादा मियां फीडर से जुडे आवासों और दुकानों की बिजली गुल हो गई। इसके बाद भूमिगत केबिल में फाल्ट होने से साइकिल मार्केट सबस्टेशन के 11केवी पानी टंकी फीडर की बिजली आपूर्ति भी एक बजे के बाद बाधित हो गई। सुबह तक बिजली नहीं आने से लोगों को पीने के पानी की भी समस्या का सामना करना पड़ा। गोविंद नगर सबस्टेशन के चावला मार्केट फीडर की बिजली वितरण ट्रांसफार्मर का लोड डिवाइड करने के लिए मंगलवार रात नौ बजे से देर रात डेढ़ बजे तक बिजली गुल रही। इसके अलावा तेज बारिश व हवा के कारण ओम नगर, संत नगर, टेलीफोन एक्सचेंज, हनुमान पार्क, गुमटी व बंबा रोड नगर व गंगागंज में भी बिजली संबंधित समस्या हुई।

बिजली मरम्मत का कार्य करते केस्को कर्मी। अमृत विचार

- बेकनगंज, दादा मियां में 11 घंटे गुल रही बिजली

पुलिस ने हाइड्रा मंगाकर पेड़ हटवाया और शव कब्जे में लिए। अमृत विचार

बारिश में गिरे पेड़ के नीचे दबकर दो लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पेड़ हटाते समय दबे मिले दोनों के शव, एक की शिनाख्त दूसरे का प्रयास

अमृत विचार। जूही के मिलिट्री कैंप चौकी के पास बारिश के कारण मंगलवार तड़के एक पाकड़ का पेड़ गिर गया। उसके चबूतरे पर सो रहे दो लोगों की पेड़ के नीचे दबने से मौत हो गई। इसकी जानकारी बुधवार को पेड़ काटकर हटाते समय हुई। पुलिस ने हाइड्रा की मदद से पेड़ हटवाकर दोनों शव निकाले और पोस्टमार्टम भेजे। एक मृतक की पहचान हुई है।

मिलिट्री कैंप चौकी से कुछ ही दूरी पर एक पुराना पाकड़ का पेड़ था, जो सोमवार से हो रही बारिश के कारण मंगलवार तड़के गिर गया था। पुराना और बड़ा पेड़ गिरने से यातायात बाधित हुआ तो पुलिस ने पेड़ के आगे का हिस्सा कटवाकर आवागमन सुचारु कराया। इसके बाद बुधवार को पार्षद की सूचना पर नगरनिगम के कर्मचारी पेड़ हटाने पहुंचे। पेड़ की टहनियां हटाने के बाद कर्मचारियों को एक युवक का हाथ नजर आया। इस पर उन्होंने तत्काल पार्षद और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने हाइड्रा की मदद से पेड़ को हटवाया तो पेड़ के नीचे दो शव दबे मिले। जूही थाना प्रभारी मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि पेड़ के नीचे चबूतरे पर पल्लेदार रात में सो जाते थे। मृतकों में एक की पहचान इलाके की बर्फ फैक्ट्री में काम करने वाले भूरा के रूप में हुई है।

राजनीति भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने साधा निशाना, कहा, ए फॉर अखिलेश, डी फॉर डिम्पल और आर फॉर राम गोपाल है

डिम्पल यादव का पहनावा मस्जिद में जाने लायक नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अल्पसंख्यक युवा उद्यमियों, व्यापारियों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद करने शहर आए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि सपा सांसद डिम्पल यादव का पहनावा मस्जिद के नियम-कानून के हिसाब से सही नहीं था। डिम्पल का पहनावा मस्जिद में जाने लायक भी नहीं था। उन्होंने मस्जिद में बिना सिर पर साड़ी का पल्लू रखे प्रवेश किया जबकि मस्जिद में पुरुष और महिला का पूरा शरीर ढका होना जरूरी होता है। डिम्पल ने मस्जिद में प्रवेश कर मुसलमानों को अपमानित करने का काम किया है।

किदवई नगर साइट नंबर वन स्थित होटल रॉयल आर्किड में प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि ए फॉर अखिलेश, डी फॉर डिम्पल और आर फॉर राम गोपाल है। अखिलेश का तंबू मुसलमानों के बम्बू पर टिका हुआ है। अखिलेश ने मस्जिद जाकर ठहाके लगाए। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की सरकार में 30 हजार स्टार्टअप थे लेकिन 2014 में मोदी सरकार आने के बाद रोजगार बढ़ रहे हैं। रोजगार का मतलब केवल सरकारी नौकरी मिलना ही नहीं है। मोदी सरकार में आज चार लाख छत्तीस हजार स्टार्टअप काम कर रहे हैं। जमाल सिद्दीकी ने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 10वीं पुण्यतिथि पर देशभर के सर्वश्रेष्ठ युवाओं को डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0 से सम्मानित करेगी। मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन अल्पसंख्यक समुदायों के नौकरी छोड़कर स्टार्टअप या इनोवेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर समाज को सकारात्मक दिशा देने वाले देशभर से चुने गए अल्पसंख्यक युवा उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर भाजपा केंद्रीय कार्यालय, दिल्ली में 12 अगस्त को प्रातः 11 बजे डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0 से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि देश भर को आठ जोन में बांटा गया है, अभी तक 22300 रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। जिसमें 400 रजिस्ट्रेशन उत्तर प्रदेश से हुए हैं।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी का स्वागत करते फैसल सिद्दीकी एवं अन्य पार्टी कार्यकर्ता।

कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड को लेकर बैठक

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 10वीं जयंती पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0 को लेकर एक बैठक का हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने की। मोर्चा के राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य फैसल सिद्दीकी ने स्मृति चिन्ह भेंट कर राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। जमाल सिद्दीकी ने युवा उद्यमियों, व्यापारियों एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पार्टी पदाधिकारी के साथ बैठक कर आगामी कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक तैयारियों की रूपरेखा तैयार की गई। प्रमुख रूप से अनस उस्मानी, रामिंदर सिंह रिंकू, रघुनंदन भदौरिया, अनूप तिवारी, मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी, बुशरा अंसारी, कमलजीत बग्गा, सलीश बेग, एहसान खान, मोहम्मद फरहान, मनीष खत्री आदि मौजूद रहे।

New DASTAK Classes

दस्तक, आपके सफलता की

The classes are known for preparing students for various exams like

SSC, BANK, UPSI, UPP

Address: Sharada Nagar Crossing No 9, Infront of Anurag Hospital, Kakadeo Kanpur Uttar Pradesh.

CONTACT: 7607780084, 7080270066

Vikash Pathak

सिटी ब्रीफ

दीवार गिरने से लोडर चालक घायल

कानपुर। जाजमऊ के नई चुंगी गला गोदाम में नाले से तेज बहाव से दीवार गिर गई। मलबे में दबकर लोडर चालक घायल हो गया। सूचना पर पुलिस ने घायल को इलाज के लिए कांशीराम ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। गला गोदाम निवासी रिजवान खान के घर के बाहर करीब एक सप्ताह पहले गड्ढा हो गया था। गड्ढा होने से बस्ती के घरों में पानी जा रहा है। रिजवान के अनुसार गड्ढा बंद कराने के लिए उन्होंने शिकायत की थी, लेकिन किसी जिम्मेदार ने ध्यान नहीं दिया। बुधवार को तेज बारिश के बीच गड्ढा करीब 15 फीट दायरे में फैल गया। नई बस्ती गौशाला निवासी लोडर चालक कामरान पानी का बहाव रोकने के लिए मदद कर रहा था, तभी रिजवान के घर की दीवार गिर गई। मलबे में दबने से कामरान घायल हो गया।

हत्या के प्रयास में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। नवाबगंज में बीती 23 जुलाई को युवक पर जानलेवा हमले में मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। मुख्य आरोप के पिता को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। बेनाझाबर स्थित ऑफिसर्स कालोनी निवासी आशीष आनंद सिंह 23 जुलाई को नवाबगंज में पार्षद महेंद्र पांडेय के यहां डीप फ्रीजर लेने गया था। तभी पुराने विवाद में मोहित ठाकुर उसके पिता जालिम सिंह समेत 10-12 लोगों ने उस पर जानलेवा हमला किया था। सिर पर राड मारकर बेदम कर दिया था। मामले में उसकी मां शिशु सिंह की तहरीर पर नवाबगंज पुलिस ने पिता-पुत्र समेत 12 के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। मंगलवार को पुलिस ने मोहित ठाकुर को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

ठेके की कैंटीन में चाकू मारी

कानपुर। कानपुर देहात के गजनेर के लोहड़ी गांव निवासी राहुल गोविंदनगर के पीली कालोनी स्थित देसी शराब ठेके की कैंटीन में काम करता है। राहुल के मुताबिक मंगलवार रात आठ ब्लाक गोविंदनगर निवासी निखिल नशे में धुत होकर कैंटीन पहुंचा और गाली-गलौज शुरू कर दिया। विरोध करने पर हाथापाई की कोशिश की तो वह भी भिड़ गया। इस पर निखिल ने टेबल पर रखी चाकू उठा ली और कमर में मार दी। कैंटीन में मौजूद लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

फर्जी आईडी बना फोटो की वायरल

कल्याणपुर। रावतपुर निवासी युवती के मुताबिक कोई अज्ञात फेसबुक पर आकाश श्रीवास्तव, सुरेंद्र सिंह यादव एवं विक्रम के नाम से फर्जी आईडी बना उनकी अश्लील फोटो को अपने स्टोरी पेज पर लगा उन्हें बदनाम कर रहा है। रावतपुर थाना प्रभारी ने बताया कि आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सांड़ ने बाइक सवार युवक को मार डाला

गंगाबैराज-बिठूर रोड पर बाइक सवार युवक के घर जाते समय सांड ने पटका, सींगों से कुछ दूर तक घसीटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिठूर में मंगलवार देर रात काम से घर लौट रहे बाइक सवार युवक को अचानक सांड़ ने पटक दिया और सड़क पर कुछ दूर तक घसीटा। आसपास खड़े लोगों ने सांड़ को भगाकर घायल के परिजनों को सूचना दी। गंभीर अवस्था में परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत बता दिया। युवक की पांच माह पहले ही शादी हुई थी। सूचना पाकर नवविवाहिता पत्नी बेसुध हो गई।

अंकित।

बिठूर के द्वारिकागंज गोला गोकरन निवासी 25 वर्षीय अंकित कार चालक था। उसके पिता बिहारीलाल की कई साल पहले मौत हो चुकी है। चार भाइयों अजय, अशोक व छोटू में अंकित सबसे छोटा था। पांच माह पहले ही लखीमपुर की अर्चना से उसकी शादी हुई थी। भाई छोटू ने बताया कि मंगलवार देर रात अंकित बाइक से काम से लौट रहा था। गंगा बैराज से बिठूर रोड पर पहुंचा तभी होटल इटरनिटी व पारस हॉस्पिटल के बीच में सड़क किनारे से आए सांड़ ने पटक दिया। सांड़ ने कुछ दूर तक घसीटा, यह देखकर आसपास के लोग दौड़े तो सांड़ भाग गया। लोगों ने परिजनों को खबर दी और पारस हॉस्पिटल ले गए। जहां मौत हो गई। बेटे की मौत की खबर पाकर वृद्ध मां चमेली देवी व पत्नी अर्चना में चीख-पुकार मच गई। बिठूर थाना प्रभारी ने बताया कि सांड़ के हमले से युवक की मौत हुई है।

- **लोगों के दौड़ाने पर भागा सांड़ पांच माह पहले ही युवक की हुई थी शादी**

सड़कों पर हजारों छुट्टा जानवर घूमते रहते हैं। अमृत विचार

सड़कों पर रहता मवेशियों का झुंड

- अंकित के भाइयों व क्षेत्र के लोगों ने घटना पर नाराजगी जताते हुए बताया कि छुट्टा मवेशियों का क्षेत्र की सड़कों पर कब्जा है। उसके बाद भी अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। गोशालाएं खाली हैं, लेकिन शिकायत के बाद जानवरों को नहीं पकड़ा जा रहा है। दिन व रात क्षेत्र की सड़कों पर मवेशी बैठे रहते हैं। समीप से निकलो तो सिर झटक देते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी साइकिल व बाइक सवारों को होती है।

जानवरों से रहें होशियार पटकनी देने को तैयार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **सांड और गोवंश के झुंड शहरवासियों को कर रहे घायल**
- **गोशालाओं के साथ कैपिसिटी भी बढ़ी पर नहीं सुधर रहे हालात**

अमृत विचार। शहर में आप घर से बाहर पैदल या वाहन से निकले तो होशियार रहें। क्योंकि शहर के पॉश या फिर आउटर की हर सड़क पर बेसहारा जानवरों का कब्जा है। जरा सी चूक पर यह जानवर आपके लिए जानलेवा हो सकते हैं। बारिश के बाद बेसहारा जानवरों की तादात बढ़ गई है। सांड और गोवंश के झुंड शहरवासियों के लिए मुसीबत बने हुए हैं।

शहर में बेसहारा पशुओं की महफिल सजती है। जिससे सड़कें चिड़ियाघर से कम नहीं लगतीं। बेसहारा मवेशियों के साथ पालतू गाय भी शामिल हैं। जिसकी वजह से शहर में जाम तो लग रहा है, इसके साथ ही दुर्घटनाओं हो रही हैं। हालांकि, पिछले दिनों शासन के निर्देश पर नगर निगम ने अभियान चलाकर बेसहारा पशुओं को पकड़ा था, और नियमानुसार कार्रवाई भी की लेकिन पूरे शहर में सही से अभियान न चलने की वजह से समस्या बनी हुई है। शहर के गोविंद नगर, फजलगंज, शास्त्रीनगर, सर्वोदय नगर, स्वरूप नगर, सिविल लाइंस, ग्वालटोली, बादशाहीनाका, रामादेवी क्षेत्रों में व्यस्तम सड़कों पर गाय और साड़ सड़कों पर बैठे रहते हैं। जिससे जाम के साथ दिन में कई राहगीर दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। महापौर ने कैटिल कैचिंग दस्ते को मवेशियों को जब्त करने को कहा है। प्रतिदिन 200 मवेशियों को रोजाना पकड़ने के निर्देश भी हैं।

8750 गोवंश 5 गोशालाओं में बंद

- नगर निगम शहर के बेसहारा पशुओं को गौशालाओं में रखने की व्यवस्थाएं लगातार बढ़ा रहा है। पनकी में नंदीशाला गौशाला – 1500, किशनपुर में राधिका गौशाला – 2000, डिफेंस कॉलोनी जाजमऊ – 200, बकरमंडी में छोटी गौशाला – 50 और जाना गांव स्थित कान्हा गौशाला में 5000 बेसहारा गोवंश हैं।

पैसा व्यापार में लगवाकर 7.76 लाख रुपये हड़पे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी में रिश्तेदार ने व्यापार में निवेश का झांसा देकर सेवानिवृत्त कर्मी के 11.54 लाख रुपये फंसवा दिए। पैसे हड़पने के इरादे से कई माह तक निवेश का कुछ लाभ भी नहीं दिया। विरोध पर मारपीट की। रिश्तेदारों के दबाव में कुछ रुपये लौटाए, लेकिन 7.76 लाख रुपये नहीं दिए। पीड़ित ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

चकेरी के मंगला विहार प्रथम राजपूतनगर निवासी रमेश चंद्र सरकारी विभाग से सेवानिवृत्त हैं। उन्होंने बताया कि न्यू आजादनगर सतवरी रोड निवासी उनके रिश्तेदार गोपी कश्यप व जितेंद्र कश्यप उनके रिटायरमेंट के बाद मिला धन हड़पना चाहते थे, इसलिए अपने व्यापार में निवेश करके मुनाफे का लालच दिया। झांसे में लेकर पहले धागा पेपर ट्यूब मशीन के नाम पर 6.78 लाख, फिर जिम की मशीन के नाम पर 4.76 लाख रुपये का निवेश कराया। कई माह तक काम किया, उसके बाद फायदा न होने की बात कहकर टरकाते रहे। कुछ रुपये वापस किए। इसके बाद भी 7.76 लाख रुपये नहीं दिए। आरोप है कि बीती 10 अप्रैल को आरोपियों ने हिसाब खत्म करने की बात कहते हुए अपने साथ घर ले जा रहे थे, तभी रास्ते में मिलकर उन्हें मारापीटा। थाना व चौकी में मारपीट की शिकायत की, लेकिन पुलिस ने सुनवाई नहीं की। इस पर पीड़ित ने कोर्ट की शरण ली।

निवेश का झांसा देकर 3.11 लाख रुपये ठगे

- **कानपुर।** बाबूपुरवा में स्टॉक मार्केट में निवेश का झांसा देकर साइबर ठगों ने युवक से 3.11 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने साइबर सेल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बाकरगंज के टीपीनगर बगाही भट्ठा निवासी सुरेंद्र कुमार सविता के अनुसार 21 मई को उनके व्हाट्सएप पर मैसेज आया था। जिसमें स्टॉक मार्केट में निवेश कर मुनाफा कमाने का लालच दिया। कुछ घंटे बाद व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़कर एक लिंक भेजा गया। इसके बाद कंपनी का फार्म भरवाने के साथ एक एप डाउनलोड कराया। आखिर में रुपये जमा करने को कहा गया। इस पर 29 मई से 17 जून तक कई बार में यूटीआर के माध्यम से 3.11 लाख रुपये जमा किए। जब रुपये निकालने का आवेदन किया तो उनका विड्राल रद्द कर दिया गया। जानकारी के लिए संपर्क किया तो नौ लाख रुपये और जमा करने की बात कही गई।

अधेड़ करता अश्लील इशारे, अभद्र कमेंट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **आरोपी व उसके बेटों ने की मारपीट, खींचतान में युवती के कपड़े फटे, आईं चोटें**

अमृत विचार। चकेरी के हरजेंदरनगर इलाके में 58 वर्षीय अधेड़ ने युवती से अश्लील इशारे किए। विरोध पर अभद्र कमेंट किया और मारपीट कर मुंह व हाथ समेत शरीर पर कई जगह नोंचा। थाने व चौकी में सुनवाई ने होने पर विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

लाल बंगला क्षेत्र की रहने वाली युवती के अनुसार उसके माता-पिता घर के बाहरी हिस्से में कास्मेटिक की दुकान चलाते हैं। व्यापार में वह भी मदद करती है, इसलिए दिन में कई बार दुकान से घर आना-जाना होता है। उसके घर के पास ही छेदीलाल उर्फ छिदू चंदेल रहता है। उसके परिवार में दो बेटे तिरुपाल व नीरज हैं। पीड़िता के अनुसार आरोपी छेदीलाल अपने घर के बाहर शराब पीकर बैठ जाता है और निकलने पर अभद्रता व अश्लील इशारे करता है। अपने बेटों के मोबाइल से फोटो खींच लेता है। ऐसी हरकत वह काफी समय से कर रहा है। बीती 23 मई की शाम छेदीलाल ने अश्लील इशारा करके बुलाया। गंदे कमेंट किए। जाति सूचक शब्द कहे। जब वह आरोपी पर चिल्लाई तो छेदीलाल आक्रामक हो गया और डंडा लेकर मारने के लिए दौड़ा। डंडा छीन लिया तो मुंह, गले और शरीर पर कई जगह नोंच लिया। मारपीट देखकर उसके दोनों बेटे भी आ गए और उसे पीटा। खींचतान में उसके कपड़े भी फट गए और चोटें आई। पीड़ित ने लाल बंगला चौकी व थाने में शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इस पर कोर्ट की शरण ली। चकेरी थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की है।

थिएटर निखारता है पर्सनालिटी

कानपुर। अनुकृति रंगमंडल कानपुर व एबी विद्यालय मॉलरोड ने विद्यालय में रंगमंच कार्यशाला का आयोजन किया। अनुकृति कानपुर के संस्थापक सचिव डॉ.ओमेंद्र कुमार ने बताया कि कैसे चार वेदों के बाद महादेव जी के आग्रह पर भरत मुनि ने पंचम वेद नाट्य शास्त्र की रचना की। कहा थिएटर अनुशासन, समाजिक व्यवहार, टाइम- क्राइसेस मैनेजमेंट, फिजिकल फिटनेस जैसे जीवन के महत्वपूर्ण पक्षों की जानकारी देता है। थिएटर जीवन के हर क्षेत्र में आपको मदद करता है। पर्सनालिटी को निखरता व प्रभावशाली बनाता है। रंगकर्मी विजयभान जी ने बताया कि डायलॉग कैसे बोले जाते हैं। उन्होंने कहा कि अभिनय सीखना जरूरी है, जिससे आप अपनी बात को लोगों के समक्ष बेहतर ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इस दौरान आकाश शर्मा, विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप गुप्ता, जीव विज्ञान विभाग के एचओडी तारकेश्वर पांडेय समेत आदि रहे।

तीन दिन से लापता युवक का शव तालाब में मिला

कल्याणपुर संवाददाता

- **घर से कुछ दूरी पर तालाब में फंसा था शव, किशोरी के परिजनों ने दी थी धमकी**
- **परिजनों ने पुलिस पर भगाने का आरोप लगाया, चार आरोपी हिरासत में लिए गए**

अमृत विचार। रावतपुर में तीन दिन से लापता युवक का शव उसके घर के पीछे तालाब के कीचड़ में पड़ा मिला। शव देख बच्चों के शोर मचाने पर हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की शिनाख्त कर तत्काल पुलिस को सूचना दी। परिजनों ने प्रेम प्रसंग में पड़ोसियों पर बेटे की हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने शव बहार निकलवाकर पोस्टमार्टम भेजा। भीड़ व हंगामा देखकर पुलिस ने किशोरी के चार परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। आरोप है कि किशोरी के परिजनों ने घर में घुसकर धमकी दी थी। इसकी शिकायत करने पर पुलिस ने भगा दिया था।

सुमित।

मसवानपुर के फर्रा मस्जिद के पीछे रहने वाले प्राइवेट कर्मी रज्जन गौतम पत्नी सुनीता, दो बेटियां पायल, नैना और 18 वर्षीय एकलौते बेटे सुमित के साथ रहते थे। पत्नी सुनीता तंबाकू फैक्ट्री में काम करती हैं, वहीं बेटा भी कार्यरत था। बुधवार को घर के पास तालाब के कीचड़ में सुमित का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर कल्याणपुर एसीपी रंजीत कुमार समेत थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को बाहर निकलवाकर परिजनों से पूछताछ की। सुमित के परिजनों ने प्रेम प्रसंग के चलते उसकी हत्या का आरोप लगाया है। मां सुनीता ने एसीपी रंजीत कुमार से बताया कि जब वह शिकायत करने थाने गए तो पुलिस ने भगा दिया था। बेटे का पड़ोस में रहने वाली किशोरी से प्रेम प्रसंग था। बीते रविवार शाम को उनका बेटा खाना खा रहा था, तभी किसी की कॉल आई और वह खाना छोड़कर बाहर चला गया था। तब से वह नहीं लौटा। उन्होंने पुलिस को बताया कि सोमवार को किशोरी का पिता और तीन चाचा घर में घुस आए थे और गाली-गलौज कर मारपीट की थी। सुमित का मोबाइल फोन भी उठा ले गए थे।

सुमित के परिजन रो-रोकर बेहाल हो गए। अमृत विचार

भारी प्रहार कर तेजाब डाला गया

- सुमित के परिजनों के अनुसार बेटे के सिर व जबड़े पर गहरा जख्म है। जिससे लगता है कि उस पर राड ऐसी किसी भारी चीख हमला किया गया है। शरीर की चमड़ी झुलसी लग रही है, जैसे पहचान मिटाने के लिए तेजाब डाला गया हो। शरीर पर कई चोटों के निशान हैं। परिजनों के अनुसार बेटे को बेरहमी से पीटने के बाद हत्या की गई है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह और अन्य चीखे सामने आएंगी। उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आठवें वेतन आयोग के लिए सद्बुद्धि यज्ञ करेंगे पेंशनर्स

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **केंद्रीय पेंशनर्स कार्यकारिणी की बैठक में लिया निर्णय**

अमृत विचार। नवीन नगर स्थित न्यूरॉन सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में बुधवार को पेंशन समाज पनकी के ओर से केंद्रीय पेंशनर्स की कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसमे तय हुआ कि आठवें वेतनमान आयोग का गठन न होने से क्षुब्ध पेंशनर्स सद्बुद्धि यज्ञ करेंगे।

सेवानिवृत्त कर्मचारी एंव पेंशनर्स एसोसिएशन अध्यक्ष बीएल गुलाबिया ने बताया कि सरकार का रवैया पेंशनर्स के प्रति अच्छा नहीं है, क्योंकि सरकार ने आठवें वेतनमान आयोग की रिपोर्ट जनवरी 2025 को लागू करने को कहा था, लेकिन अभी तक आयोग का गठन नहीं किये जाने से आयोग ने कार्य करना ही नहीं शुरू नहीं किया। कोरोना काल में रोका गया 18 माह के मंहगाई भत्ते का भुगतान नहीं किया गया है। रेलवे किराये की छूट भी नहीं चालू की जा रही है। वित्त विधेयक अधिनियम लाकर पेंशनर्स को आठवें वेतनमान का लाभ नहीं दिये जाने की मंशा है, इसको लेकर पेंशनर्स में व्यापक रोष व्याप्त है। अध्यक्ष साहब दीन यादव ने बताया कि सरकार की रवैये से क्षुब्ध पेंशनर्स सद्बुद्धि यज्ञ कर ईश्वर से प्रार्थना करेंगे कि भगवान सरकार को बुध्दि दें, वह तत्काल समस्याओं का समाधान करें। न्यूरान सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरके गुप्ता ने पेंशनर्स को हॉस्पिटल में न्यूरोलॉजी के साथ दिमाग, रीढ़ व नसों से सम्बन्धी बीमारियों की जानकारी दी। इस दौरान पेंशनर अरून कुमार श्रीवास्तव, बीके माथुर ,पीएन लाल, हरिशंकर सिंह, बीआर प्रसाद, आलोक कुमार रहे।

बैठक में मौजूद पेंशनरों ने अपनी बात रखी। अमृत विचार

नौकरी छूटने पर युवक ने फांसी लगाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **मां ने फंदे से लटका देखा एकलौते बेटे का शव**

अमृत विचार। नौकरी छूटने से परेशान युवक डेढ़ माह से तनावग्रस्त रह रहा था। बुधवार भोर पहर जब परिजन गहरी नींद में थे, युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पांच माह पहले ही युवक की शादी हुई थी। एकलौते बेटे का शव फंदे से लटका देख परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची बर्रा पुलिस ने जांच-पड़ताल की। ईडब्ल्यूएस डबल स्टोरी बर्रा दो निवासी रामजी गुप्ता हलवाई का काम करते हैं। उनका 28 वर्षीय एकलौता बेटा शिवम उर्फ तुषार एक बाइक शोरूम में नौकरी करता था। शिवम की बीती फरवरी माह में औरैया के खरगापुर निवासी दुर्गा से शादी हुई थी। डेढ़ माह पहले उसकी नौकरी छूट गई थी। पिता के अनुसार तबसे शिवम तनाव में रह रहा था। बुधवार भोर पहर उसकी मां संगीता व छोटी बहन गहरी नींद में थीं, तभी उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह पांच बजे मां सोकर उठीं तो बेटे का शव फंदे से लटका देखकर चींख पड़ी। रोने की आवाज सुनकर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया और घटना की जानकारी बर्रा पुलिस को दी गई। पिता के अनुसार दो बेटियां शादीशुदा है, जबकि तीसरी की शादी करनी है। इसकी चिंता भी बेटे को थी।

शिवम गुप्ता।

बदहाली

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वर्ष 2021 में किया था शिलान्यास, अब चलना दुश्वार

85 .24 लाख रुपये से ठीक होगी साउथ सिटी की सड़क

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिस सड़क का शिलान्यास उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने किया था, उस सड़क का ही ठीक से रखरखाव लोक निर्माण विभाग के अधिकारी समय पर नहीं रख सके। सड़क आज तक अधूरी ही पड़ी है। 1.860 किलोमीटर तक यह सड़क वित्तीय वर्ष 2025-26 में के कार्ययोजना में शामिल है। 85.24 लाख के प्रस्ताव के तहत इस मार्ग में विशेष मरम्मत योजना के अंतर्गत सुधार कार्य होना है। कार्य स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

रामगोपाल चौराहा से आनंद साउथ सिटी व जरौली फेस दो की तरफ जाने के लिए यह एक ही मुख्य मार्ग है। इस सड़क निर्माण के लिए शिलान्यास उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया था, उनके साथ महाराजपुर विधायक व विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व महापौर प्रमिला पांडेय भी शामिल थीं। यह सड़क वर्ष 2022 तक तो थोड़ी ठीक-ठीक रही, लेकिन वर्ष 2023 के बाद इस सड़क पर गड्ढे हो गए। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में पैच मरम्मत का कार्य कराया गया था। लेकिन बावजूद इसके इस सड़क पर लोगों का चलना दूभर हो रहा है। इस मार्ग पर कई स्कूल भी हैं, ऐसे में कई बार छात्र-छात्राएं खराब सड़क पर गिरकर चुटहिल हो रहे हैं। इससे परेशान एक व्यक्ति को गड्ढे में भरे पानी में लेटकर प्रदर्शन करना पड़ा था। लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता रविदत्त के मुताबिक इस मार्ग पर वित्तीय वर्ष 2024-25 में पैच मरम्मत का कार्य कराया गया था।

ये कोई भारत का नक्शा नहीं है, ये साउथ सिटी के रामगोपाल चौराहे से आनंद साउथ सीटी की ओर जाने वाली सड़क है जो चलने लायक नहीं रह गई है। कुछ दिन पहले इसी सड़क पर सपाइयों ने धान की रोपाई की थी।

बिना नाली बनाए ही लोक निर्माण ने बना दी थी सड़क

- लोक निर्माण विभाग को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के हाथों शिलान्यास कराने की इतनी जल्दबाजी थी कि अधिकारियों ने जब सड़क निर्माण का टेंडर कंपनी को दिया और कंपनी से अपना कार्य शुरू किया तो उन्होंने मार्ग के दोनों ओर नाली बनाना जरूर तक नहीं समझा। नाली नहीं होने के कारण जलभराव होने से सड़क टूट गई। मुख्य अभियंता के मुताबिक मार्ग पर जलभराव होने से करीब 0.900 मीटर तक मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1.860 किलोमीटर तक 85.24 लाख रुपये का प्रस्ताव विशेष मरम्मत योजना अंतर्गत मार्ग के सुधार के लिए कार्य योजना में सम्मिलित है। कार्य की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धत पर निर्भर है।

राम गोपाल चौराहे का कराएंगे सुंदरीकरण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **नगर आयुक्त ने शहर के कई क्षेत्रों में निरीक्षण किया**

अमृत विचार। नगर आयुक्त ने जोन-05 वार्ड-45 के रामगोपाल चौराहा पहुंचकर क्षेत्र की सफाई व्यवस्था जांची। यहां अपार्टमेंट्स में सेग्रीगेशन के लिए विशेष अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। पर्यावरण अभियंता को रामगोपाल चौराहा के सुंदरीकरण के लिए प्रस्ताव कनाने को कहा, ग्रीनबेल्ट में कूड़ा फेंकने पर संबंधित मकानों को चिन्हित कर दंडात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए। बाउंड्री वॉल निर्माण व पौधारोपण कराकर ग्रीन बेल्ट की सुरक्षा के भी निर्देश दिए। सीटीआई चौराहा व चावला चौराहा के पास गड्ढों पर पैचवर्क करवाया।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बुधवार को शहर के कई क्षेत्रों में निरीक्षण किया। डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण की समीक्षा, सफाई कर्मियों की उपस्थिति, चिन्हित मॉडल क्षेत्रों में प्रगति की निगरानी और कूड़ा, मलबा एवं गड्ढों से संबंधित समस्याओं का परीक्षण किया। नौबस्ता स्थित फूल मंडी में फिर से अतिक्रमण पाया गया। उन्होंने अतिक्रमण हटवाया। गश्ती दल तैनात करने के निर्देश। नगर आयुक्त ने वार्ड-74 के शताब्दी पार्क में शिवालय थीम पार्क विकसित करने के लिए भूमि का सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य अभियंता एवं पर्यावरण अभियंता को विस्तृत प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए।

कमर तक पानी, भीषण जाम और नगर निगम नाकाम

मूसलाधार बारिश से हाहाकार घरों में घुसा पानी, छतें टपकने लगीं

दक्षिण में हालात बदतर, जलभराव में फंसीं गाड़ियां खींचते रहे लोग, खुदी-टूटी सड़कों और फिसलन ने और बढ़ाया राहगीरों का दर्द

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बारिश में शहर की एक ही कहानी रह गई है। हर बार कमर तक पानी, गले तक जाम और सारा सिस्टम धड़ाम। ये हाल तब है जब हर साल की तरह इस साल भी नाला सफाई में करोड़ों रुपये बहाए गए थे। बुधवार दोपहर को फिर बादल जमकर बरसे। दो घंटे तक झमाझम बारिश से नाले-नालियों में उफान आ गया। जिससे सड़कें एक बार फिर से तालाब बन गईं। अधिकतर मोहल्लों में घुटने तक पानी भर गया। बरसात का पानी घरों और दुकानों में जा घुसा, जिसे लोग निकालते रहे। गोविंद नगर, नंदलाल, चावला चौराहा, किदवईनगर और आस-पास के कई इलाकों में कमर तक पानी भर गया। खलवा पुल बंद कर दिया गया। मेट्रो के कारण खुदी पड़ी सड़कों और बारिश में बदहाल हो गई सड़कों ने कोढ़ में खाज का काम किया। चारों ओर भीषण जाम लगा। टूटी सड़कों पर झटके खाते लोग रेंगते रहे। उत्तर से दक्षिण आना-जाना दूभर रहा। हजारों वाहन रात तक जाम में फंसे रहे और लोग नगर निगम को कोसते रहे। बारिश नगर निगम की पोल खोलने में जुटी है। अनियोजित विकास, नालों की सफाई न होने की वजह से राहगीर जूझ रहे हैं। बुधवार को भी यही स्थिति बनी। बरसात के बाद सबसे ज्यादा जलभराव दक्षिण क्षेत्र में हुआ। दीप टॉकीज तिराहे से संजय वन जाने वाली सड़क पर बरसात का पानी भर गया, जो घंटों नहीं निकला। यहां नालों की ऊंचाई ज्यादा होने की वजह से और प्याले न बनाए जाने की वजह से सड़क का पानी नाले में जा ही नहीं रहा है। इससे आस-पास के लोगों के साथ ही राहगीर परेशान हुए। कई गाड़ियां बंद हो गईं। जिसे लोग घसीटते रहे।

गोविंदपुरी पुल को जाने वाली सड़क पर लगा जाम। अमृत विचार

गोविंद नगर से निकले तो दादा नगर में फंस गए

- बरसात के बीच दक्षिण क्षेत्र में भीषण जाम की स्थिति रही। यहां निराला नगर से गोविंद नगर नये पुल से फजलगंज चौराहे तक गाड़ियां फंसी रहीं। जल्दी निकलने के चक्कर में लोगों ने दादा नगर पुल का रुख किया तो यहां भी भीषण जाम मिला। दादा नगर पुल से विजय नगर चौराहे तक छोटी-बड़ी गाड़ियां फंसी रहीं, यहां फजलगंज इंडस्ट्रियल एरिया में जाने वाली सड़क पर भी लोग फंसे रहे। यही हाल जीटी रोड, जरीबी चौकी, पी रोड, घंटाघर, टाटमिल, किदवई नगर, यशोदा नगर में रहा, यहां सामान्य स्थिति से गाड़ियां धीमी गति से चलती रहीं।

दादानगर औद्योगिक क्षेत्र में भरा पानी। अमृत विचार

फैक्ट्रियों में घुसा पानी, काम बंद

शहर में हुई बारिश से बुधवार को औद्योगिक इकाइयों में परेशानी खड़ी हुई। हालात यह हुए कि इकाइयों में पानी घुसने से उत्पादन कार्य रोकना पड़ा। इसके अलावा सड़कों पर जलभराव होने से भारी वाहनों से उत्पादन इकाइयों तक ही फंसा रहा। बारिश की वजह से दादा नगर, इस्पात नगर, फजलगंज सहित अन्य औद्योगिक इलाकों में भारी जलभराव हो गया। इससे मशीनें खराब न हों इसकी वजह से काम बंद कर दिया गया। भेजा जाने वाला स्टॉक भी पानी की वजह से खराब हो गया। जलभराव के बाद क्षेत्र में भारी जाम लगा जिससे और अधिक परेशानी खड़ी हो गई।

जूही लाल कॉलोनी में घुसा पानी

- जूही लाल कॉलोनी की सर्विस लेन में उफान आ गया। सर्विस लेन में भीषण गंदगी की वजह से लोगों के घरों में पानी भर गया। यहां कई कॉलोनियों में छतों से पानी टपकने लगा। गलियों में स्वास्थ्य विभाग की ओर से नालियों की सफाई न होने की वजह से पानी भरा रहा।

सोम वाटिका के पास सड़क धंसी।

झाड़ी बाबा पड़ाव के पास सड़क धंसी।

साकेतनगर में रात तक भरा रहा पानी।

शहर के अंदर आ गया समंदर

गोविंदनगर के चावला मार्केट और नंदलाल चौराहे के पास कमर से ऊपर तक पानी भर गया। इसमें जब कोई चौपहिया वाहन निकलता तो समंदर सी लहरें उठतीं। कई दोपहिवा वाहन चालकों के वाहन पानी में फंसकर बंद हो गए। अमृत विचार

बैराज में पानी बढ़ा, दो लाख क्यूसेक डिस्चार्ज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आने वाले दिनों में तेजी से पानी बढ़ने की संभावना

अमृत विचार। उत्तरकाशी में बादल फटने का असर शहर में भी पड़ा है। बीते तीन दिन में गंगा नदी में तेजी से जलस्तर बढ़ रहा है। लगातार हो रही बारिश से पानी बढ़ रहा है। इसके साथ ही पांडु नदी का जलस्तर भी बढ़ रहा है और इससे सटे इलकों में बाढ़ का खतरा है।

सिंचाई विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आने वाले 6-8 दिनों में गंगा में और तेजी से पानी बढ़ने की संभावना है। बुधवार को हरिद्वार बैराज से तीन लाख 52 हजार 504 तो नरौरा से एक लाख 34 हजार 584 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बैराज पर गंगा का जलस्तर 113.080 मीटर पहुंच गया जो चेतावनी बिंदु 114 मीटर से मात्र 20 सेमी कम है जबकि खतरे के निशान 115 मीटर है। पानी बढ़ने पर बैराज के सभी 30 गेट खोलकर बुधवार को दो लाख 22 हजार 880 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया। वहीं, शुक्लागंज में जलस्तर 111.37 मीटर पर था। अगर इसी तरह से बारिश होती रही और पानी बढ़ता रहा तो आने वाले दिनों में गंगा खतरे के निशान तक भी पहुंच सकती हैं। बैराज के अधिशाषी अभियंता पंकज गौतम ने बताया कि गुरुवार तक जलस्तर बढ़ने की आशंका है। अटल घाट पर 15 अक्टूबर तक बोटिंग बंद करा दी गई है।

पांडु नदी में भी बढ़ रहा है पानी

गंगा का जलस्तर बढ़ने से पांडु नदी में भी पानी बढ़ रहा है। हालांकि, यह अभी चेतावनी बिंदु से कम है लेकिन बस्तियों व गांवों में पानी घुस रहा है। सिंचाई विभाग के अधिशाषी अभियंता मनोज सिंह ने बताया कि पांडु नदी चेतावनी बिंदु 119 से चार मीटर नीचे 115 मीटर पर बह रही है।

जलभराव से जूझे, जाम में खीजे

बुधवार को हुई तेज बारिश से शहर भर में भारी जलभराव हुआ। सड़कों पर वाहनों का चलना रुक सा गया। पानी में वाहन रेंगते हुए चले जिससे जाम लगने लगा। शाम को हालात और खराब हो गए। गोविंदनगर, साकेत नगर, किदवईनगर, नौबस्ता, दादानगर, गोविंदपुरी पुल जाम में जकड़े रहे। आफिस से छूटे लोग दो-तीन घंटे बाद घर पहुंच सके।

सिटी ब्रीफ

महिला आयोग सदस्य ने सुनीं शिकायतें

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने सर्किट हाउस में महिला जनसुनवाई का आयोजन किया। उद्देश्य महिला उत्पीड़न की रोकथाम व महिलाओं की समस्याओं का त्वरित न्याय दिलाना रहा। महिलाओं से संबंधित 27 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न व अन्य महिला-संबंधी मामलों पर गम्भीरता पूर्वक सुनवाई की गई। प्रत्येक मामले के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों व अन्य विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश सदस्य पूनम द्विवेदी ने दिए। इस दौरान अपर नगर मजिस्ट्रेट (द्वितीय) ऋतु प्रिया, महिला थानाध्यक्ष कमर सुल्तान, जिला कारागार अधीक्षक बीडी पांडये सहित संबंधित विभागों के अधिकारी रहे।

राष्ट्रभक्ति की भावना जाग्रत होगी

कानपुर। 'हर घर तिरंगा' अभियान के जरिए भाजपा राष्ट्रभक्ति की भावना जाग्रत करने में जुट गई है। पार्टी 10 से 15 अगस्त तक विभिन्न आयोजन करेगी। दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने बुधवार को गोविंद नगर स्थित एक होटल में पार्षद दल के नेता सदन नवीन पंडित की अगुवाई में बुलाई गई पार्षदों के साथ हर घर तिरंगा अभियान संबंधी महत्वपूर्ण बैठक की। शिवराम सिंह ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है। पार्टी कार्यकर्ता इसे घर घर तक पहुंचाएं। शिवराम सिंह ने कहा कि इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के स्वजनों व बलिदानियों के परिवारों को सम्मानित किया जाएगा। सभी पार्षद अपने अपने वार्डों में जागरूकता अभियान चलाएं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

कानपुर। राज्यसभा सदस्य व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के जन्मदिन पर थैलेसिमिया ग्रस्त बच्चों को समर्पित रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 40 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में 21 किलो का केक पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्रा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री ने काटा। रक्तदान करने वालों में प्रमुख रूप से समीर द्विवेदी, चरण जीत सिंह, हानि सलूजा, दलजीत सिंह, परमजीत सिंह, सिमरन जीत सिंह, अमरजीत सिंह, बाबी जीत सिंह, रिंकू गंभीर, मनोज तिवारी, प्रदीप साहू, मुकेश यादव, अभिषेक अवस्थी, अभिमन्यु शर्मा, ऋषभ सोनकर व नसीम प्रताप गढ़ी समेत आदि रहे।

25.25 लाख लोगों को फाइलेरिया की दवा

कानपुर। जिले में 10 अगस्त से 28 अगस्त तक फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत व्यापक दवा सेवन अभियान का संचालन किया जाएगा। जिले के 25 लाख 25 हजार 950 लोगों को दवा खिलाने के लिए 2021 टीमें गठित की गई हैं, जो घर-घर जाकर दवा देंगी। सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी ने फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की अभियान की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि दवा वितरण के इस कार्य में स्वास्थ्य विभाग के साथ पंचायती राज, आईसीडीएस, नगर निकाय, बेसिक शिक्षा और अन्य संबद्ध विभागों के बीच समन्वय रहे। जिला मलेरिया अधिकारी एके सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान एक गोली अल्बेन्डाजोल चबाकर खानी है, जबकि दो गोलियां पानी से निगलनी हैं।

50 फीसदी टैरिफ से निर्यातक पस्त, सरकार से सहयोग मांगा

निर्यातकों ने कहा कि बड़े निर्यात बाजार बुरी तरह होंगे प्रभावित, कारोबार करना कठिन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ट्रंप के भारत पर बढ़ाए गए टैरिफ को शहर के निर्यातक निर्यात बाजार पर बड़ा धक्का मान रहे हैं। उनका कहना है कि 50 फीसदी टैरिफ से शहर के निर्यातकों का अमेरिका में निर्यात कारोबार लगभग धड़ाम हो सकता है। अब दिन ब दिन निर्यातकों की कठिनाई बढ़ती जाएगी। निर्यातक व निर्यात बाजार विशेषज्ञों ने टैरिफ से सामना करने के लिए सरकार से भी सब्सिडी जैसी योजनाओं पर तेज काम करने की बात कही है।

ट्रंप सरकार ने भारत पर टैरिफ को बढ़ाकर 25 से 50 फीसदी कर दिया है। इससे कारोबारी परेशान और असमंजस में हैं। शहर के निर्यातकों को भी बड़ा धक्का लगा है। बताया गया कि बढ़े हुए टैरिफ से सबसे अधिक लेदर व टैक्सटाइल के लग्जरी उत्पादों पर सीधा डेंट लगेगा। अमेरिका बाजार में उत्पाद महंगा होने के चलते यदि निर्यातक अपना उत्पाद भेज भी देता है तो वहां पर उत्पाद के बढ़े दाम उसे बाजार प्रतियोगिता से बाहर कर देंगे। इससे शहर के लिए निर्यातकों के लिए धीरे-धीरे खुद ही बाजार खत्म होना शुरू हो जाएगा।

> अमेरिका निर्यात के लिहाज से एक बड़ा बाजार है। टैरिफ का मुकाबला करने के लिए अब सरकार को कई बड़े देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता करना चाहिए। जिससे घाटा पूरा करने के लिए निर्यातकों को एक ऐसा बाजार मिल सके जहां पर वे निर्यात कारोबार कर सके। इसके अलावा यह भी विचार करने वाली बात है कि लेदर जैसे लग्जरी आईटम की बाजार कहां मिल सकेगी।
>
>
>
> -सुनील वैश्य, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आईआईए

> यह निर्यातकों के लिए खतरनाक स्थिति बन रही है। बढ़े हुए टैरिफ से लेदर की पारंपरिक मार्केट पर ऐसे देश जहां पर टैरिफ कम हैं उन्हें घुसने का मौका मिलेगा। इस तरह से धीरे-धीरे निर्यात बाजार खत्म होने की कगार पर पहुंच सकता है। इस ओर सरकार को भी अब कदम उठाने की जरूरत है। सरकार सब्सिडी पर काम कर ही रही थी कि वह प्लान अब फेल हो गया।
>
>
>
> -जावेद इकबाल, पूर्व रीजनल चेयरमैन सीएलई

> टैरिफ के दोगुना होने पर निर्यात बाजार पर अच्छा खासा फर्क पड़ेगा। अब यह फर्क कितना पड़ेगा इसका आकलन आने वाले दिनों में दिखाई देना शुरू हो जाएगा। एक्सपोर्टर्स को सहायता करने के लिए सरकार को अब आगे आना चाहिए। सब्सिडी जैसे प्लान पर और नए बाजार की तलाश पर तेजी से काम करना होगा।
>
>
>
> -अतुल सेठ, निर्यातक

> टैरिफ दोगुना होने से अमेरिका की बाजार में हम लोगों का उत्पाद महंगा होगा। अब जब बाजार में तेज प्रतियोगिता है तो ऐसे में महंगा उत्पाद कौन खरीदेगा। इससे वहां के खरीदार भी अब शहर के कारोबारियों के उत्पाद खरीदना धीरे-धीरे कम कर देंगे। सबसे अधिक मार छोटे मार्जन के उत्पादों पर पडेगी।
>
>
>
> -प्रेरणा वर्मा, निर्यातक

निर्यात में शहर का प्रदेश में 6 फीसदी योगदान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शहर का निर्यात 10 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंचा
- गाजियाबाद से सिर्फ दो फीसदी कम है शहर का निर्यात

10,401 करोड़ रुपये कुल निर्यात है कानपुर का

4941 करोड़ रुपये के साथ उन्नाव आठवें नंबर पर

अमृत विचार। शहर ने मौजूदा वित्तीय वर्ष में लगभग 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात कारोबार किया है। यह कारोबार प्रदेश में कुल निर्यात कारोबार का 6 फीसदी है। शहर के बढ़ते हुए निर्यात कारोबार की वजह लेदर और टेक्सटाइल को इस वित्तीय वर्ष मिला नया बाजार है। इसके अलावा निर्यात कारोबार में नए 'प्लेयर्स' ने भी इस बढ़ोतरी में अपना योगदान दिया है।

डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ कॉमर्स इंटेलिजेंस एंड स्टेटिस्टिक्स (डीजीसीआईएस) के आंकड़ों को हाल ही में फियो की ओर से विश्लेषण कर जारी किया गया। इन आंकड़ों में शहर को प्रदेश के कुल निर्यात योगदान में 6 फीसदी हिस्सा मिला। इसी तरह गौतमबुद्ध नगर का योगदान प्रदेश में 53 फीसदी जबकि गाजियाबाद का योगदान 8 फीसदी है। प्रदेश में निर्यात का योगदान देने वाला कानपुर शहर इस सूची में तीसरे नंबर पर आया है। कानपुर का इस वित्तीय वर्ष 10,401 करोड़ रुपये का निर्यात आंका गया है। कानपुर नगर के बगल के जिलों की बात की जाए तो उन्नाव जिला इस बार 4941 करोड़ रुपये के साथ प्रदेश में आठवें स्थान पर है। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि निर्यात कारोबार को बढ़ाने के लिए कानपुर शहर में लेदर सेक्टर में चमड़े के छोटे उत्पादों ने एक नया बाजार कैप्चर किया है। खासतौर पर वियतनाम, थाईलैंड जैसे देशों में लेदर के छोटे उत्पादों का कारोबार निर्यात को बढ़ाने में सफल हुआ है। इसी तरह शहर के बड़े लेदर व टेक्सटाइल कारोबारियों ने यूरोपियन मार्केट का एक बड़ा हिस्सा चीन के निर्यातकों से अपनी गुणवत्ता व कम रेट के उत्पादों से छीनना भी एक बड़ी वजह बना है। शहर को मिली बेहतर रैंकिंग पर फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑग्रनाईजेशन (फियो) के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि शहर में युवा तेजी से निर्यात कारोबार की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ऐसा पहली बार हुआ है जब एक साथ शहर में 129 निर्यातक एक ही दिन में कारोबार से इस वित्तीय वर्ष जुड़े। इसके अलावा गैर पारंपरिक उत्पादों में डील करने वाले निर्यातकों के बाजार में आने से भी शहर के निर्यात कारोबार में बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

12 हजार करोड़ निर्यात का अब लक्ष्य

- शहर में निर्यात बाजार को लगभग 12 हजार करोड़ रुपये के लक्ष्य तक पहुंचाने पर काम किया जा रहा है। 10 हजार करोड़ रुपये के आंकड़े को पार करने के बाद अब मुख्य लक्ष्य की ओर नए निर्यातकों और गैर पारंपरिक उत्पादों को मार्केट फ्लोर पर लाने पर निर्यात विशेषज्ञ कार्य कर रहे हैं। इसके लिए खासतौर पर ई-कॉमर्स के साथ नए निर्यातकों को जोड़कर सहूलियत दिए जाने पर काम चल रहा है।

जेल परिसर में पौधरोपण भी किया गया।

जेल में लगा तीन दिवसीय नेत्र परीक्षण शिविर

संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। जिला कारागार में स्वयंसेवी संस्था कलम एक स्वैच्छिक संस्था ने विजन केयर आई क्लीनिक की ओर से बुधवार को नेत्र परीक्षण शिविर लगाया। जेल अधीक्षक डॉ. बीडी पांडेय ने बताया कि संस्था ने जेल में तीन दिवसीय नेत्र परीक्षण शिविर का शुभारंभ किया है। शिविर में वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. विशाल गुप्ता और उनकी टीम ने 250 बंदियों का नेत्र परीक्षण किया। जांच के बाद दवा और आई ड्राप दिए गए। बंदियों के आंखों की जांच कर चश्में भी दिए जाएंगे। इसके बाद कारागार में चंदन के दो पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर संस्था के महामंत्री डॉ. अनिल द्विवेदी, संरक्षक सुरेंद्र सिंह राठौर, डॉ. विशाल गुप्ता, अमित व शिवम और आरके पांडेय, कारागार चिकित्साधिकारी डॉ. समीर नारायण सिंह, जेलर अनिल कुमार पांडेय व मनीष कुमार, डिप्टी जेलर अरूण कुमार सिंह, प्रदीप कुमार रहे।

किशोरी से दुष्कर्म में दो गिरफ्तार, गए जेल

कानपुर। महाराजपुर थानाक्षेत्र में किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने किशोर समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। किशोरी की लाख मिन्नतों के बाद भी आरोपियों का दिल नहीं पसीजा। दोनों ने दुष्कर्म किया। पुलिस पूछताछ में किशोरी ने आपबीती एडीसीपी पूर्वी अंजली विश्वकर्मा के सामने बयां की। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। महाराजपुर में रहने वाली किशोरी 26 जुलाई को फतेहपुर गाजीपुर के खेसहन निवासी प्रेमी महेश के साथ सरसौल में घूम रही थी। इस दौरान दोनों सूनसान जगह पर बैठकर बात कर रहे थे। तभी बाइक से आए दो आरोपियों ने वीडियो बनाकर उन्हें धमकी देकर 7 हजार रुपये की मांग की। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज की तो प्रेमी प्रेमिका को छोड़कर भाग गया। नाक की कील नहीं निकलने पर आरोपियों ने 500 रुपये छीनने के बाद किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म किया।

निर्यात कारोबारियों की मदद करेगी टास्क फोर्स

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- फियो और अमेजन में समझौता, छोटे कारोबारियों तक होगी पहुंच
- ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा
- एमएसएमई, कारीगरों, बुनकरों और निर्माताओं को मिलेगी सुविधा

अमृत विचार। ऐसे युवा या छोटे कारोबारी जो निर्यात से जुड़ना चाहते हैं उन्हें अब फियो और अमेजन की ओर से सहयोग किया जाएगा। बुधवार को फियो और अमेजन के बीच दिल्ली में एक एमओयू समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत एमएसएमई, कारीगरों, बुनकरों और निर्माताओं को सहयोग करने के लिए एक ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट टास्क फोर्स का गठन किया जाना तय किया गया है।

यह टास्क फोर्स ऐसे स्थानों पर कार्य करेगी जहां पर फियो या अमेजन के केंद्र स्थापित होंगे। फोर्स में शामिल टीम के सदस्य निर्यात योजना बना रहे कारोबारियों को सभी जरूरी कागजात पूरा कराए जाने के साथ ही उनके उत्पादन को विदेशों तक भेजने और उसे बाजार दिलाए जाने के लिए सहयोग करेगी। फियो के सीईओ व महानिदेशक डॉ अजय सहाय ने कहा कि भारत के एमएसएमई क्षेत्र में वैश्विक व्यापार में योगदान करने की अपार क्षमता है। अमेजन के साथ साझेदारी करके, हमारा लक्ष्य कारीगरों, बुनकरों और निर्माताओं सहित छोटे व्यवसायों की क्षमता का निर्माण करना है। योजना बना रहे लोगों को अंतरराष्ट्रीय विस्तार के लिए ई-कॉमर्स का लाभ उठाने में मदद करना है। यह समझौता ज्ञापन एमएसएमई को पारंपरिक निर्यात बाधाओं को दूर करने और प्रतिस्पर्धी वैश्विक खिलाड़ी बनने में सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली में समझौता हस्ताक्षर के दौरान फियो के सीईओ डॉ अजय सहाय व अन्य अधिकारी।

एमओयू की विशेषताएं

- एमओयू के तहत ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट टास्क फोर्स का निर्माण किया जाएगा। ई-कॉमर्स निर्यात के अनुरूप नीति और बुनियादी ढांचे के समर्थन के लिए एक रणनीतिक रोडमैप विकसित किया जाएगा। इसके अलावा क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत अमेजॅन और एफआईईओ संयुक्त रूप से उच्च क्षमता वाली निर्यात श्रेणियों पर केंद्रित कार्यशालाओं और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन होगा। स्थानीय निर्यात समुदाय : ऑफ़लाइन समर्थन नेटवर्क का गठन जो सहकर्मी सीखने, व्यावहारिक सहायता और निर्यात-संबंधित सेवा प्रदाताओं तक पहुंच की सुविधा प्रदान किया जाएगा।

व्यापारियों ने स्टेट जीएसटी कार्यालय के बाहर की नारेबाजी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लखनपुर स्थित स्टेट जीएसटी कार्यालय के बाहर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने नारेबाजी की। मुख्य गेट पर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दोनों अपर आयुक्त ग्रेड एक को दिया। व्यापारियों के मुताबिक दोनों अपर आयुक्त ग्रेड एक ने एमनेस्टी स्कीम व डीआरसी 13 की नोटिसों में और धारा 129 में मूव 7 का जवाब देने पर सुनवाई करने सहित व्यापारियों उद्यामियों के उत्पीड़न न होने का आश्वासन दिया।

भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि व्यापारियों उद्यमियों को जीएसटी काउंसिल द्वारा 2017 से 20 तक तीन वर्षों में ब्याज व पेनाल्टी माफी की एमनेस्टी स्कीम में बकाया धनराशि जमा करने के बाद नोटिस आ रही है। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के

अपर आयुक्त को ज्ञापन देते व्यापारी। अमृत विचार

- अपर आयुक्त ग्रेड एक को दिया मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन

जिला अध्यक्ष गुरुजिंदर सिंह ने कहा कि छोटे व्यापारियों व उद्यमियों को एमनेस्टी स्कीम में कमी बताकर व डीआरसी 13 की नोटिस सीधे बैंक में भेजकर खाते सीज करने के बजाय सुनवाई करनी चाहिए। इस दौरान वरिष्ठ महामंत्री मनीष गुप्ता सलोने, प्रदेश मंत्री रोशन गुप्ता, कोषाध्यक्ष विजय गुप्ता गोरे, युवा अध्यक्ष आशीष मिश्र, प्रदेश संगठन संजय भदौरिया, जिला महामंत्री महेश सोनी, राजकुमार भगतानी, संयुक्त महामंत्री नवीन तुलसानी, संजय मिश्र व के के गुप्ता, युवा महामंत्री विनायक पोद्दार थे।

साजिशकर्ताओं पर अनुशासन का हंटर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- डॉ आरके जगत कांग्रेस समिति के चेयरमैन बनाये गए
- सोशल मीडिया या किसी प्लेटफार्म पर बेवजह बयान पर रोक

अमृत विचार। कांग्रेस में साजिश के तहत पार्टी को नुकसान पहुंचाने वालों की अब खैर नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष ने ऐसे लोगों की पहचान करने के लिए अनुशासन समिति बनाई है।

बुधवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कानपुर महानगर कांग्रेस की अनुशासन समिति घोषित की जिसमें की डॉ आर के जगत, श्याम बहादुर यादव, सीता अग्निहोत्री, हाजी कौसर सोलंकी और अमिताभ मिश्रा हैं। पवन गुप्ता ने बताया कि डॉ आर के जगत इस अनुशासन समिति के चेयरमैन नियुक्त किए गए हैं। अनुशासनहीनता और किसी भी स्तर पर कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं की मेहनत को कमजोर करने की कोशिश पर कार्यवाही की जाएगी।

अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष इस संबंध में बेहद गंभीर हैं और उन्होंने इस संबंध में पहले ही एक सर्कुलर जारी किया है। मीडिया और सोशल मीडिया पर किसी भी तरह से कांग्रेस को अपमानित करने या कांग्रेस की छवि खराब करने के हर प्रयास पर अनुशासनहीनता की कार्यवाही होगी ।प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना हैं कि किसी भी कार्यकर्ता को कोई शिकायत या पीड़ा है तो वह पहले जिला अध्यक्ष और वहां से निस्तारण न होने पर प्रदेश अध्यक्ष से शिकायत कर सकता है। वहां से भी निस्तारण न होने पर राष्ट्रीय नेतृत्व तक अपनी बात पहुंचा सकता है लेकिन सीधे मीडिया में या सोशल मीडिया में जाकर कांग्रेस की छवि धूमिल करने के लिए बयान देना या पोस्ट चलाना अनुशासन हीनता मानी जाएगी। अनुशासन समिति द्वारा कांग्रेस के संविधान अनुसार उचित कार्यवाही की जाएगी।

लापरवाही

हैलट में दिखाई कार्य की प्रगति सात फीसदी, हकीकत में कुछ नहीं

कागजों पर ही काम कर रहा राजकीय निर्माण निगम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राजकीय निर्माण निगम हैलट अस्पताल में सिर्फ कागजों में ही कार्य कर रहा है। कागजों में राजकीय निर्माण निगम ने नींव खोद डाली और सात फीसदी कार्य की प्रगति तक दर्शा दी, लेकिन जब इन निर्माण कार्यों का जायजा लेने बुधवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह हैलट अस्पताल पहुंचे तो उनको नींव तक खुदी नहीं मिली। चिन्हित जमीन पर कोई काम होता नहीं मिला और न ही किसी भी तरह की गतिविधि नजर आई। हैलट में बर्न वार्ड भी राजकीय निर्माण निगम बना रहा है जो पांच साल में भी पूरा नहीं हो सका है।

हैलट अस्पताल के सर्जरी विभाग में 18.56 करोड़ रुपये की लागत से प्राइवेट लेक्चर हॉल और प्रशासनिक भवन (जी+2) का निर्माण कराया जा रहा है। इसके निर्माण की जिम्मेदारी राजकीय निर्माण निगम को सौंपी गई है। राजकीय निर्माण निगम के परियोजना प्रबंधक आरके गुप्ता के मुताबिक निर्माण का कार्य सात प्रतिशत हो गया है और नींव भी खुद गई है। निर्माण कार्यों का जायजा लेने बुधवार दोपहर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह हैलट अस्पताल पहुंचे तो अभिलेखों में दर्शायी गई कार्य की प्रगति बिल्कुल अलग थी। उनको जमीन पर कोई काम होता नहीं मिला। न नींव की खुदाई हुई थी और न ही किसी भी तरह की गतिविधि होते उन्हें नजर आई। इसपर जिलाधिकारी ने सख्त नाराजगी जाहिर की और कहा कि परियोजना की पहली किस्त के रूप में 2.51 करोड़ रुपये लगभग पांच महीने पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इस बाद भी चिन्हित जमीन पर कोई काम न होना लापरवाही का प्रमाण है। इसके बाद जिलाधिकारी ने सर्जरी ब्लॉक के रिनोवेशन कार्य की स्थिति का भी जायजा लिया। 3.79 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना को 31 मई तक पूरा किया जाना था, लेकिन अब तक कार्य अधूरा ही है। जिलाधिकारी ने सख्त लहजे में निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में यह कार्य 30 सितंबर तक पूरा कर लिया जाए। जिलाधिकारी के साथ जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला और हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह व आदि अधिकारी रहे।

निर्माण कार्यों का जायजा लेते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, साथ में जीएसवीएम के प्राचार्य डॉ.संजय काला और राजकीय निर्माण निगम के परियोजना प्रबंधक आरके गुप्ता।

आर्थो ब्लाक व जच्चा-बच्चा की भी समीक्षा की

- जिलाधिकारी ने आर्थोपेडिक ब्लॉक और जच्चा-बच्चा वार्ड में स्वीकृत कार्यों के प्रगति की भी समीक्षा की। कार्य की गति धीमी और अधूरी होने पर संबंधित अधिकारी को स्वीकृत कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप निर्माण कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा। इस प्रक्रिया में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

भाइयों की कलाई पर बहनें बांधेंगी सेना के शौर्य पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर वाली तिरंगी राखियां इस वर्ष 9 अगस्त को रक्षा-बंधन का पर्व विशेष ढंग से रंगों से भरे अलग अंदाज में मनाया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज वाली तिरंगी और ऑपरेशन सिंदूर में सैनिकों के पराक्रम को दर्शाती राखियां मेस्टन रोड बाजार में स्थित दुकानों में सजी हैं। ये राखियां सबको आकर्षित कर रही हैं। बड़ी संख्या में युवतियां ऑपरेशन सिंदूर वाली राखी और तिरंगे रंग वाले रक्षा-सूत्र की खरीदारी कर रही हैं।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि सिमरन केसरवानी एवं आशिका केसरवानी दोनो नाम एक ही महिला अर्थात मेरे ही है। भविष्य मे मुझे आशिका केसरवानी के नाम से जाना व पहचाना जाये। **D/o अनूप केसरवानी नि0-499/282, फैजाबाद रोड, डालीगंज, निरालानगर, लखनऊ।**

सूचना

मैने अपना नाम SAQUIB ALI SAYAD से बदलकर SAYAD SAQUIB ALI रख लिया है। भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-SYED ZAHID ALI ADD - 485/103 LAKD MANDI DALIGANJ, DIST-LUCKNOW-236020 (U.P)**

सूचना

सूचित हो कि मेरा मूल विक्रय पत्र जो उपनिबंधक कार्यालय सदर सुलतानपुर के रिकार्ड में बही नं0- 1, जिल्द- 1464, पेज- 136 से 137 क्रमांक- 4300 दिनांक- 7.10.1988 जो भूखण्ड सं0- 83 मी0 स्थित ग्राम खैराबाद तहसील सदर जिला सुलतानपुर, जिसे मैंने व मेरे भाई अतुल कुमार जायसवाल पुत्र स्व0 राम लखन जायसवाल ने श्रीमती सीता अग्रवाल पत्नी श्री जोगीराम से खरीदा था, वास्तव में कहीं खो गया है। **अजय जायसवाल पुत्र स्व0 राम लखन जायसवाल सुलतानपुर।**

सूचना

मेरा नाम नीलम पासी उर्फ़ सोनी पुत्री राज कुमार पासी निवासी मकान नंबर 154 एल निकट पोस्ट ऑफिस मॉडल टाउन लुधियाना पिन-141002 में रह रही हूं। मूल रूप से ग्राम व पोस्ट बड़ा गाँव जिला हरदोई की निवासी हूं। मुझे दोनों नामों से जाना पहचाना जाता है।

न्यूज ब्रीफ

राजीव नगर से पांच वर्षीय बच्चा लापता

शुक्लागंज (उन्नाव)। चंपापुरवा राजीव नगर निवासी जाकिर की पत्नी नफीसा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 4 अगस्त को दोपहर करीब साढ़े बारह बजे उसका बेटा अब्दुल्ला घर के बाहर खेल रहा था। इसके बाद वह अचानक लापता हो गया और देर रात तक घर नहीं लौटा। परिजनों ने आस-पड़ोस व रिश्तेदारों में काफी खोजबीन की लेकिन बच्चे का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर बच्चे की तलाश शुरू कर दी है। गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में वृद्ध की मौत

उन्नाव अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कांशीराम कालोनी में अकेले रह रहे अनिल सोनी (65) पुत्र स्व. सुंदर की संदिग्ध परिस्थिति में अचानक मौत हो गई। उसके परिवार में कोई नहीं था। वह अकेले ही रहता था। पड़ोसी सजन पुत्र राम विलास ने बताया कि उसे मिर्गी के दौरे भी आते थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पुलिस ने पीड़ित को वापस कराए 59 हजार

शुक्लागंज। सीताराम कॉलोनी निवासी अवनीश गुप्ता ने 25 मार्च 2025 को साइबर पोर्टल पर शिकायत की थी कि गूगल-पे के माध्यम से उनके साथ 2,96,100 रुपये की ऑनलाइन ठगी हुई है। इस संबंध में कोतवाली गंगाघाट पुलिस मुकदमा दर्ज कर तत्परता से जांच कर कार्रवाई कर रही थी। इसके बाद पीड़ित के खाते में 59 हजार रुपये की धनराशि वापस कराई गई। इस कार्रवाई में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद मिश्रा की टीम की अहम भूमिका रही।

कानपुर पुलिस का सर्राफा दुकान पर छापा

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। कानपुर में हुई चोरी के मामले में बुधवार को कानपुर पुलिस एक महिला को साथ लेकर शुक्लागंज नगर पहुंची। जहां पुलिस ने पोनी रोड स्थित एक सराफा की दुकान पर छापेमारी की और दुकानदार से पूछताछ की। पुलिस जांच में सामने आया कि चोरी की वारदात में शामिल महिला ने चोरी के जेवरात इसी दुकान में बेचे थे। इसके आधार पर पुलिस महिला को लेकर वहां पहुंची और दुकानदार से पूछताछ के बाद उसे अपने साथ ले गई। कानपुर पुलिस की अचानक कार्रवाई से इलाके के व्यापारियों में हड़कंप मच गया और आसपास की दुकानों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में मानक के अनुसार विद्युत आपूर्ति हो

मंडलायुक्त डा. रोशन जैकब ने की विकास व राजस्व कार्यों की समीक्षा, जल जमाव व साफ-सफाई का विशेष ध्यान देने को कहा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

बैठक में मौजूद अफसरों को संबोधित करतीं मंडलायुक्त डा. रोशन जैकब।

बड़ा चौराहा पर निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त को जानकारी देते जिलाधिकारी।

अमृत विचार। आयुक्त लखनऊ मंडल लखनऊ डॉ. रोशन जैकब ने जिलाधिकारी गौरांग राठी की उपस्थिति में विकास भवन सभागार में विकास एवं राजस्व व विभागीय कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इसमें सीडीओ कृति राज ने आयुक्त को बिन्दुवार विकास कार्यों व राजस्व कार्यों की जानकारी दी।

मंडलायुक्त ने बारिश को देखते हुए शहरी क्षेत्र में जलजमाव, साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन को लेकर निर्देश दिये कि अभियान चलाकर साफ-सफाई कराई जाए। सभी ईओ भ्रमण कर कार्य कराएं। उचित स्थान पर कचरा प्रबंधन कराया जाए। सभी ड्रेनेज चालू रहें। कहीं भी शिल्ट जमने से दिक्कत न हो इसके लिये ड्रेन की सफाई कराते रहें। निर्बाध विद्युत आपूर्ति के संबंध में अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देश दिये कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में मानक के अनुसार बिजली की सप्लाई हो। बिजली संबंधी शिकायतों का समय पर निस्तारण हो। जहां बिजली की अधिक शिकायतें हैं वहां कैंप लगाकर उनका निस्तारण करें। जिला उद्यान अधिकारी को निर्देश दिये कि बागवानी का जो लक्ष्य तय है उसे प्राथमिकता से पूर्ण करें। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि योजना, पीएम कुसुम योजना के संबंध में उपनिदेशक कृषि से जानकारी ली और जरूरी कार्रवाई कर किसानों को लाभ देने को निर्देशित किया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित आयुष्मान योजना के संबंध में सीएमओ से 70 से अधिक आयु वालों के आयुष्मान कार्ड की जानकारी लेकर निर्देश दिये कि प्राथमिकता से कार्ड बनाये जाएं। कोई वंचित न रहे।

पशुओं को गौशालाओं में कराएं संरक्षितः मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि पशु सड़कों पर छुट्टा घूम रहे हैं उन्हें संबंधित गौशालाओं में संरक्षित करें। सभी पशुओं का टीकाकरण हो। किसी भी गौशाला में चारा संबंधी कोई भी समस्या ना हो। बैठक में सीडीओ कृति राज, एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील गोंड, एडीएम न्यायिक अमिताभ यादव, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र, बेसिक शिक्षा कृषि उद्योग सहित अन्य विभागों के मंडलीय अधिकारी व जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

जर्जर विद्यालयों का करें ध्वस्तीकरण

मंडलायुक्त ने कहा कि 15वें वित्त आयोग की धनराशि का व्यय कर विकास संबंधी कार्य प्राथमिकता से कराया जाए। ऑपरेशन कायाकल्प व जर्जर विद्यालयों के संबंध में बीएसए को निर्देशित किया कि ऑपरेशन कायाकल्प के सभी पैरामीटर में कार्य कराकर संतृप्त कराएं। जो विद्यालय जर्जर हैं उनका चिन्हीकरण कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कराया जाए। जिले में कोई बिना मान्यता के विद्यालय न चले। मिड डे मील व अध्यापकों की उपस्थित भी सुधारें।

शहर के प्रमुख चौराहों का किया निरीक्षण

उन्नाव। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बैठक के बाद उन्नाव शहर के बड़ा चौराहा व गांधी नगर तिराहा के री-डिजाइन व सौंदर्यीकरण का निरीक्षण किया। इसमें डीएम गौरांग राठी व एसपी दीपक भूकर भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि बड़ा चौराहा के चारों ओर अभियान चलाकर खाली कराया गया है। पार्किंग के लिये कचहरी पुल के साइड में स्टैंड का निर्माण चल रहा है। मंडलायुक्त ने कहा कि चौराहे की ओर आने वाले रास्तों को अतिक्रमण मुक्त रखा जाए और पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए। इसके बाद मंडलायुक्त ने गांधी नगर तिराहा की री-डिजाइन को भी देखा। डीएम ने बताया कि ये कार्य यूडीए द्वारा कराया जा रहा है। मंडलायुक्त ने गांधीनगर तिराहा के प्रस्तावित नक़्शे का अवलोकन भी किया। इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, एडीएम न्यायिक अभिताभ यादव, एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी, यूडीए सचिव नवीन चंद्र उपस्थित रहे।

फर्जी प्रमाणपत्र में नबावगंज पुलिस ने की पूछताछ

शुक्लागंज अमृत विचार। वर्ष 2016 में कानपुर नबावगंज निवासी एक महिला का अंतिम संस्कार गंगाघाट श्मशान घाट पर हुआ था। आरोप है कि इसके बाद नगर पालिका गंगाघाट से महिला का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इसी मामले में बुधवार को कानपुर नबावगंज पुलिस नगर पालिका कार्यालय पहुंची। पुलिस ने पालिका के संबंधित बाबू से पूछताछ करते हुए उसका बयान दर्ज किया। बताया गया कि यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है, जिसके आधार पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फर्जीवाड़े से जुड़ा मामला सामने आने के बाद पालिका प्रशासन में हलचल मच गई है। वहीं, पुलिस का कहना है कि दस्तावेजों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। करीब एक घंटे तक पुलिस ने बाबू से पूछताछ की। जिसके बाद वापस चली गई। वहीं इसी मामले को लेकर पूर्व में भी पुलिस पालिका पहुंच चुकी है।

36वीं क्षेत्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में संकुल का दबदबा, 12 पदक झटके

एसवीएम स्कूल में पदक जीतने वाले छात्रों के साथ खड़े प्रधानाचार्य व शिक्षक। अमृत विचार

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। प्रयागराज में 3 से 5 अगस्त तक आयोजित 36वीं क्षेत्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में संकुल उन्नाव शुक्लागंज के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अवध प्रांत व जनपद का नाम रोशन किया। विभिन्न आयु और भार वर्ग में भाग लेते हुए खिलाड़ियों ने कुल 12 पदक हासिल किए।

अंडर-14 वर्ग में राशी पांडे ने स्वर्ण पदक जीता। अंडर-17 में आयुष तिवारी, अथर्व गौतम, सौम्या वर्मा ने स्वर्ण, अर्णव गौतम व शगुन ने रजत, जबकि आयुषी गौतम व सनाध्या अवस्थी ने कांश पदक प्राप्त किया। अंडर-19 वर्ग में मानवी सिंह और दिव्यांशी शुक्ला ने स्वर्ण, सहर्ष तिवारी व अर्पित गौतम ने रजत पदक जीते। मंगलवार को गोपीनाथपुरम स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में संकुल प्रमुख व प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ उन्नाव संकुल की नहीं, अवध प्रांत की जीत है। ग्रुप का नेतृत्व प्रदीप द्विवेदी व मयूरी शुक्ला ने किया। इस मौके पर शिव सिंह समेत विद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे। अब यह विजेता 11 से 14 सितंबर तक भूली धनबाद में होने वाली अखिल भारतीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

फंदे से लटके मिले दो विवाहिताओं के शव

कार्यालय संवाददाता उन्नाव अमृत विचार। पुरवा कोतवाली क्षेत्र में किराए के मकान में रह रही विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। वहीं मौरावां थानाक्षेत्र में भी विवाहिता का शव फंदे से लटका देख ससुरालियों के होश उड़ गए। दोनों ही मामलों में सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष ने पति व ससुरालियों पर प्रताड़ित करने व हत्या कर शव लटकाने का शक जताया। दोनों ही मामलों में एसडीएम के निर्देश पर पुरवा तहसील के नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी की मौजूदगी में पंचनामा की कार्रवाई हुई। इसके बाद दो डॉक्टरों के पैनल ने शवों का पोस्टमार्टम किया।

एक साल पहले हुआ था प्रेम विवाह

उन्नाव। कानपुर के रनियां थानाक्षेत्र के केशरबल रोड निवासी अजय शुक्ल की बेटी कोमल (19) का वहीं के निवासी ट्रक चालक रजनीश कुशवाहा पुत्र गुरुचरण में प्रेम-प्रसंग था। करीब 1 साल पूर्व दोनों ने परिजनों की मर्जी के विरुद्ध शादी की थी। करीब 1 माह से रजनीश पत्नी कोमल के साथ पुरवा कोतवाली क्षेत्र के जोतपुर मोहल्ला निवासी विजय गुप्ता पुत्र गोविंद के यहां किराए पर रहता था। मंगलवार देरशाम किसी बात पर दोनों में फोन पर कहासुनी हो गई। इसके बाद कोमल ने दुपट्टे के फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर मायके पक्ष को सूचना दी। कोमल माता-पिता की इकलौती संतान थी। मां संगीता ने बताया कि रजनीश उसकी बेटी को बहलाकर भगा ले गया था। इसकी उन्होंने रनियां में रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। मां ने बेटी की हत्या किए जाने का भी शक जताया है। पुरवा कोतवाली प्रभारी अमरनाथ यादव ने बताया कि रनियां थाने में पहले से केस दर्ज है। वहीं की पुलिस कार्रवाई करेगी।

भाई से रक्षाबंधन पर आने को कहा था

उन्नाव। मौरावां थानाक्षेत्र के देवमई गांव के मजरा रामनगर निवासी खुशबू (25) पत्नी सूरज लोध का शव साड़ी के फंदे से कमरे में पंखे के कुंडे से लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। परिजनों ने शव नीचे उतार कर पुलिस को सूचना दी। जानकारी पर एसओ पहुंचे और एसडीएम को जानकारी दी। पोस्टमार्टम हाउस में रायबरेली जिला के खोरों थानाक्षेत्र के तिवारीपुर गांव निवासी खुशी के भाई अतुल पुत्र राम बहादुर ने बताया कि उसकी बहन की शादी 24 जून 2019 को सूरज पुत्र रामबहादुर से हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं। बहनोई मुंबई में मजदूरी करता है। बताया कि इस समय वह यहां आया है। शराब का लती होने से वह अक्सर बहन को पीटता था। भाई ने बताया कि मंगलवार दोपहर उसकी बहन से फोन से बात हुई थी। तब उसने रक्षाबंधन पर घर आने को भी कहा था। उसने बहनोई पर मारपीट कर हत्या करने का शक जताया है। मौरावां एसओ कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि पीएम रिपोर्ट और तहरीर पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

झोपड़ी में फंदे से लटका मिला युवक का शव

गंजमुरादाबाद अणुत विचार। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के कबीरपुर गांव निवासी मनोज (22) पुत्र इंद्रपाल का शव बुधवार सुबह उसकी फूस के छप्पर में फंदे से लटका देख ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव नीचे उतरवाकर मोर्चरी भेजा है। ग्रामीणों में घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। सूत्र बताते हैं कि युवक नशे का लती था और गांव में अकेले रहता था। वह तीन भाइयों में बड़ा था। मां गुड्डी छोटे बेटों के साथ दिल्ली में रहकर मजदूरी करती है। बेटे की मौत की खबर मिलते वह गांव के लिए निकल चुकीं हैं। एसओ मुन्ना कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

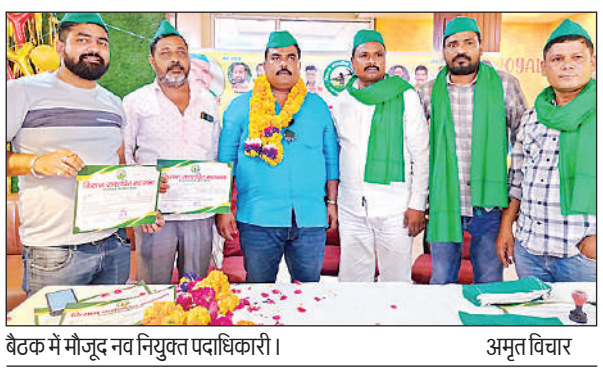
बैठक में मौजूद नव नियुक्त पदाधिकारी। अमृत विचार

किसान जनशक्ति महासभा के जिलाध्यक्ष बने सुमित

उन्नाव अमृत विचार। किसानों के हित के लिए संघर्ष कर रहे संगठन किसान जनशक्ति महासभा द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। इसमें सुमित मिश्रा को उन्नाव का जिलाध्यक्ष बनाया गया। वहीं, राजेश जायसवाल को जिला महामंत्री व निखिलेश सिंह को जिला प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान गोलू मिश्रा, पुष्पेन्द्र मिश्रा, नागेंद्र तिवारी, संजय मिश्रा, मुकुट तिवारी, सोना पांडेय व संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भीम सिंह, राष्ट्रीय सचिव धनंजय सिंह, मंडल अध्यक्ष राजपाल रावत व राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी आदित्य सैनी मौजूद रहे। इसमें भीम सिंह ने कहा कि संगठन हर जिले में मजबूत नेतृत्व तैयार कर किसानों की आवाज़ बुलंद करेगा। इसमें नव नियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत कर संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

संदिग्ध हालात में पड़े मिले युवक की कानपुर में मौत

उन्नाव अमृत विचार। दही थानांतर्गत नशे में पड़े मिले युवक की कानपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने उसके साथ मारपीट किए जाने का शक जताया है। इस पर पुलिस ने पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। माखी थानाक्षेत्र के फिरोजपुर कला गांव निवासी बाबूलाल कुरील (40) मजदूरी करता था। वह बच्चों के साथ सदर कोतवाली क्षेत्र के कल्याणी मोहल्ले में किराए पर रहता था। उसकी बेटी खुशी के मुताबिक पिता 4 अगस्त की रात करीब 10 बजे घर से बिना बताए निकले थे। रात में घर न आने पर तलाश की गई लेकिन पता नहीं लगा। अगले दिन जानकारी हुई कि वह दही थानाक्षेत्र के गंगूखेड़ा गांव में नशे में पड़े मिले थे और एक युवक से विवाद हुआ था। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। अस्पताल पहुंचने पर देखा कि पिता वहां भर्ती थे। बेटी के मुताबिक पिता के शरीर पर चोटों के निशान थे। डॉक्टर ने बुधवार सुबह कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बताया कि मां सीमा ने तीन साल पहले आत्महत्या कर ली थी। अब पिता के भी न रहने से तीन भाई-बहन अनाथ हो गए। एसओ जिला अस्पताल पहुंचे और परिजनों से बात कर तहरीर मांगी। बाबूलाल के बड़े भाई जगदीश ने एक युवक पर मारपीट का आरोप लगा तहरीर दी।

सीओ ने गंगाघाट नमामि गंगे घाट का किया निरीक्षण

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। बुधवार को नवागत सीओ सिटी दीपक यादव ने कोतवाली गंगाघाट का औचक निरीक्षण किया। इसमें उन्होंने थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस, महिला हेल्पडेस्क व पूरे परिसर को बारीकी से देखा। उन्होंने अभिलेखों की जांच कर दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी ने कोतवाली की साफ-सफाई व्यवस्था व रिकॉर्ड के रख-रखाव की सराहना की और इसे और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। सावन मास को ध्यान में रखते हुए सीओ दीपक यादव कोतवाली प्रभारी पीके मिश्रा के साथ नमामि गंगे घाट भी पहुंचे। घाट पर सुरक्षा व्यवस्था और साफ-सफाई का जायजा लिया। मौके पर मौजूद अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को घाट पर सावधानी बरतने, भीड़ नियंत्रण तथा महिला सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए।

रक्षाबंधन पर्व पर कार्यक्रम आज

उन्नाव अमृत विचार। रक्षाबंधन पर्व के आध्यात्मिक रहस्य जानने व ऐसे घोर अज्ञान अन्धकार के समय में पांच विकारों व प्राकृतिक आपदाओं से अपनी रक्षा के लिये परम पिता परमात्मा द्वारा भेजा गया संदेश ग्रहण करने के लिये प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नंदन वन इन्द्रा नगर में 7 अगस्त गुरुवार को सुबह 8 से 11 बजे तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह जानकारी रामपाल सिंह ने दी।

अनुदानित विद्यालयों का राजकीयकरण करने की मांग

उन्नाव अमृत विचार। उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के तत्वावधान में डीआईओएस कार्यालय में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित 23 सूत्रीय ज्ञापन डीआईओएस सुनील दत्त को दिया गया। इसमें उनकी सभी समस्याओं को हल किये जाने की मांग की गई। ज्ञापन में की गई मागों में मुख्य रूप से पुरानी पेंशन बहाल करने, अनुदानित विद्यालयों का राजकीय करण करने, उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम 2023 में धारा 12, धारा 18 व धारा 21 को हुबहू लागू करने, वित्तविहीन शिक्षकों की सेवा नियमावली बनाने, एनओसी रहित ऑनलाइन स्थानांतरण करने, सहायक अध्यापक का पद नाम सहायक प्रवक्ता करने की मांगे प्रमुख रहीं। इस दौरान जिलाध्यक्ष मुन्नूलाल शास्त्री, महामंत्री सुखदेव प्रसाद, सौरभ राज भारती, समीर, ज्ञानेंद्र कुमार, कौशल कुमार, धर्मेंद्र, विनोद कुमार, राजेंद्र कुमार, कैलाश यादव, भोलानाथ पाल, भूपेंद्र कुमार, बृज कुमार, राजेश कुमार आदि रहे।

शुक्लागंज में अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की जान गई

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के शंकरपुर सरायं निवासी एक अधेड़ की मंगलवार देर शाम सड़क हादसे में मौत हो गई। वह बदरका से घर लौट रहे थे, तभी सरैयां क्रॉसिंग गगनी खेड़ा मोड़ के पास अज्ञात बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद घायल अधेड़ को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

शंकरपुर सरायं पीतांबर खेड़ा निवासी हरीशंकर (55) मंगलवार को बदरका अपनी ससुराल गए थे। मरहला चौराहे तक किसी वाहन से पहुंचे। जिसके बाद पैदल ही घर की ओर जाने लगे। तभी सरैयां क्रासिंग गगनी खेड़ा मोड़ के पास अज्ञात बाइक की टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों द्वारा सूचना देने पर परिवारजन मौके पर पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बेटे मुनेश्वर की तहरीर पर अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ गंगाघाट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

हादसे में युवक की मौत

उन्नाव अमृत विचार। असोहा थानाक्षेत्र के मालिहागाढ़ा गांव के मजरा शंभू खेड़ा निवासी कृष्ण कुमार (45) पुत्र ईश्वरदीन अपनी पत्नी बिंदादेई के साथ पैदल पड़ोसी गांव सड़ौली जा रहा था। तभी सड़ौली के पास सामने से आई तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह उछलकर सिर के बल सड़क पर गिर गया। इसमें उसकी मौत हो गई। पति का शव देख पत्नी अचेत हो गई। वहीं पिता की मौत से बेटे राजकुमार, अनुज, राजकुमार व बेटी रागिनी बेहाल हैं। सूचना पर पहुंचे दरोगा मृत्युंजय बहादुर ने जांच कर कार्रवाई शुरू की है। वहीं चर्चा है कि बाइक चालक लखनऊ के थाना बंथरा क्षेत्र के कुड़ौनी गांव का निवासी है।

मुसीबत लगातार जलस्तर बढ़ने से तटीय इलाकों के मकानों के पास पहुंचा पानी

चेतावनी बिंदु से 61 सेमी दूर गंगा, आबादी में घुसा पानी

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

मोहम्मद नगर के मकानों के आसपास भरा बाढ़ का पानी। अमृत विचार

अमृत विचार। पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही पश्चिमी क्षेत्रों के बांधों से छोड़े जा रहे पानी का असर भी दिखाई देने लगा है। बैराज बांध से छोड़े गए पानी के कारण गंगा का जलस्तर अब चेतावनी बिंदु की ओर बढ़ने लगा है, जिससे तटीय इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंचने लगा है।

बुधवार को केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार शाम 6 बजे जलस्तर 111.230 मीटर था जो बुधवार सुबह 8 बजे बढ़कर 111.270 मीटर और दोपहर 1 बजे 111.350 मीटर तक पहुंच गया। शाम 6 बजे यह 4 सेमी और बढ़कर 111.390 मीटर दर्ज किया गया। 24 घंटे में जलस्तर में 16 सेमी की वृद्धि हुई है। जलस्तर बढ़ने का सीधा असर पश्चिमी क्षेत्र के मोहम्मद नगर, गोताखोर व सैय्यद कंपाउंड के पीछे बसे मकानों पर दिखने लगा है। यहां गंगा का पानी मकानों के आसपास भरने लगा है जिससे लोगों में बाढ़ की आशंका को लेकर हड़कंप मचा है। गौरतलब है कि शुक्लागंज में चेतावनी बिंदु 112 मीटर और खतरे का निशान 113 मीटर है। वर्तमान में जलस्तर चेतावनी बिंदु से मात्र 61 सेंटीमीटर नीचे है। यदि जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो जल्द ही चेतावनी स्तर पार करने की संभावना बन सकती है।

तटीय इलाको में रहने वाले लोगों को सताने लगा बाढ़ का खतरा

गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। गोताखोर, चंपापुरवा, सैयद कंपाउंड, कर्बला, हुसैन नगर, शाही नगर, मनसुख खेड़ा, गगनी खेड़ा सहित कई निचले इलाकों में पानी भरने की आशंका तेज हो गई है। गंगा का पानी धीरे-धीरे चेतावनी बिंदु की ओर बढ़ रहा है, जिससे लोगों में दहशत है। प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है, मगर अभी तक राहत व बचाव की ठोस तैयारी नहीं दिख रही। लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

पूर्व प्रधान व पूर्व कांग्रेस नगर अध्यक्ष की जमानत हाईकोर्ट से हुई खारिज

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगाघाट क्षेत्र के शक्तिनगर निवासी प्रॉपर्टी डीलर नरेंद्र अवस्थी की हत्या में उम्रकैद काट रही पूर्व प्रधान अनीता चतुर्वेदी व पूर्व कांग्रेस नगर अध्यक्ष दीप नारायण शुक्ला को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। दोनों की जमानत की अर्जी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने खारिज कर दिया।

घटना 1 मई 2013 की है जब देरशाम धारदार हथियार से नरेंद्र अवस्थी की हत्या हुई थी। मृतक के बेटे कन्हैया अवस्थी की तहरीर पर कटरी पीपरखेड़ा की पूर्व प्रधान अनीता चतुर्वेदी, पूर्व कांग्रेस नगर अध्यक्ष दीप नारायण शुक्ला, अमित द्विवेदी, गंगा प्रसाद, महेश व राजन पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। तहरीर में जेल में बंद पूर्व प्रधान वीरेंद्र चतुर्वेदी को साजिश कर्ता बताया गया था। उन्नाव की एडीजे फर्स्ट कोर्ट में मामले की लंबी सुनवाई और जिरह के बाद कोर्ट ने पर्याप्त साक्ष्य न मिलने पर वीरेंद्र चतुर्वेदी को बरी कर दिया था। जबकि अन्य छह आरोपियों को आजीवन कारावास के आदेश दिये थे। सजा के खिलाफ अनीता चतुर्वेदी व दीप नारायण ने हाईकोर्ट में जमानत की याचिका दाखिल की थी। जिसे सुनवाई के बाद खारिज कर दिया गया। कोर्ट के इस निर्णय से सजायाफ्ता आरोपियों को कानूनी तौर पर बड़ा झटका लगा है।

पाक्सो एक्ट के दोषी को तीन साल कैद, जुर्माना

उन्नाव अमृत विचार। किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के आरोपी को पॉक्सो कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोषी पर 20 हजार का अर्थदंड भी लगाया है। फतेहपुर चौरासी थानांतर्गत उधमखेड़ा नौशहरा गांव निवासी मनीष पर किशोरी को बहलाकर भगा ले जाने का आरोप लगा था। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेजा था। मुकदमे के विवेचक तत्कालीन दरोगा अनिल यादव ने आरोपी के विरुद्ध साक्ष्य इकट्ठा कर 27 जुलाई 2018 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई में अपर सत्र न्यायालय के न्यायाधीश ने अभियोजन पक्ष से प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की दलील व साक्ष्य के आधार पर मनीष कुमार को दोषी मानते हुए तीन साल की सजा सुनाई है।

अमृत विचार

गुरूवार, 7 अगस्त 2025

मेरा ध्यान अपने जीवन को शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से गौरवशाली बनाने पर था। -सोफोक्लीज़

अमेरिका को आईना

भारत ने डोनाल्ड ट्रंप की 25 फीसदी से अधिक टैरिफ बढ़ाने को सर्वथा अनुचित और तर्कहीन बताकर अमेरिकी राष्ट्रपति को आईना दिखा दिया है कि किसी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह भारत अपने राष्ट्रीय हित और आर्थिक सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। यह सही है कि रूसी तेल का भारत सबसे बड़ा खरीदार है, लेकिन ट्रंप का यह कहना बिल्कुल भी सही नहीं है कि भारत बड़ी मात्रा में रूस से तेल खरीदकर उसे खुले बाजार में बेचकर मुनाफा कमा रहा है। भारत द्वारा रूस से तेल आयात को लेकर ट्रंप जिस तरह रूस-यूक्रेन युद्ध के बहाने भारत पर आंखें तरेर रहे हैं, उसे लेकर भारत ने अमेरिका को अपने गिरेबां में झांकने की नसीहत देकर ठीक ही किया है। विदेश मंत्रालय ने साफ कह दिया है कि आप भी तो रूस से अपने परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात कर रहे हैं। यानी, आप रूस से व्यापार करें तो ठीक, और हम करें तो गैरकानूनी, यह दोहरी नीति नहीं चलने वाली। तनातनी के इस माहौल में भारत के जवाब से ऐसा लगता है कि ट्रेड डील का दबाव बनाने की कोशिश में ट्रंप अपनी ही धमकियों के जाल में फंस गए हैं और भारत उनकी गीदड़ भभकी के आगे जरा भी झुकने के लिए तैयार नहीं है। दरअसल, ट्रंप से निपटने की चुनौती में भारत की ओर से जिस तरह की सधी और संतुलित प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं, वह अमेरिकी राष्ट्रपति की चिढ़ और बढ़ा रही हैं। इसके चलते ही वह लगातार बार-बार भारत को घेरने और झुकाने वाले बयान दे रहे हैं, लेकिन अभी तक यह नहीं बता पाए हैं कि भारत पर कितना ज्यादा टैरिफ थोपना चाहते हैं। साफ है कि ट्रंप दबाव बनाकर भारत को ट्रेड डील के लिए वार्ता की मेज पर समाधान के लिए मजबूर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। हालांकि वह यह भलीभांति जानते हैं कि आज की दुनिया में भारत को नाराज या नजरअंदाज करके अमेरिका का काम नहीं चलने वाला है। भारत की तकनीकी क्षमता और मानव संसाधन अमेरिका के लिए अपरिहार्य है। यही वह बात है, जो अमेरिकी निवेशकों को भारत में अवसर प्रदान करती है। अमेरिकी कंपनियां एपल और टेस्ला इसी कारण अगर भारत में निवेश बढ़ा रही हैं, तो कई दूसरी कंपनियां आने को तैयार बैठी हैं। हालांकि भारत अकेला देश नहीं है, जो ट्रंप के टैरिफ टेरर का सामना कर रहा है। चीन पर तो शुरुआत में ट्रंप ने टैरिफ 140 प्रतिशत तक बढ़ा दिए थे। यूरोपीय संघ को भी धमकाया था, लेकिन बाद में रिश्ते सुधारे और चीन पर टैरिफ घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया। यूरोपीय संघ तथा वियतनाम के साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ। ऐसे में इस बात से इंकार नहीं है कि भारत भी अपने हितों की रक्षा करते हुए अमेरिका के साथ ट्रेड डील की उम्मीद कर सकता है, लेकिन फिलहाल तो यही कहा जा सकता है कि ट्रंप की कारगुजारियों से अमेरिका ने भारत का भरोसा खो दिया है और पुराने विश्वसनीय तथा स्वभाविक मित्र रूस को भारत के और करीब आने का मौका दे दिया है।

प्रसंगवश

मानसून करता है हकीकत को उजागर

हाल ही में एक समाचार देखा, जिसमें बिहार के एक जिला मुख्यालय में स्थित जिला अस्पताल में घुटनों पानी भरा था। अस्पताल परिसर लबालब था। तिस पर कहा जा रहा था कि बरसात से मरीज परेशान हैं। हकीकत तो यह है कि इस घटना ने अस्पताल परिसर का निर्माण करने वाले इंजीनियरों के तकनीकी ज्ञान पर सवाल खड़े किए थे। जरा ध्यान दें! जहां भी जल भराव हो रहा है, उनमें से अधिकांश स्थान वे हैं, जहां के नदी-तालाब पर समाज ने कब्जा कर रखा था। विनाश कर दिया। नष्ट कर दिया। उजाड़ दिया। बर्बाद कर दिया। बीते महीने से भारत के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उस बात के लिए ये नफरतें घंटों-पन्नों में उकेरी जा रही हैं, जिसके संरक्षण के लिए सरकार-समाज चिंतित है और उसके सहेजने के लिए पूरी ताकत लगाई जा रही है।

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

असल में पानी को ले कर हमारी सोच प्रारंभ से ही त्रुटिपूर्ण है- हमें पढ़ा दिया गया कि नदी, नहर, तालाब झील आदि पानी के स्रोत हैं। हकीकत में हमारे देश में पानी का स्रोत केवल मानसून ही हैं। नदी-दरिया आदि तो उसको सहेजने का स्थान मात्र हैं। मानसून की हम कदर नहीं करते और उसकी नियामत को सहेजने के स्थान पर हमने खुद उजाड़ दिए। गंगा-यमुना के उद्गम स्थल से छोटी नदियों के गांव-कस्बे तक बस यही हल्ला है कि बरसात ने खेत-गांव सब कुछ उजाड़ दिया। यह भी सच है कि अभी मानसून विदा होते ही उन सभी इलाकों में पानी की एक-एक बूंद के लिए मारा-मारी होगी और लोग पीने के एक गिलास पानी में आधा भर कर जल-संरक्षण के प्रवचन देते और जल जीवन का आधार जैसे नारे दीवारों पर पोतते दिखेंगे।

यह हम सभी जानते हैं कि भारत के लोक-जीवन, अर्थ व्यवस्था, पर्व-त्योहार का मूल आधार बरसात या मानसून का मिजाज ही है। कमजोर मानसून पूरे देश को सूना कर देता है। कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि मानसून भारत के अस्तित्व की धुरी है। जो महानगर-शहर पूरे साल वायु प्रदूषण के कारण हल्कान रहते हैं, इसी मौसम में वहां के लोगों को सांस लेने को साफ हवा मिलती है। खेती-हरियाली और साल भर के जल की जुगाड़ इसी बरसात पर निर्भर है। इसके बावजूद जब प्रकृति अपना आशीष इन बूंदों के रूप में देती है, तो समाज और सरकार इसे बड़े खलनायक के रूप में पेश करने लगते हैं। इसका असल कारण यह है कि हमारे देश में मानसून को सम्मान करने की परंपरा समाप्त होती जा रही है। कारण भी है, तेजी से हो रहा शहरों की ओर पलायन और गांवों का शहरीकरण।

भारतीय मानसून का संबंध मुख्यता गरमी के दिनों में होने वाली वायुमंडलीय परिसंचरण में परिवर्तन से है। गरमी की शुरुआत होने से सूर्य उत्तरायण हो जाता है। सूर्य के उत्तरायण के साथ-साथ अंतः उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र का भी उत्तरायण होना प्रारंभ हो जाता है। इसके प्रभाव से पश्चिमी जेट स्ट्रीम हिमालय के उत्तर में प्रवाहित होने लगती है। इस तरह तापमान बढ़ने से निम्न वायु दाब निर्मित होता है। दक्षिण में हिंद महासागर में मेडागास्कर द्वीप के समीप उच्च वायु दाब का विकास होता है इसी उच्च वायु दाब के केंद्र से दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्पत्ति होती है। जान लें तापमान बढ़ने के कारण एशिया पर न्यून वायु दाब बन जाता है। इसके विपरीत दक्षिणी गोलार्द्ध में शीतकाल के कारण दक्षिण हिंद महासागर तथा उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पास उच्च दाब विकसित हो जाता है। परिणामस्वरूप उच्च दाब वाले क्षेत्रों से अर्थात् महासागरीय भागों से निम्न दाब वाले स्थलीय भागों की ओर हवाएं चलने लगती हैं। सागरों के ऊपर से आने के कारण नमी से लदी ये हवाएं पर्याप्त वृष्टि प्रदान करती हैं। जब निम्न दाब का क्षेत्र अधिक सक्रिय हो जाता है तो दक्षिण-पूर्वी व्यापारिक हवा भी भूमध्य रेखा को पार करके मानसूनी हवाओं से मिल जाती हैं। इसे दक्षिण-पश्चिमी मानसून अथवा भारतीय मानसून भी कहा जाता है। इस प्रकार एशिया में मानसून की दो शाखाएं हो जाती हैं- भारत में भी दक्षिण-पश्चिम मानसून की दो शाखाएं हो जाती हैं- बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की शाखा। जलवायु परिवर्तन का गहरा असर भारत में अब दिखने लगा है, इसके साथ ही ठंड के दिनों में अलनीनो और दीगर मौसम में ला नीना का असर हमारे मानसून-तंत्र को प्रभावित कर रहा है।

प्रकृति की अनदेखी से उपजा उत्तराखंड जल-प्रलय

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

समृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम बौने ही हैं। भूकंप की तो भनक भी नहीं लगती। जाहिर है, इसे रोकने का एक ही उपाय है कि विकास की जल्दबाजी में पर्यावरण की अनदेखी न करें।

उत्तराखंड के उत्तर काशी जिले की खीर गंगा नदी और धराली में बादल फटने और हर्शिल के तेल गाड़ नाले में बाढ़ आने से बड़ी तबाही हुई है। इन प्राकृतिक आपदाओं को हमें प्रकृति के गुस्से के रूप में देखने की जरूरत है। धराली में तो 50 से ज्यादा घर, 30 होटल और 30 होमस्टे मलबे में बदल गए। जो खीर नदी 10 मीटर चौड़ी थी, वह जल प्रवाह से 39 मी. चौड़ी हो गई। अतएव जो भी सामने पड़ा उसे लीलती चली गई। प्रशासन चार लोगों की मौत और 100 से अधिक लोगों के लापता होना बता रहा है। हिमालय के बीचोंबीच बसा खूबसूरत धराली गांव में सैलाब नीचे उतरते हुए दिखा, उससे लगता है, मौतें कहीं अधिक हुई हैं। प्रलय इतनी तीव्रता से आया कि उसकी कान के पर्दे फाड़ देने वाली गर्जना सुनने के बाद लोगों को बचने का समय ही नहीं मिल पाया। अब धराली मलबे में दफन है।

इस भूक्षेत्र के गर्भ में समाई प्राकृतिक संपदा के दोहन से उत्तराखंड विकास की अग्रिम पांत में आ खड़ा हुआ था, वह विकास भीतर से कितना खोखला था, यह इस क्षेत्र में निरंतर आ रही इस आपदाओं से पता चलता है। बरिश, बाढ़, भूस्खलन, बर्फ की चट्टानों का टूटना और बदलों का फटना, अनायास या संयोग नहीं है, बल्कि विकास के बहाने पर्यावरण विनाश की जो पृष्ठभूमि रची गई, उसका परिणाम है। तबाही के इस कहर से यह भी साफ हो गया है कि आजादी के 78 साल बाद भी हमारा न तो प्राकृतिक आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आपदा से निपटने में सक्षम है और न ही मौसम विभाग आपदा की सटीक भविष्यवाणी करने में समर्थ हो पाया है। यह विभाग केरल और बंगाल की खाड़ी के मौसम का अनुमान लगाने का दावा तो करता है, किंतु भारत के सबसे ज्यादा संवेदनशील क्षेत्र हिमालय में बादल फटने की भी सटीक जानकारी नहीं दे पाता है। धराली क्षेत्र में एक साथ दो जगह बादल फटे और कुछ मिनटों में हुई तेज बारिश ने श्रीखंड पर्वत से निकली खीरगंगा नदी को प्रलय में बदलकर 90 प्रतिशत गांव को हिमालय के गर्भ में समा दिया।

बादल फटना अनायास जरूर है, लेकिन ये करीब 10 किमी व्यास की परिधि में फटने के बाद अतिवृष्टि का कारण बनते हैं। 10 सेंटीमीटर या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में परिभाषित किया जाता है। बादल फटने की घटना के दौरान किसी एक स्थान पर एक घंटे के भीतर, उस क्षेत्र में होने वाली औसत, वार्षिक वर्षा की 10 प्रतिशत से अधिक बारिश हो जाती है। मौसम विभाग वर्षा का पूर्वानुमान कई दिन या माह पहले लगा लेते हैं, लेकिन मौसम विज्ञानी बादल फटने जैसी बारिश का अनुमान नहीं लगा पाते। इस कारण बादल फटने की घटनाओं की भविष्यवाणी भी नहीं करते हैं।

समृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम बौने ही हैं। भूकंप की तो भनक भी नहीं लगती। जाहिर है, इसे रोकने का एक ही उपाय है कि विकास की जल्दबाजी में पर्यावरण की अनदेखी न करें। विडंबना है कि घरेलू विकास दर को बढ़ावा देने के मद्देनजर अधोसंरचना विकास के बहाने देशी-विदेशी पूंजी निवेश को बढ़वा दिया जा रहा है। पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों को राज्य सरकारें अब अनदेखा करने लगी हैं। इससे साबित होता है कि अंततः हमारी वर्तमान अर्थव्यस्था का मजबूत आधार अटूट प्राकृतिक संपदा और खेती ही हैं।

उत्तराखंड हो या प्राकृतिक संपदा से भरपूर अन्य प्रदेश उद्योगपतियों की लॉबी जीडीपी और विकास दर के नाम पर पर्यावरण सबंधी कठोर नीतियों को लचीला बनाकर अपने हित साधने में लगी हैं। विकास का लॉलीपॉप प्रकृति से खिलवाड़ का करण बना हुआ है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आई इन तबाहियों का आकलन इसी परिप्रेक्ष्य में करने की जरूरत है।उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश से विभाजित होकर 9 नवंबर 2000 को अस्तिव में आया था। 13 जिलों में बंटे इस छोटे राज्य की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 1 करोड़ 11 लाख है। 80 फीसदी साक्षरता वाला यह प्रांत 53,566 वर्ग किलोमीटर में फैला है। उत्तराखंड में भागीरथी, अलकनंदा, गंगा और यमुना जैसी बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली नादियों का उद्गम स्थल है। इन नादियों के उद्गम स्थलों और किनारों पर पुराणों में दर्ज अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल हैं, इसीलिए इसे धर्म-ग्रंथों में देवभूमि कहा गया है। यहां के वनाच्छादित पहाड़ अनूठी जैव विविधता के पर्याय हैं। तय है, उत्तराखंड प्राकृतिक संपदाओं का खजाना है। इसी बेशकीमती भंडार को सत्ताधारियों और उद्योगपतियों की नजर लग गई है, जिसकी वजह से प्रलय जैसे प्रकोप बार-बार इस देवभूमि में बर्बादी की आपदा वर्षा रहे हैं।

आमने-सामने

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व की आम आदमी पार्टी सरकार के विधानसभा भवन के एक हिस्से को 'फांसी घर' बताने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने इसे इतिहास के साथ खिलवाड़, शहीदों का अपमान और जनता के साथ धोखा करार दिया। उन्होंने विधानसभा में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बिना किसी प्रमाण के 'फांसी घर' घोषित कर दिया।

आप विधायक संजीव झा ने कमरे के ऐतिहासिक महत्व का बचाव करते हुए तर्क दिया कि ऐसे कई निष्पादन स्थलों को कभी आधिकारिक रूप से दर्ज नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इतिहासकारों के ऐसे स्थानों पर अलग-अलग विचार हैं। इस इमारत के 1912 के नक्शे में, यह एकमात्र दो मंजिला संरचना है जो फांसी कक्ष के अनुरूप है। झा ने कहा कि साइट से सामग्री की जांच भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा की जाए।

एआई से अवसर तो मिलेंगे, पर नौकरियां...!

प्रकाश श्रीवास्तव
स्वतंत्र लेखक

एक अनुमान के अनुसार, पिछले वर्ष भारत में आईटी सेक्टर से जुड़े लगभग पचास हजार लोगों की नौकरियां खत्म हो गईं। साथ ही देश की शीर्ष छह आईटी सर्विस कंपनियों में कर्मचारियों को नियुक्त करने में 72 फीसदी गिरावट आई है। कहने की जरूरत नहीं कि देश का आईटी क्षेत्र जो सामाजिक गतिशीलता और गरीबी में जन्मे बच्चों द्वारा शिक्षा और कड़ी मेहनत से उच्च वेतन वाली नौकरियां हासिल करने का जरिया रहा है, ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के आने से तेजी से नया रूप लेता जा रहा है। प्रमुख कंपनियों में नौकरियों का जाना या उसमें कमी आना यह कोई अकेली घटना नहीं है। पर ये घटनाएं भारत में ऐसी नौकरियों, जिसमें विशिष्ट कौशल, उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है और ये आमतौर पर वित्त, स्वास्थ्य सेवा, कानून और प्रौद्योगिकी जैसे सेक्टर से जुड़ी होती है, कि प्रकृति में एक संरचनात्मक बदलाव का संकेत लिए हैं।

पेशेवर, प्रबंधकीय या प्रशासनिक कार्य से जुड़े लोग जिन्हें शहरी समृद्धि की रीढ़ माना जाता है, ऑटोमेशन को अपनाए जाने से कम किए जा रहे हैं। भारत का सॉफ्टवेयर सर्विस सेक्टर, जिसका सकल घरेलू उत्पाद और शहरी उपभोग वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान है, आज संकट के काल से गुजर रहा है। ऐसी नौकरियां लम्बे समय तक के लिए सुरक्षित नहीं रह गईं हैं। कंपनियां अपने कर्मचारियों को पुनः प्रशिक्षित करने की तुलना में तेजी से ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को अपना रही हैं। इस उथल-पुथल से हर ओर से चिन्ताजनक बयान सामने आ रहे हैं।

ब्रिटिश-कनाडाई कंप्यूटर वैज्ञानिक और 2024 का भौतिकी में नोबेल पुरस्कार विजेता जेफ्री एवरेस्ट हिंटन, जिन्हें 'एआई का गॉडफादर' माना जाता है, की यह चेतावनी गौर करने लायक है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अगर एआई सिस्टम ने अपने लिए खुद की सोचने की भाषा विकसित कर ली तो इंसानों के लिए ये समझना मुश्किल होगा कि वे क्या करने वाले हैं? क्या सोच रहे हैं? उनकी यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब चैटजीपीटी निर्माता ओपनआई की रिपोर्ट में सामने आया है कि उसके कुछ एडवांस एआई मॉडल अपनी मर्जी से तथ्य गढ़ रहे हैं। कंपनी ने खुद माना कि उसे यह नहीं पता कि यह कैसे हो रहा है।

हिंटन का 'वन डिसीजन पॉडकास्ट' में दिया गया भाषण इस बात को रेखांकित करता है कि एआई क्षमताएं किस गति से बढ़ रही हैं। सिलिकॉन वैली के दिग्गज अरबपति वेंचर कैपिटलिस्ट विनोद खोसला ने एक बड़ी चेतावनी जारी की है, जिसमें उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उदय को 'मानव इतिहास के सबसे बड़े बदलावों में से एक' बताया है और भविष्यवाणी की है कि अगले पांच वर्षों में यह आज की अधिकांश नौकरियों की जगह ले लेगा। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों के भीतर, एआई कानून और वित्त से लेकर चिकित्सा और ग्राहक सहायता तक लगभग हर उद्योग में अधिकांश कार्य करेगा।

दिग्गज कंप्यूटर वैज्ञानिक भी एआई के जरिए होने वाले सृजनकारी काम की गति देखकर अचंभित हैं। अब जो उपकरण उपलब्ध हैं, वे कुछ ही सेकंड में वह काम कर सकते हैं, जिसे करने में पहले पूरी टीम को लगाना पड़ता था और टीम भी वह काम घंटों में कर पाती थी। भारत ने सेवा-आधारित जो विकास किया है, उसमें बड़ी संख्या में मुख्यतः विशेषज्ञों का योगदान रहा है। बड़ी संख्या में इन विशेषज्ञों की नियुक्तियां कंपनियां करती रही हैं। जैसे-जैसे एआई, डेटा सिक्यूरिटी और क्लाउड आर्किटेक्चर में विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है, मौजूदा आईटी कर्मचारियों का अधिकांश हिस्सा खुद को कमजोर स्थिति में पा रहा है। कंपनियां अपने हजारों योग्य कर्मचारियों को सिर्फ इसलिए नौकरी से निकालने पर मजबूर हैं, क्योंकि नए तकनीकी मॉडल में उनकी क्षमताओं का उपयोग करने के लिए कोई गुंजाइश नहीं है।

देश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की नियोक्ता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) जो सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी भी है और टीसीएस जैसी अन्य कंपनियां भी, जो दशकों से कम लागत पर सॉफ्टवेयर बनाने के लिए सस्ते कुशल श्रम पर निर्भर रही हैं, पारंपरिक व्यावसायिक मॉडल में आए बड़े बदलावों के बीच नए क्षेत्रों में निवेश कर रही हैं। ये कंपनियां बड़े पैमाने पर एआई का इस्तेमाल कर रही हैं। इस तथ्य को अनदेखा नहीं किया जा सकता कि व्हाइट-कॉलर जॉब से जुड़े कर्मचारियों के चलते ही भारत के रियल एस्टेट, महंगी गाड़ियों की खरीद और व्यापक उपभोक्ता अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिली है।

शीर्ष आईटी फर्मों में नौकरियों में गिरावट और छंटनी आम बात हो जाने की खबरों के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव मध्यम वर्ग पर दिखने लगे हैं। इन नौकरियों से जुड़े लोगों और उनकी परिवारजनों पर चिन्ता की लकीरें दिख रहीं हैं। आईटी नौकरियों के आधार पर टिकी मध्यम वर्ग की आकांक्षाएं टूटने लगी हैं। जैसे-जैसे विदेशों में एआई को अपनाए जाने की प्रक्रिया में तेजी आ रही है, भारतीय कंपनियों पर कम कर्मचारियों के साथ अधिक उत्पादन करने का दबाव बढ़ रहा है। नए उभरते क्षेत्र जैसे- फिन-टेक, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और स्टार्टअप को तो बढ़ावा देते हैं, पर बड़ी संख्या में रोजगार उत्पन्न करने में असमर्थ ही रहे हैं। इसका परिणाम सामने आया है कि यूनिवर्सिटी से निकले युवाओं के पास नौकरियां नहीं हैं। रोजगार पर निगाह रखने वाले विशेषज्ञों के अनुसार इन युवाओं को न केवल बेरोजगारी के हालात का सामना करना पड़ सकता है, बल्कि उन्हें तेजी से बदलते बाजार में उनके अप्रासंगिक हो जाने का भी सामना करना पड़ सकता है।

सिलिकॉन वैली के दिग्गज अरबपति वेंचर कैपिटलिस्ट विनोद खोसला ने एक बड़ी चेतावनी जारी की है, जिसमें उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उदय को 'मानव इतिहास के सबसे बड़े बदलावों में से एक' बताया है।

सामयिकी

भारतीयता का पुनर्जागरण और राष्ट्र के प्रति नई दृष्टि

आज का भारत एक अभूतपूर्व संक्रमण काल से गुजर रहा है। एक ओर जहां हम तकनीकी, आर्थिक और सामरिक क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक, भाषायी और राजनीतिक चेतना में पश्चिमी प्रभाव की छाया अब भी बनी हुई है। यह वह समय है जब हमें आत्ममंथन करते हुए यह तय करना होगा कि राष्ट्रहित और राष्ट्रप्रथम की भावना हमारे चिंतन, व्यवहार और नीतियों के केंद्र में है या नहीं।

हमें हर उस दृष्टिकोण की पुनः समीक्षा करनी चाहिए, जिसे हमने केवल इसलिए स्वीकार कर लिया क्योंकि वह पश्चिम से आया था। उदाहरण स्वरूप, हम आज भी अरब देशों को 'मिडल ईस्ट' या 'मध्य पूर्व' कहते हैं, जबकि वे भारत की दृष्टि से स्पष्ट रूप से पश्चिम में स्थित हैं। यह शब्दावली पश्चिमी भूगोल के संदर्भ में गढ़ी गई, और हमने इसे बिना विचार किए अपनाकर अपनी दृष्टि को भी परावलंबी बना लिया।

इतना ही नहीं, हम अब 'राम' को 'रामा', 'योग' को 'योगा', और 'असीम' को 'आशो' कहने लगे हैं। यह केवल उच्चारण की त्रुटि नहीं है, बल्कि हमारे आत्मगौरव और सांस्कृतिक अस्मिता पर एक सूक्ष्म किंतु गहरा प्रहार है। भारतीय संस्कृति में भाषा, उच्चारण और अर्थ का गहरा संबंध है। जब हम अपने शब्दों को पश्चिमी लहजे में तोड़-मरोड़कर बोलते हैं, तो दरअसल हम अपनी जड़ों से कटते हैं। राष्ट्र प्रथम का मतलब केवल सीमाओं की रक्षा या झंडा फहराना नहीं होता, बल्कि यह उस चेतना का नाम है, जिसमें हम अपनी संस्कृति, परंपरा और पहचान को आत्म गौरव के साथ धारण करें।

एम. अफसर खान
युवा पत्रकार

भारत एक प्राचीन सभ्यता है, जिसकी जड़ें केवल इतिहास की किताबों में नहीं, बल्कि आज भी जीवंत परंपराओं में हैं। हमारी भाषाएं, रीति-रिवाज, वस्त्र, भोजन और व्यवहार, सब कुछ हमें एक विशेष सांस्कृतिक पहचान देता है। यदि हम इसी को 'मॉडर्नाइजेशन' के नाम पर त्याग देंगे, तो हम उधार की पहचान लेकर एक खोखली आधुनिकता की ओर बढ़ेंगे, जिसका अंत हमेशा सांस्कृतिक पराजय में होता है।

देश के लोकतंत्र को सुदृढ़ करने के लिए केवल चुनावी सुधार या तकनीकी बदलाव काफी नहीं हैं, जब तक हमारे नेताओं की सोच में राष्ट्र प्रथम की भावना न हो। संसद और विधानसभाओं में बैठे जनप्रतिनिधियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर यह देखना होगा कि उनके निर्णय राष्ट्र के दीर्घकालिक हित में हैं या नहीं।

आज की राजनीति में 'कुर्सी' केंद्र बन चुकी है, 'कर्तव्य' नहीं। चुनाव केवल सत्ता प्राप्ति का साधन बनते जा रहे हैं, जबकि लोकतंत्र की आत्मा जन सेवा है। आवश्यकता इस बात की है कि उम्मीदवारों की योग्यता, आचरण और राष्ट्रहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी चुनाव प्रक्रिया का मानदंड बनाया जाए। इसके लिए राजनीतिक दलों को भी आत्मचिंतन करना होगा कि वे किस प्रकार के लोगों को टिकट दे रहे हैं। केवल धनबल, जातीय समीकरण और लोकप्रियता के आधार पर या सचमुच राष्ट्रसेवा की भावना से युक्त लोगों को ?देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी होती है। यदि यह पीढ़ी दिशाहीन, निराश और भ्रमित रहेगी, तो कोई भी विकास स्थायी नहीं हो सकता। दुर्भाग्यवश आज का युवा सोशल मीडिया, आभासी पहचान और विदेशी जीवनशैली की चकाचौंध में उलझा हुआ है। हमें उसे यह बताना होगा कि देश भक्ति केवल सेना में भर्ती होने से नहीं होती, बल्कि अपने कार्य क्षेत्र में ईमानदारी, समाज में नैतिकता और राष्ट्रीय संस्कृति के प्रति सम्मान भी उतना ही महत्वपूर्ण योगदान देता है। शिक्षा प्रणाली को इस दिशा में सबसे बड़ा हस्तक्षेप करना होगा। हमारी पाठ्य पुस्तकों में केवल सूचनाएं नहीं, बल्कि संस्कृति, नैतिकता और राष्ट्र प्रेम भी समाहित किया जाना चाहिए। जब तक हम बच्चों को यह नहीं सिखाते कि भारत सिर्फ एक देश नहीं, एक विचार है।

सोशल फोरम

हिरोशिमा की याद

6 अगस्त को हम हिरोशिमा पर हुए उस विनाशकारी परमाणु बम विस्फोट को याद करते हैं, जिसने 1945 में न केवल एक शहर को तबाह कर दिया, बल्कि असंख्य लोगों की जिंदगियों को भी बदल कर रख दिया। इस दिन मुझे 'हिरोशिमा माई लव' याद आ रही है। अब तक की देखी गई कुछ सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक। जो हमें इस भयानक त्रासदी के बीच इंसानियत, प्रेम और पुनर्निर्माण की उम्मीद की झलक दिखाती है।

सचिन श्रीवास्तव
लेख

1959 में आई इस रोमांटिक ड्रामा को फ्रांसीसी निर्देशक एलैन रेने ने निर्देशित किया था और फ्रांसीसी लेखिका मार्गुएरिट ड्यूरास ने लिखा था। यह फिल्म एक फ्रांसीसी अभिनेत्री एमी और एक जापानी आर्किटेक्ट लुई के बीच 24 घंटों की व्यक्तिगत बातचीत पर आधारित है। फिल्म में रेस्ने ने अनूठे फ्लैश बैक का उपयोग किया है। कैसे दो अलग-अलग देशों के, अलग-अलग लोगों के शहर इस फ्लैशबैक में एक होते चले जाते हैं।

फ्रांसीसी अभिनेत्री एमी, जिसने हिरोशिमा में अपने परिवार को खो दिया था, फिल्म की शूटिंग के लिए उस शहर में वापस आती है। यहां उसकी मुलाकात जापानी आर्किटेक्ट लुई से होती है, जो अपने काम के सिलसिले में वहां होता है। अपने-अपने युद्ध के अनुभव और व्यक्तिगत त्रासदियों को साझा करे हुए, वे एक-दूसरे के दर्द को समझते हैं और सांत्वना देते हैं। बाद में एमी हिरोशिमा में रहने का फैसला करती है। वह बंद हो चुके कॉफी हाउस में जाती है और लुई उसे ढूंढ लेता है और रहने के लिए कहता है। वह कमजोर होकर कहती है कि वह रहेगी, लेकिन फिर से जाने के लिए कहती है। वे शहर के चारों ओर घूमते हैं, साथ और अलग, हिरोशिमा की छवियां नेवर्स की छवियों के साथ बदलती रहती है।

इसका आखिरी दृश्य कमाल का है। अभिनेत्री के होटल के कमरे में, आर्किटेक्ट दरवाजा खटखटाता है। वह उसे अंदर आने देती है और चिल्लाती है कि वह उसे भूलने लगी है, लेकिन अचानक शांत होकर कहती है कि उसका नाम 'हिरोशिमा' है। वह जवाब देता है कि हाँ, और उसका नाम 'नेवर्स' है।हिरोशिमा की इस कहानी को याद करते हुए आज के दिन, हम उन सभी लोगों को याद करते हैं, जिन्होंने उस विनाशकारी घटना में अपने प्रियजनों को खो दिया। साथ ही, हम यह भी याद करते हैं कि कैसे इंसानियत और प्रेम हमें सबसे कठिन समय में भी संभाल सकते हैं।

-फेसबुकवाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

जानवरों की पढ़ाई और जान बचाने की दवाई

बरेली के इज्जतनगर में स्थित भारतीय पशु चिकित्सा संस्थान (आईवीआरआई) अपने 136 साल के सफर में तमाम उपलब्धियों भरी यादें समेटे हुए है। पशुओं की बीमारियों और उपचार पर बेहतरीन शोध, 50 से ज्यादा वैक्सीन, एक सैकड़ा से अधिक नई टेक्नालॉजी का विकास तथा पशु उत्पादन एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थान का योगदान उसे महत्वपूर्ण बनाता है। यहां वीवीएससी, एमवीएससी, पीएचडी और पीजी डिप्लोमा कोर्स संचालित होते हैं। संस्थान का कैंपस 440.40 एकड़ में फैला है। इसमें अत्याधुनिक लैब, पशु अस्पताल, प्रशिक्षण केंद्र, आवासीय परिसर और कृषि भूमि शामिल है। यहां वर्ष 1969 में स्थापित जैविक मानकीकरण विभाग वैक्सीन क्वालिटी कंट्रोल का काम करता है। यहां उन्हीं वैक्सीन की जांच होती है, जो राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में इस्तेमाल की जाती हैं। पशु पोषण विभाग देशभर के चिड़ियाघरों में जानवरों को दिए जाने वाले आहार की जांच कर सुझाव देता है।

पशु स्वास्थ्य क्षेत्र में शोध-अनुसंधान की उपलब्धियों से भरा है भारतीय पशु चिकित्सा संस्थान का 136 साल का सफर

1899 में एंटी-रिंडरपेस्ट सीरम का पहला बैच तैयार किया

- बात साल 1889 की है, देश में रिंडरपेस्ट नामक बीमारी जिसे मवेशियों का प्लेग भी कहा जाता है, महामारी के रूप में फैल चुकी थी। तत्कालीन ब्रिटिश शासन ने इस विनाशकारी संक्रामक बीमारी के साथ पशुओं में फैलने वाली अन्य प्रमुख बीमारियों के उन्मूलन के लिए एक सुव्यवस्थित अनुसंधान संस्थान की जरूरत महसूस की। महाराष्ट्र के पुणे में इंपीरियल बैक्टीरियोलॉजिकल लैबोरेटरी खोली गई, लेकिन वहां की जलवायु इस काम के लिए उपयुक्त नहीं थी, इसलिए 1893 में इसे उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में इज्जतनगर क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया। बाद में इसका नाम बदलकर इंपीरियल वेटरिनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट और आजादी के बाद भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) कर दिया गया।
- संस्थान ने 1899 में एंटी-रिंडरपेस्ट सीरम का पहला बैच तैयार किया। इसी के बाद मवेशियों और अन्य जानवरों में फैलने वाली प्लेग की बीमारी पर काबू पाया जा सका। एशिया में पशु चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थानों में शुमार आईवीआरआई का इतिहास न सिर्फ गौरवशाली है, बल्कि भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों की नींव भी है। संस्थान ने कई प्रमुख पशु रोगों की पहचान, रोकथाम और टीका विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रिंडरपेस्ट, एफएमडी, ब्रुसेलोसिस और स्वाइन फीवर जैसी बीमारियों के टीकों का विकास संस्थान की ही देन है।

पशुओं में प्लेग की महामारी दूर भगाई, वैक्सीन बनाकर बीमारियों से जान बचाई

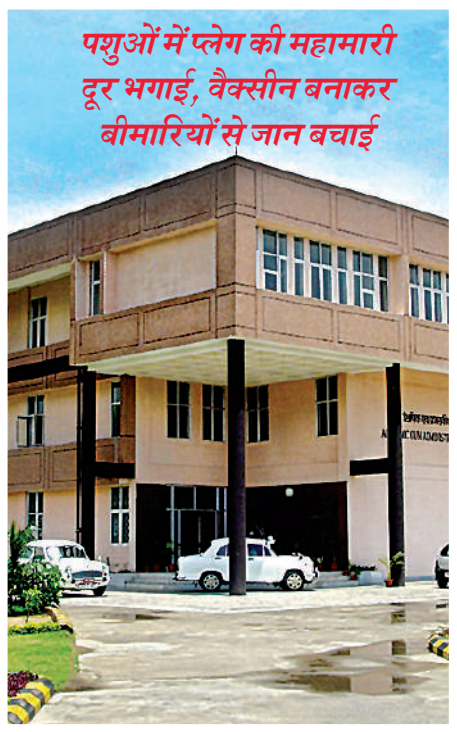

उपलब्धियों भरा सफर

- रिंडरपेस्ट बीमारी का उन्मूलन, एफएमडी, लंपी डिजीज वैक्सीन का विकास।
- पशुओं की टूटी हड्डी जोड़ने की नई तकनीक को विकसित किया जाना।
- पशुओं में हड्डियों के फ्रैक्चर के इलाज में स्टेम सेल पद्धति का प्रयोग।
- 34 पेटेंट, 26 डिजाइन, 46 कॉपीराइट, 21 मोबाइल एप तथा 5 चैटबोट एप
- ऑनलाइन पशु चिकित्सा क्लीनिक, टेली कन्सलटेंसी सर्विस संचालित।

13 नए डिग्री, 22 पीजी डिप्लोमा स्टार्टअप और नवाचार पर भी जोर

- संस्थान के निदेशक और वाइस चांसलर डॉ. त्रिवेणी दत्त पशुधन उत्पादन, प्रबंधन और प्रजनन के क्षेत्र में देश के अग्रणी वैज्ञानिकों में गिने जाते हैं। स्टार्टअप संवर्धन और वैज्ञानिक नवाचारों में खास रुचि रखते हैं। उनके नेतृत्व में 'वृंदावनी' गाय, 'लैंडली' सुअर तथा रोहिलखंडी बकरी जैसी नस्लों का विकास एवं पंजीकरण हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत उन्होंने 13 नए डिग्री प्रोग्राम, 22 पीजी डिप्लोमा, 68 प्रमाण पत्र कोर्स और 5 दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम आरंभ किए हैं।
- संस्थान ने हाल ही में पहली बार स्वदेशी तकनीक से कूल्हा प्रत्यारोपण की नई उपलब्धि हासिल की है। अभी तक देश में कुत्तों के लिए आर्टिफिशियल हिप उपलब्ध नहीं था। विदेशी उपकरणों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिसकी कीमत पांच लाख रुपये तक होती थी। लेकिन आईवीआरआई ने सीमेंटेड तकनीक पर आधारित हिप सिस्टम विकसित कर दिखाया है।

शेर, अजगर, चमगादड़ से लेकर घोड़ा और ऊंट तक के कंकाल

संस्थान परिसर में वर्ष 2015 में पशु शरीर संरचना विज्ञान अनुभाग की स्थापना हुई थी। यहां छात्र-छात्राओं को एनॉटॉमी के अंतर्गत जानवरों के शरीर की संरचना समझायी जाती है। इसके संग्रहालय में बिल्ली, कुत्ता, शूकर, भेड़, भैंस, शेर, टाइगर, घोड़ा, मेंढक और गिलहरी के साथ अजगर, एमू, चमगादड़, और ऊंट के कंकाल सुरक्षित हैं। संस्थान ग्रामीण क्षेत्र में किसानों और पशुपालकों को प्रशिक्षण देकर पशुधन उत्पादन में वृद्धि और बीमारी प्रबंधन में सहयोग करता है।

लेखक: शिवांग पांडेय, बरेली

नई किताबें

राष्ट्र प्रेम व स्वाधीनता की दुर्लभ कविताओं की कृति

'राष्ट्र प्रेम और स्वाधीनता के गीत' काव्य कृति में युवा रचनाकार विदर्भ कुमार ने दुर्लभ कविताओं में देश प्रेम के गीतों-गजलों और स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में बच्चों के लिए प्रेरक गीतों को संग्रहित किया है। स्वतंत्रता संग्राम को अभिव्यक्त करती कविताओं में तत्कालीन कालखण्ड का अनुभूति पूर्ण बखान भी है।

पुस्तक : राष्ट्र प्रेम और स्वाधीनता के गीत
लेखक :विदर्भ कुमार
मूल्य :रुपये 300
प्रकाशक : शतरंग प्रकाशन, लखनऊ।
संपर्क : 8787093085, ईमेल : ltp284403@gmail.com

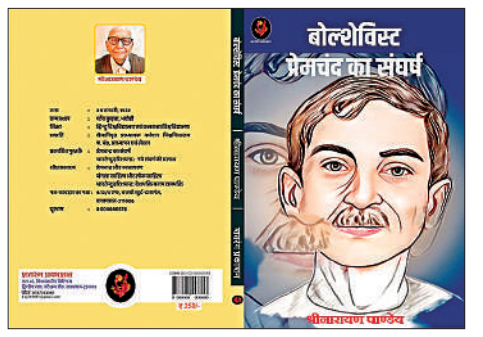

प्रेमचंद को सही परिप्रेक्ष्य में समझाती है यह पुस्तक

'बोल्शेविस्ट प्रेमचंद का संघर्ष' पुस्तक साहित्यकार श्रीनारायण पाण्डेय द्वारा कथा-शिल्पी, उपन्यास-सम्राट प्रेमचंद को लेकर सत्य का अनुसंधान करती है। यह आलोचनात्मक पुस्तक प्रेमचंद के संघर्ष के सभी पक्षों को पाठकों के सामने रखती है। पहली बार 1987 में नौ अध्याय में छपने वाली इस पुस्तक का 93 वर्षीय लेखक ने संशोधित स्वरूप दिया है। शतरंग प्रकाशन लखनऊ द्वारा प्रकाशित 124 पृष्ठों की पुस्तक में कुल 12 आलेख है जिनमें 11 लेखक तथा एक आलेख आलोचक गोपाल प्रधान का है। प्रेमचन्द का प्रसिद्ध कहानी संग्रह 'सोज-ए-वतन' उर्दू में (1908 ई0) में आया था फिर हिन्दी में प्रकाशित हुआ। ब्रिटिश हुकूमत ने सोजे वतन को जब्त कर प्रतियां जला दी थीं। इसके बाद उनकी राष्ट्रीय-चेतना और तीव्र होती गई। बोल्शेविस्ट प्रेमचंद का साहित्य समाज को सजीवता के साथ स्वाधीनता के लिए प्रेरित कर रहा था। देशवासियों में नवीन चेतना जागृत करना एक वर्ग के लिए पच नहीं रहा था। आलोचनात्मक लेखों के माध्यम से प्रेमचंद पर हमले हुए। प्रेमचंद और उनके समय को सही परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए पुस्तक अत्यंत उपयोगी है।

पुस्तक : बोल्शेविस्ट प्रेमचंद का संघर्ष
लेखक : श्री नारायण पाण्डेय
मूल्य : रुपये 350
प्रकाशक : शतरंग प्रकाशन, लखनऊ।
(**समीक्षक** : सुरेन्द्र अग्निहोत्री।

जॉब अलर्ट

यूपी में एलटी शिक्षक आवेदन

- कुल पदों की संख्या- 7666
- न्यूनतम योग्यता – स्नातक एवं बीएड
- आयु सीमा – 21 से 40 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 28 अगस्त
- आवेदन लिंक- upsc.up.nic.in

बिहार कर्मचारी चयन आयोग की स्नातक स्तरीय सम्मिलित परीक्षा

- कुल पद – 1064
- आयु सीमा- अधिकतम 37 वर्ष
- अंतिम तिथि – 19 सितंबर
- वेबसाइट - https://bsasc.bihar.gov.in

एम्स नर्सिंग आफिसर भर्ती

- कुल पदों की संख्या- 3500
- न्यूनतम योग्यता – बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग या बीएससी नर्सिंग तथा दो वर्ष का अनुभव।
- आयु सीमा – 21 से 40 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 11 अगस्त

एयरपोर्ट अथॉरिटी में सीनियर असिस्टेंट की नियुक्ति

- कुल पदों की संख्या- 32
- न्यूनतम योग्यता – स्नातक
- अनुभव – संबंधित क्षेत्र में 2 वर्ष
- आयु सीमा – 18 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 26 अगस्त
- ऑन लाइन आवेदन –aai.aero

हरियाणा में कृषि विकास अधिकारी के पद पर भर्ती

- कुल पदों की संख्या- 785
- न्यूनतम योग्यता – बीए आनर्स
- आयु सीमा – 18 से 42 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 25 अगस्त
- ऑन लाइन आवेदन – http://hpsc.gov.in

आईआईटी कानपुर की अनूठी पहल

तकनीकी शिक्षा में भाषाई चुनौती का समाधान करता शिवानी केंद्र

आईआईटी, कानपुर में हर साल देश भर से सैकड़ों छात्र-छात्राएं, विविध भाषाई और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से, तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने आते हैं। लेकिन उच्च शिक्षा में अंग्रेजी भाषा का ही उपयोग होने के कारण उनको अक्सर कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसी चुनौती का समाधान करके छात्रों को सुगम शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के प्रयास का नाम है, शिवानी। शिवानी केंद्र की कोशिश रहती है कि तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई और शोध में भाषा कोई बाधा न बने और हर छात्र-छात्रा को अपनी मातृभाषा में समझ के साथ आगे बढ़ने का मौका मिले।

हिंदी साहित्य की लोकप्रिय लेखिका थीं शिवानी

शिवानी केंद्र 22 साल पहले आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र मुक्तेश (मिक्की) पंत के सहयोग से स्थापित हुआ था। यह केंद्र, उनकी मां गौरा पंत, जिन्हें प्रसिद्ध कथाकार शिवानी के नाम से जाना जाता है, की स्मृतियों को श्रद्धांजलि है। शिवानी (जन्म 17 अक्टूबर, 1923, राजकोट, गुजरात, निधन 21 मार्च 2003), हिंदी साहित्य की प्रतिष्ठित और लोकप्रिय लेखिका थीं। वर्ष 1982 में हिंदी साहित्य में योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था। उनके नाम पर आईआईटी कानपुर में स्थापित केंद्र का उद्देश्य नए छात्र-छात्राओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना और उन्हें भाषा संबंधी सहायता प्रदान करना है।

नई टेक्नालॉजी के जरिए अलग अलग भाषाओं को आसानी से समझने पर चल रहा काम

- केंद्र यह सुनिश्चित करता है कि अंग्रेजी भाषा में शिक्षण की गति के कारण कोई भी छात्र मूलभूत अवधारणाओं को समझने में पीछे न रह जाए। इसके लिए केंद्र हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में शैक्षणिक सामग्री बनाने अथवा अनुवाद करने के लिए संकाय सदस्यों और शिक्षकों को समान रूप से प्रेरित करता है, ताकि छात्र अपनी मातृभाषा में अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझ सकें। राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी साहित्य सभा के साथ मिलकर कार्यशालाओं, पुस्तक मेलों, संगोष्ठियों और कार्यक्रमों का आयोजन करता है, ताकि हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के समृद्ध साहित्य-भंडार एवं रचनात्मक संस्कृति से छात्र-छात्राएं परिचित हो सकें। केंद्र केवल भाषा सीखने और साहित्यिक संवर्धन तक ही सीमित नहीं है, तकनीकी योगदान देने और हिंदी-आधारित सॉफ्टवेयर के प्रचलित उपयोग को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। केंद्र में वर्चुअल रियलिटी जैसी नई टेक्नोलॉजी के जरिए अलग-अलग भाषाओं में बातचीत को आसान बनाने और समझने पर भी काम चल रहा है।

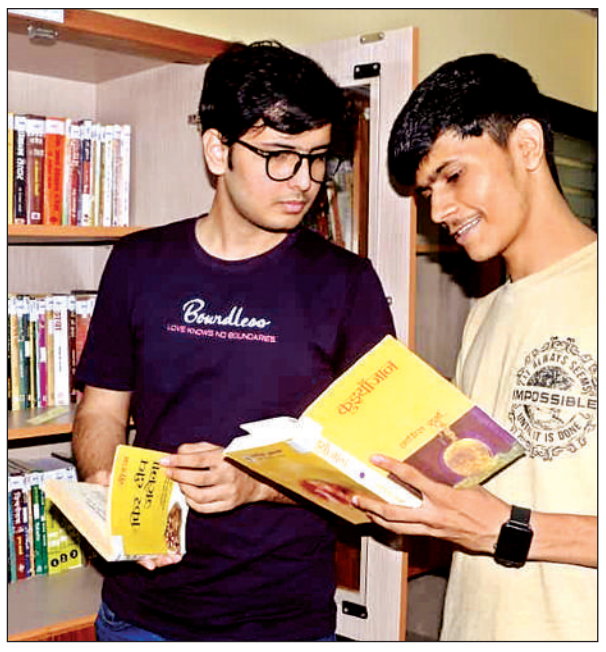

प्रस्तुति: प्रोफेसर डॉ. कांतेश बलानी लेखक शिवानी केंद्र, आईआईटी. कानपुर में समन्वयक का दायित्व संभाल रहे हैं।

इंडस्ट्री में सीखो और नौकरी पक्की करो

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत पूरे प्रदेश में करीब पांच लाख युवाओं को 400 से अधिक ट्रेड में ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। मिशन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का लक्ष्य सभी प्रशिक्षण प्रदाताओं को आवंटित कर दिया है। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए जिलों में औद्योगिक क्षेत्र की मांग, उपलब्ध संसाधन, प्रशिक्षण प्रदाताओं की उपलब्धि तथा सेवायोजन क्षमता का आकलन किया गया। प्रशिक्षण को नौकरी देने वाला बनाने के लिए 47 प्रतिशत औद्योगिक इकाइयों को प्रशिक्षण प्रदाता बनाया गया है। बीते साल औद्योगिक इकाइयों को प्रशिक्षण प्रदाता के रूप में मात्र तीन प्रतिशत भागीदारी दी गई थी। इस कदम से औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदाता अपनी औद्योगिक इकाई के अनुरूप प्रशिक्षण देकर बेहतर सेवायोजन उपलब्ध करा सकेंगे। हालांकि अब एक प्रशिक्षण प्रदाता केवल पांच जिलों में ही प्रशिक्षण प्रदान कर सकेगा।

इस साल पूरे प्रदेश में करीब पांच लाख युवाओं के पास 400 से अधिक ट्रेडों में प्रशिक्षण का मौका

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन में 47 फीसदी औद्योगिक इकाइयों को प्रशिक्षण प्रदाता बनाया गया

प्रतिभागियों के कौशल को बाजार की मांग के अनुरूप निखारा जाता

- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन वास्तव में स्किल इंडिया मिशन के समान है। योजना में प्रशिक्षण केंद्रों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करके प्रतिभागियों के कौशल को बाजार की मांग के अनुरूप निखारा जाता है। फैशन डिजाइनिंग, मोटर वाहन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, ब्यूटीशियन, स्वास्थ्य सेवा जैसे तमाम क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। अंग्रेजी भाषा और कंप्यूटर शिक्षा का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल रहता है। यह प्रशिक्षण उन युवाओं के लिए खास उपयोगी है, जो आगे की शिक्षा नहीं ले पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के निवासी युवा जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष के बीच हो, प्रशिक्षण के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाणपत्र, पासपोर्ट तस्वीर, जन्म प्रमाण पत्र की जरूरत पड़ती है। आवेदक को उत्तर प्रदेश सरकार की यूपी स्किल डेवलपमेंट मिशन की आधिकारिक वेबसाइट पर फॉर्म भरने के बाद यूजर नेम और पासवर्ड प्रदान किया जाता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,543.99	24,574.20
गिरावट	166.26	75.35
प्रतिशत में	0.21	0.31

सोना 99,020 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,12,500 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 7 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जुर्गेन दक्षिण एशिया के लिए एयरबस के अध्यक्ष

नई दिल्ली। विमान विनिर्माता कंपनी एयरबस ने जुर्गेन वेस्टरमियर को भारत व दक्षिण एशिया के लिए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। वह रेमी मेलार्ड की जगह लेंगे, जो एयरबस में वाणिज्यिक विमान के लिए कार्यकारी उपाध्यक्ष (इंजीनियरिंग) और प्रौद्योगिकी प्रमुख की भूमिका संभालेंगे। विमान विनिर्माता कंपनी ने कहा कि जुर्गेन की नियुक्ति 1 सितंबर से प्रभावी होगी। जुर्गेन वर्तमान में एयरबस में कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य खरीद अधिकारी हैं। भारत एयरबस के लिए एक प्रमुख बाजार है, जिसकी वाणिज्यिक विमान और रक्षा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

ब्रिटानिया का क्षेत्रीय कंपनियों से मुकाबला

नई दिल्ली। बेकरी उत्पाद बनाने वाली दिग्गज कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने कहा है कि वह कुछ इलाकों में क्षेत्रीय कंपनियों की चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। ये क्षेत्रीय कंपनियां आक्रामक मूल्य निर्धारण और वितरकों के लिए उच्च मार्जिन के साथ बड़े ब्रांडों को कड़ी टक्कर दे रही हैं। ब्रिटानिया ने कहा कि वह छोटे क्षेत्रों में कई लड़ाइयां लड़ने के लिए तैयार है, और इसके लिए उसने एक विशेष कोष भी बनाया है। कंपनी ने हाल में जिंस मुद्रास्फीति के प्रभाव से बचने के लिए कीमतों में वृद्धि की है और अब वह 'अच्छी स्थिति' में है। ब्रिटानिया के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक वरुण बेरी ने वित्तीय नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा कि ब्रिटानिया छोटी कंपनियों के साथ मुकाबला करने के लिए अतिरिक्त खर्च करने को भी तैयार है।

ब्लूस्टोन ज्वेलरी का आईपीओ 11 को

नई दिल्ली। अपने प्रमुख ब्रांड 'ब्लूस्टोन' के तहत समकालीन आभूषण पेश करने वाली कंपनी, ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल ने बुधवार को अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए 492 रुपये से 517 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया है। कंपनी का आईपीओ 11 से 13 अगस्त तक बिक्री के लिए खुला रहेगा। इसमें 820 करोड़ का नया निर्गम और 720.65 करोड़ मूल्य के 1,39,39,063 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। मूल्य दायरे के ऊपरी छोर पर लेनदेन का आकार 1,540.65 करोड़ हो जाता है। शेयर बेचने वालों में कलारी कैपिटल पार्टनर्स II, एलएलसी, सामा कैपिटल II, लिमिटेड, सुनील कांत मुंजाल आदि हैं।

वैश्विक वृद्धि में भारत का योगदान अमेरिका से कहीं अधिक

ट्रंप के बयान पर आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा ने कहा- भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन बहुत अच्छा

तीसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक

मुंबई, एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है और वैश्विक वृद्धि में अमेरिका से कहीं अधिक योगदान दे रही है। भारत की अर्थव्यवस्था 2025 में 6.5% की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि वैश्विक वृद्धि दर 3% रहने का अनुमान है।

मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक के बाद कहा, हम वैश्विक वृद्धि में 18% का योगदान दे रहे हैं, जो 11% योगदान देने वाले अमेरिका से कहीं अधिक है। ट्रंप ने भारत के रूस से सस्ते तेल की खरीद पर पिछले हफ्ते नाखुशी जाहिर करते हुए भारत को 'मृत अर्थव्यवस्था' बताया था। ट्रंप ने कहा था, मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि भारत रूस के साथ क्या करता है। वे अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को साथ लेकर डूब सकते हैं। इस बयान पर मल्होत्रा ने कहा कि ऐसी किसी भी स्थिति में भारत में महंगाई पर असर नहीं पड़ेगा। अगर भारत को अपनी तेल खरीद रूस के बजाय कहीं और से करने के लिए मजबूर किया गया तो भी घरेलू मुद्रास्फीति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यदि जरूरत पड़ी तो सरकार शुल्क में कटौती कर आम लोगों को राहत दे सकती है। वहीं, आरबीआई की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि भू-राजनीतिक परिस्थितियों का प्रत्यक्ष प्रभाव घरेलू मुद्रास्फीति पर नहीं होगा।

मौद्रिक नीति पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए जाते आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता, स्वामीनाथन जानकीरमन, एम. राजेश्वर राव और टी. रबी शंकर।

वृद्धि दर 6.5% रखा और महंगाई अनुमान घटाया

आरबीआई ने 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान बुधवार को 6.5% पर बरकरार रखा। साथ ही केंद्रीय बैंक ने मुद्रास्फीति के अनुमान को 3.7 से घटाकर 3.1% कर दिया है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति के फैसले साझा करते हुए संजय मल्होत्रा ने कहा कि सामान्य से बेहतर दक्षिण-पश्चिम मानसून, कम मुद्रास्फीति, क्षमता इस्तेमाल में बढ़ोतरी और अनुकूल वित्तीय स्थितियां घरेलू आर्थिक गतिविधियों को समर्थन दे रही हैं। मजबूत सरकारी पूंजीगत व्यय सहित सहायक मौद्रिक, नियामकीय एवं राजकोषीय नीतियों से भी मांग में तेजी आने की उम्मीद है। आने वाले महीनों में निर्माण और व्यापार में निरंतर वृद्धि से सेवा क्षेत्र में भी गति बनी रहने के आसार हैं। वृद्धि दर मजबूत है और अनुमानों के अनुसार बनी है। हालांकि, यह हमारी आकांक्षाओं से कम है।

अनिश्चितताओं, मुख्य मुद्रास्फीति में वृद्धि के कारण रेपो दर को रखा यथावत

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं, नीतिगत दरों में एकबारगी बड़ी कटौती और मुख्य मुद्रास्फीति में वृद्धि से केंद्रीय बैंक ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया है। मल्होत्रा ने वृद्धि को समर्थन देने के लिए आरबीआई की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 6.5% की वृद्धि अपेक्षा से धीमी है। मल्होत्रा ने कहा कि छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) सतर्क रहेगी और दरों पर उचित निर्णय लेने के लिए सभी आने वाले आंकड़ों पर नजर रखेगी। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि दरों में कटौती की संभावनाएं कम होती जा रही हैं। ब्याज दरों को यथावत रखने के सर्वसम्मत निर्णय के कारणों को गिनाते हुए मल्होत्रा ने कहा, हमने फरवरी से जून तक चार महीने की छोटी अवधि में रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती की है। इसका लाभ अब भी मिल रहा है। शुल्क वार्ताओं और अस्पष्ट भू-राजनीतिक पहलुओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर वैश्विक अनिश्चितताएं कायम हैं। इसके अलावा बढ़ती मुख्य मुद्रास्फीति ने भी नीतिगत निर्णय को प्रभावित किया। ब्याज दरों में कटौती के बावजूद ऋण वृद्धि में तेजी नहीं आने के बारे में सीधे तौर पर अपने विचार व्यक्त किए बिना गवर्नर ने कहा कि कुछ हद तक लाभ हस्तांतरण अभी होना बाकी है।

मौद्रिक नीति समीक्षा की मुख्य बातें

- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बरकरार।
- 2025-26 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान घटाकर किया 3.1 प्रतिशत।
- चालू खाते का घाटा (सीएडी) टिकाऊ स्तर के भीतर रहने का अनुमान।
- मौद्रिक नीति का पूरा लाभ ग्राहकों को मिलना अभी जारी।
- फरवरी से एक प्रतिशत की कटौती का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव अब भी जारी।
- आरबीआई ऐसे बैंक ग्राहकों के खातों और लॉकर से जुड़े दावों की निपटान प्रक्रिया को मानकीकृत करेगा जिनका निधन हो चुका है।
- आरबीआई 'रिटेल-डायरेक्ट' मंच की कार्यक्षमता का विस्तार करेगा ताकि खुदरा निवेशक व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) के माध्यम से 'ट्रेजरी बिल' यानी सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश कर सकें।
- एमपीसी की अगली बैठक 29 सितंबर से एक अक्टूबर 2025 को होगी।

भारांश औसत कॉल दर को बनाए रखने की सिफारिश

आरबीआई के आंतरिक समूह ने मौद्रिक नीति के परिचालन लक्ष्य के रूप में एक दिन के भारांश औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) को बनाए रखने की अनुशंसा की है। भारांश औसत कॉल दर वह औसत ब्याज दर है जिस पर बैंक अंतर-बैंक बाजार में एक-दूसरे को एक दिन के लिए कर्ज देते हैं। यह रिजर्व बैंक के लिए नकदी प्रबंधन और अर्थव्यवस्था में ब्याज दरों को प्रभावित करने का परिचालन लक्ष्य है। आरबीआई के आंतरिक समूह ने नीतिगत दर पर परिचालन लक्ष्य दर को बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न अवधियों के रेपो एवं रिवर्स रेपो परिचालन के लिए परिवर्तनीय दर नीलामी व्यवस्था को जारी रखने की भी सिफारिश की है। मौजूदा नकदी प्रबंधन ढांचे की समीक्षा के लिए गठित डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता की अध्यक्षता वाले आंतरिक कार्य समूह (आईडब्ल्यूजी) की रिपोर्ट संबंधित पक्षों की टिप्पणियों के लिए आरबीआई की वेबसाइट पर डाली गई है।

पेटीएम हुआ स्वदेशी, चीनी स्वामित्व खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का स्वामित्व अब भारतीयों के हाथ में है। नौ साल पहले पेटीएम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने कंपनी के स्वामित्व ढांचे कहा था, हम मारुति जितने ही भारतीय हैं। अब पेटीएम भावना व शेयरधारिता दोनों ही दृष्टि से पूरी तरह से भारतीय कंपनी बन गई है।

उद्योगपति जैक मा की कंपनी एंट फाइनेंशियल ने डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी समूची 5.84% हिस्सेदारी 3,980 करोड़ में बेच दी है। पेटीएम अब टाटा की तरह ही भारतीय है। यह परिवर्तन एंटफिन (नीदरलैंड) होल्डिंग बी वी के हाल ही में बाहर निकलने के साथ आधिकारिक हो गया, जिसने थोक सौदे से पेटीएम में अपनी शेष 5.84 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,800 करोड़ में बेच दी। साथ ही कंपनी में चीनी स्वामित्व शून्य हो गया है, जो इसकी शेयरधारिता में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

विजय शेखर शर्मा ने 2016 में भारत के प्रति पेटीएम की प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी और कंपनी के भारतीय मूल्यों के तालमेल पर जोर दिया था। शर्मा ने स्थानीय नियमों के प्रति पेटीएम की दृढ़ता, नवाचार के प्रति भारत-प्रथम दृष्टिकोण और भारतीय उपभोक्ताओं व व्यापारियों को सशक्त बनाने पर उसके अटूट ध्यान का उल्लेख किया था।

- एंट फाइनेंशियल ने वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी 5.84% हिस्सेदारी 3,980 करोड़ में बेची

शुल्क का बोझ अमेरिका में निम्न-आय वालों पर अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत पर शुल्क बढ़ाने की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की सदस्य शमिका रवि ने कहा कि किसी भी वृद्धि का बोझ निम्न-आय वाले अमेरिकी परिवारों पर पड़ेगा।

ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में भारत पर शुल्क में 'काफी' वृद्धि करेंगे। रवि ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ट्रंप के शुल्क वास्तव में वैश्विक बाजारों में उपलब्ध सस्ते सामान पर एक कर हैं, जिसका बोझ कम आय वाले अमेरिकी परिवारों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा, ये शुल्क अंत में कम आय वाले अमेरिकी परिवार ही अमेरिकी सरकार को देते हैं। ट्रंप ने एक अगस्त को भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने साथ ही कहा कि रूस से हथियार और कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा, हालांकि इस बारे में आगे कुछ नहीं बताया गया।

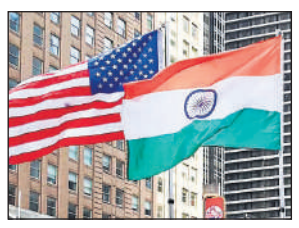

- निर्यातकों के निकाय फियो ने कहा- देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6% हिस्सेदारी

अमेरिकी शुल्क का भारत के जीडीपी और निर्यात पर दिखेगा 'नगण्य' प्रभाव

ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर घोषित शुल्क का देश के सकल घरेलू उत्पाद पर 'नगण्य' प्रभाव दिखाई देगा, क्योंकि इससे अमेरिका को होने वाला सिर्फ 8.1 अरब डॉलर का निर्यात प्रभावित हो सकता है। पीएचडीसीसीआई ने बुधवार को जारी अध्ययन में यह संभावना जताई। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के अध्ययन में अमेरिकी शुल्क के असर को कम करने के लिए कई उपायों की सिफारिश भी की गई है। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष हेमंत जैन ने कहा, अमेरिका द्वारा भारत पर शुल्क के चलते भारत के कुल वैश्विक वस्तु निर्यात पर सिर्फ 1.87 प्रतिशत और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर सिर्फ 0.19% का असर पड़ेगा। शुल्क से इंजीनियरिंग सामान, रत्न एवं आभूषण और तैयार वस्त्र उद्योग प्रभावित होंगे। उद्योग निकाय ने अमेरिकी शुल्क के मद्देनजर बाजार में पैठ बढ़ाने, उत्पाद विकास और बाजार विविधीकरण सहित कई उपायों की सिफारिश की है।

राष्ट्रीय

सरकार का एसआईआर पर चर्चा से इनकार

मानसून सत्र : गतिरोध से नहीं चले संसद के दोनों सदन, वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर बुधवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिससे सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न 2.25 बजे दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में कहा कि एसआईआर का मुद्दा उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है और लोकसभा के नियमों और परंपराओं के तहत इस मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती।

विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच ही सदन ने वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2025 को पारित कर दिया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल मानसून सत्र में पिछले कई दिन से एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा कर रहे हैं, जिससे सदन में गतिरोध बना हुआ है। सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दो बजे शुरू हुई तो संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने कहा कि सरकार सदन में किसी भी विषय पर चर्चा के लिए तैयार रही है लेकिन विपक्ष एसआईआर का मुद्दा उठा रहा है, वह उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है और सदन की कार्य प्रक्रियाओं के नियम और परंपराओं के तहत यहां इस मुद्दे पर चर्चा नहीं हो सकती।

इस दौरान विपक्ष के सदस्य आसन के पास आकर एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे। शोर-शराबे के बीच ही पीठासीन सभापति संध्या राय ने पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल को वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2024 को चर्चा के लिए पेश करने को कहा। विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा के बाद सदन ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही ध्वनिमत से इसे पारित कर दिया। इसके बाद पीठासीन सभापति ने कार्यवाही बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

मानसून सत्र के दौरान सदन को संबोधित करते संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू।

हंगामे से नहीं चल पाए शून्यकाल -प्रश्नकाल

नई दिल्ली। एसआईआर के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे से राज्यसभा की कार्यवाही भी बुधवार को एक बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे से सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं चल सके। आज हालांकि हंगामे के बीच ही 'समुद्र द्वारा माल वहन विधेयक, 2025' को मंजूरी दी गई। लोकसभा में यह विधेयक 28 मार्च को पारित हुआ था। सुबह 11 बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर पूर्व सदस्य सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद उपसभापति हरिवंश ने बताया कि विभिन्न मुद्दों पर नियत कामकाज स्थगित कर चर्चा के लिए उन्हें नियम 267 के तहत 35 नोटिस मिले हैं। ये नियमों के अनुरूप नहीं हैं अतः इन्हें खारिज किया गया है। इस पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। कुछ सदस्यों ने जानना चाहा कि उनके नोटिस क्यों खारिज किए गए। उपसभापति ने विपक्षी सदस्यों से आग्रह किया कि सदन को सुचारु रूप से चलने दिया जाए ताकि सदस्य शून्यकाल के दौरान अपने मुद्दे उठा सकें। उन्होंने कहा कि मैंने स्पष्ट रूप से समझाया है। कई सदस्य मेरे पास आए और कहा कि हमें शून्यकाल में अपने मुद्दे उठाने का अधिकार है। कृपया उन्हें अपने सवाल उठाने की अनुमति दें। हरिवंश ने हंगामा कर रहे सदस्यों से शांत रहने तथा कार्यवाही चलने देने का अनुरोध किया, लेकिन सदन में व्यवस्था बनते न देख उन्होंने 11 बजकर दस मिनट पर बैठक दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी। दोपहर दो बजे जब सदन की कार्यवाही पुनः आरंभ हुई, तो विपक्षी सदस्य एसआईआर मुद्दे पर चर्चा की मांग करने लगे। हंगामे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के लिए मणिपुर की अनुदान मांगें सदन में प्रस्तुत कीं। पीठासीन अध्यक्ष भुवनेश्वर कलिता ने 'समुद्र द्वारा माल वहन विधेयक, 2025' पर चर्चा को आगे बढ़ाने की अनुमति दी।

मानसून सत्र के दौरान सदन का संचालन करते राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह।

'फांसी घर' पर विवाद : आतिशी व आप विधायकों को सदन से निकाला

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विधानसभा परिसर में ब्रिटिशकालीन तथाकथित 'फांसी घर' की प्रमाणिकता को लेकर बुधवार को भाजपा सदस्यों से तीखी बहस के बाद विपक्ष की नेता आतिशी और आप विधायकों को मार्शलों की मदद से सदन से निकाल दिया गया।

विधानसभाध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि 2022 में जिस कक्ष का जीर्णोद्धार किया गया और तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उद्घाटन किया, वह वास्तव में टिफिन रूम था, न कि औपनिवेशिक काल का फांसी स्थल। मंत्री कपिल मिश्रा ने पिछली आप सरकार पर झूठा वृत्तांत पेश करके इतिहास से छेड़छाड़ का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, उन्होंने टिफिन रूम को नकली फांसी स्थल में बदलने में करोड़ों खर्च किए, शहीदों का अपमान किया और लोगों को गुमराह किया। हालांकि, आप विधायक संजीव झा ने इस कमरे के ऐतिहासिक महत्व का बचाव करते हुए तर्क दिया कि ऐसे कई फांसी स्थलों का आधिकारिक तौर पर रिकॉर्ड नहीं रखा गया। उन्होंने कहा, इसके 1912 के नक्शे में, यही एकमात्र दोमंजिला संरचना है जो फांसी कक्ष से मेल खाती है।

झूठे दावे शहीदों का अपमान और जनता से धोखा : रेखा

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्ववर्ती सरकार द्वारा विधानसभा भवन के एक हिस्से को फांसी घर बताने के दावे को खारिज करते हुए विधानसभा में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनता की भावनाओं से खेलते हुए और सहानुभूति बटोरने के लिए बिना किसी प्रमाण, दस्तावेज या ऐतिहासिक आधार के विधानसभा भवन के एक हिस्से को फांसी घर घोषित कर दिया। वह शुरुआत से ही कैलकुलेटिव ढंग से राजनीति करते रहे- हर हावभाव, हर पहनावा, हर नाटक किसी उद्देश्य से किया। ईमानदारी, देशभक्ति और त्याग का दिखावा कर जनता को गुमराह किया गया, जबकि असलियत में यह सब एक स्क्रिप्टेड ड्रामा था।

कॉलेज छात्रा ने खुद को आग लगाकर दी जान

केंद्रपाड़ा (ओडिशा), एजेंसी

- ओडिशा में तीसरी आग लगाकर आत्महत्या करने की घटना
- प्रेमी के ब्लैकमेल करने के बाद उठाया दुस्साहसी कदम

ओडिशा में बुधवार को कॉलेज छात्रा ने अपने प्रेमी द्वारा ब्लैकमेल किए जाने के बाद घर में खुद को आग लगाकर आत्मदाह कर ली। 12 जुलाई के बाद से राज्य में किसी महिला की जलने से मौत की यह तीसरी घटना है। ताजा घटना पट्टामुंडई (ग्रामीण) थाना क्षेत्र के काठियापाड़ा गांव में सुबह हुई।

20 वर्षीय युवती के पिता ने दावा किया कि जब वह घर में अकेली थी, तो उसने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। वह एक युवक के साथ रिश्ते में थी, जो उसे ब्लैकमेल कर रहा था। युवती ने छह महीने पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस ने मेरी बेटी से कहा कि अगर वह व्यक्ति उसे परेशान कर रहा है तो वह उसका मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दे। केंद्रपाड़ा के एसपी सिद्धार्थ कटारिया घटनास्थल पर पहुंचे और कहा, मामले की जांच की जाएगी। यह ऐसी तीसरी घटना है। इससे पहले, बालासोर के कॉलेज छात्रा ने आत्मदाह किया था और पुरी की 15 वर्षीय लड़की की भी दो अगस्त को जलने से मौत हो गई थी।

योजनाओं में सीएम के नाम के प्रयोग संबंधी आदेश रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को बुधवार को रद्द कर दिया, जिसमें तमिलनाडु की द्रमुक सरकार को कल्याणकारी योजनाओं में वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्रियों के नाम एवं तस्वीर का प्रयोग नहीं करने को कहा गया था। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर करने के लिए अन्नाद्रमुक नेता सी. वी. षणमुगम पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

न्यायालय ने कहा कि राज्य की कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री के नाम के प्रयोग के खिलाफ याचिका अनुचित और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। पीठ ने षणमुगम को एक सप्ताह में राज्य सरकार के पक्ष में राशि का भुगतान करने को कहा तथा स्पष्ट किया कि ऐसा न करने पर अवमानना का मुकदमा चलाया जाएगा। पीठ ने आदेश दिया, याचिका पूरी तरह से अनुचित, क़ानूनी तौर पर ग़लत और क़ानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग भी थी। इसलिए हम विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को मंजूरी देते हैं और मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करते हैं। हम उच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिका को भी खारिज करने के पक्ष में हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमने बार-बार कहा है कि राजनीतिक लड़ाइयों का निपटारा मतदाताओं के समक्ष होना चाहिए और इसके लिए अदालतों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

- मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर करने पर अन्नाद्रमुक नेता पर लगा 10 लाख का जुर्माना

न्यायालय ने बिहार की मतदाता सूची मसौदा से हटाए गए 65 लाख मतदाताओं का ब्योरा मांगा

सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से बिहार में मतदाता सूची मसौदा से बाहर किए गए 65 लाख मतदाताओं का विवरण नौ अगस्त तक प्रस्तुत करने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, उज्जल भुइयां और एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने निर्वाचन आयोग के वकील से कहा कि वे हटाए गए मतदाताओं का विवरण प्रस्तुत करें और इसकी एक प्रति गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' को दें। यह विवरण पहले ही राजनीतिक दलों के साथ साझा किया जा चुका है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का निर्देश देने वाले निर्वाचन आयोग के 24 जून के आदेश को चुनौती देने वाले एनजीओ ने आवेदन दायर कर 65 लाख हटाए मतदाताओं के नाम प्रकाशित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

शिक्षा से वंचित अनाथ बच्चों का सर्वेक्षण करें राज्य : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- 2027 की जनगणना में ऐसे बच्चों के आंकड़ों को शामिल करने पर विचार करे केंद्र

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सभी राज्यों को ऐसे अनाथ बच्चों का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया, जो 'बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009' के तहत शिक्षा से वंचित हैं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और केवी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र से 2027 में होने वाली आगामी जनगणना में ऐसे बच्चों के आंकड़ों को शामिल करने पर विचार करने को कहा।

शीर्ष अदालत देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाले अनाथ बच्चों के लिए चिंता जताने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने राज्यों को उन अनाथ बच्चों का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया, जिन्हें 2009 अधिनियम के प्रावधानों के तहत स्कूलों में प्रवेश दिया गया था। याचिकाकर्ता ने कहा कि अनाथ बच्चों के संरक्षण और देखभाल के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाएं अपर्याप्त हैं, जिनपर विचार करने की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने कहा, राज्यों को उन अनाथ बच्चों का सर्वेक्षण करना होगा, जिन्हें अधिनियम के प्रावधानों के तहत पहले ही प्रवेश दिया जा चुका है, साथ ही उन बच्चों का भी सर्वेक्षण करना होगा, जो अधिनियम के तहत मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

पुणे: एमबीबीएस छात्रा ने हॉस्टल में आत्महत्या की

पुणे। पुणे के एक कॉलेज के छात्रावास में मेडिकल की 21 वर्षीय छात्रा ने अपने कमरे में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि छात्रा मंगलवार देर रात फंदे से लटकी मिली। घटनास्थल से एक नोट मिला है जिसमें उसने लिखा है कि उसका मानसिक उपचार चल रहा था और वह आगे पढ़ाई करना चाहती थी। पुलिस ने बताया कि छात्रा राजस्थान की रहने वाली थी और यहां सरकारी बीजे मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। वह छात्रावास के एक कमरे में दो अन्य छात्राओं के साथ रह रही थी। जब वह देर शाम तक कमरे में वापस नहीं लौटी तो उसके साथ रहने वाली लड़कियों ने थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। इसी बीच एक अन्य छात्रा ने उसे दूसरे कमरे में फंदे से लटका देखकर हॉस्टल अधिकारियों को सूचना दी।

अमेरिका को समय पर जवाब देंगे : लुला

ब्राजीलिया। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा ने कहा कि ब्राजील, अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का जवाब समय पर देगा और इस मुद्दे को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाएगा। लुला ने कहा कि सरकार ब्राजील की जनता के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी सरकार आर्थिक और सामाजिक नुकसान को कम करने के लिए तुरंत योजना लागू करेगी। उन्होंने कहा, हम इन उपायों से प्रभावित ब्राज़ील के श्रमिकों और कंपनियों की रक्षा करेंगे और अपने हितों की रक्षा के लिए विश्व व्यापार संगठन सहित सभी दूसरे रास्ते भी अपनाएंगे। उन्होने कहा कि ब्राजील वार्ता अभी चल रही है और अमेरिकी प्राधिकारियों के साथ बातचीत मार्च से ही जारी है।

श्रीलंका: राजपक्षे परिवार का सदस्य गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका में वर्तमान एनपीपी सरकार के भ्रष्टाचार रोधी अभियान के तहत बुधवार को शशीन्द्र राजपक्षे को गिरफ्तार कर लिया गया। मौजूदा सरकार के दौरान राजपक्षे परिवार के किसी सदस्य की यह पहली गिरफ्तारी है। शशीन्द्र पर देश के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में सरकारी स्वामित्व वाली भूमि का दुरुपयोग करने का आरोप है। भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने राजपक्षे बंधुओं में सबसे बड़े चमल राजपक्षे के पुत्र शशीन्द्र को गिरफ्तार करके कोलंबो मुख्य मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया। उन्हें 19 अगस्त तक हिरासत में भेज दिया गया है।

कैलिफोर्निया के जंगल में लगी भीषण आग

लॉस एंजिलिस। मध्य कैलिफ़ोर्निया में तेज़ी से फैल रही एक जंगल की आग से सैकड़ों इमारतों के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आग ने पांच दिनों से भी कम समय में 82,000 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र को चपेट में ले लिया है। अमेरिकी वन सेवा और कैलिफ़ोर्निया वानिकी एवं अग्नि सुरक्षा विभाग के अनुसार, गिफ़र्ड फ़ायर नामक यह जंगल की आग शुक्रवार अपराह्न भड़की थी। मौजूदा समय में आग सैन लुइस ओबिस्पो और सांता बारबरा दोनों काउंटियों में सांता लूसिया रोड धधक रही है।

अमेरिका में रूस से आयात के सवाल पर अनजान बने ट्रंप, बोले- जांच कराऊंगा

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- रूस के साथ बैठक के बाद टैरिफ पर लेंगे अंतिम निर्णय

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें रूस से यूरेनियम, उर्वरक और रसायनों के अमेरिकी आयात के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ट्रंप ने इन सामान को अमेरिका में आयात किए जाने संबंधी भारत के बयान पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता है। मुझे इसकी जांच करनी होगी, लेकिन हम इस पर जवाब देंगे।

भारत पर 25 प्रतिशत और टैरिफ लगाने की घोषणा से ऐन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह जल्द ही उन देशों पर टैरिफ लगाने का फैसला करेंगे जो रूसी ऊर्जा खरीद रहे हैं। ट्रंप ने भारत पर यह आरोप भी लगाया कि वह बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है और उसे मुनाफे में बेच रहा है। भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली को अनुचित और अविवेकपूर्ण तरीके से निशाना बनाने पर सोमवार को अमेरिका और यूरोपीय संघ पर जोरदार पलटवार किया था। ट्रंप ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले चीन समेत सभी देशों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी देने के बारे में पूछे जाने पर कहा, मैंने कोई प्रतिशत नहीं बताया लेकिन हम ऐसा ही कुछ करने जा रहे हैं। देखते हैं आगे क्या होता है। उन्होंने यह भी कहा कि बुधवार को रूस के साथ एक बैठक होने वाली है। उन्होंने कहा, हम देखेंगे क्या होता है और उसी समय निर्णय लेंगे। इससे पहले, मंगलवार को सीएनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है, वह अगले 24 घंटों में उस पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे क्योंकि वह रूसी तेल खरीद रहा है और जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहा है।

व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम में ट्रंप को ओलंपिक 1984 के पदकों सेट प्रदान किया गया।

विदेश मंत्रालय ने दिया था ट्रंप को जवाब

ट्रंप की टिप्पणी के जवाब में भारत ने सोमवार को अमेरिका और यूरोपीय संघ के रूस के साथ जारी व्यापारिक संबंधों की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा था कि अमेरिका तथा यूरोपीय संघ दोनों ही रूस के साथ व्यापारिक संबंध जारी रखे हुए हैं। जहां तक अमेरिका का सवाल है, वह अपने परमाणु उद्योग के लिए रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, अपने ईवी उद्योग के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायनों का आयात जारी रखे हुए है।

शांति वार्ता की समय सीमा से पहले ट्रंप के दूत पुतिन से मिले

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यहां मुलाकात की है। यह बैठक व्हाइट हाउस की ओर से रूस को यूक्रेन के साथ शांति समझौता करने के लिए दी गई समय सीमा से कुछ दिन पहले हुई। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि शांति समझौता नहीं करने पर रूस को गंभीर आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है, जिससे रूस से तेल खरीदने वाले देश भी प्रभावित हो सकते हैं। रूस के लिए ट्रंप की समय सीमा शुक्रवार को समाप्त होगी। ट्रंप ने यूक्रेन के नागरिक क्षेत्रों पर रूस के बढ़ते हमलों पर पुतिन के प्रति निराशा व्यक्त की है।

कई नई संभावनाएं जगा सकती है...

मोदी की चीन यात्रा

ऐसे समय में जबकि रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत और अमेरिकी के संबंधों में लगातार तनाव बढ़ रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित चीन यात्रा के महत्व को समझने के लिए कई दृष्टिकोण हो सकते हैं। जो वैश्विक हालात हैं उनमें मोदी की चीन यात्रा को द्विपक्षीय मुलाकात के बजाय वैश्विक शक्ति-संतुलन के संदर्भ में देखना ज्यादा महत्वपूर्ण है। यह यात्रा भारत-चीन के सीमा विवाद के समाधान की दिशा में बातचीत का मार्ग प्रशस्त कर सकती है, लेकिन चीन-पाकिस्तान निकटता और इंडो-पैसिफिक रणनीति में प्रतिस्पर्धा के कारण संबंधों में पूर्ण सुधार की संभावना को भी सीमित करती है। फिर भी यह यात्रा भारत को अमेरिका और चीन दोनों के साथ अपने हित सुरक्षित रखने का अवसर दे सकती है, साथ ही ब्रिक्स जैसे मंचों पर भारत की भूमिका को मजबूत करने में मदद कर सकती है।

तनाव की पृष्ठभूमि में यात्रा

- वर्ष 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच सीमा पर अविश्वास और सैन्य तनाव बना हुआ है। अब भी एलएसी पर कई स्थानों पर सैनिकों की तैनाती उच्चस्तर पर है।
- चीन का बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव दक्षिण एशिया में प्रभाव बढ़ा रहा है, भारत इसे संप्रभुता के लिए खतरा मानता है, खासकर सीपीईसी के कारण जो पीओके से गुजरता है।
- सीमा विवाद के बाद भारत ने चीन के दो सौ से ज्यादा एप्स पर प्रतिबंध लगा दिए थे, साथ ही निवेश नियम सख्त कर दिए थे। इसका असर व्यापारिक संबंधों पर भी पड़ा है।

ये हैं संभावनाएं

- यह यात्रा संकेत हो सकती है कि भारत और चीन दोनों अपने आर्थिक और सुरक्षा हितों को देखते हुए संवाद के रास्ते खोलने के इच्छुक हैं।
- अमेरिका से निकटता और रूस के साथ ऊर्जा-रक्षा सहयोग से भारत पर त्रिकोणीय दबाव है। चीन से संवाद इसे संतुलित कर सकता है।
- सीमा विवाद के बावजूद चीन के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 135 अरब डॉलर के पार रहा। यात्रा नए रास्ते खोल सकती है।

वैश्विक राजनीति पर असर

- ब्रिक्स में 2023 के बाद नए देशों के शामिल होने से यह मंच अमेरिका-यूरोप के प्रभुत्व को चुनौती देने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत की चीन यात्रा इस संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक कदम हो सकती है।
- यह यात्रा वैश्विक स्तर पर संकेत दे सकती है कि भारत पश्चिमी दबाव में झुकने के बजाय बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को प्राथमिकता दे रहा है, जिसमें अमेरिका, रूस, चीन के बीच संतुलन बनाने की रणनीति शामिल है।

रूस-चीन-भारत का संभावित त्रिकोण

यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिम से अलग-थलग रूस चीन पर निर्भरता बढ़ा रहा है। भारत रूस से ऊर्जा और हथियार खरीद रहा है, जिससे साझा हित बनते हैं। चीन की पाकिस्तान से रणनीतिक साझेदारी, भारत की क्वाड सदस्यता और चीन का इंडो-पैसिफिक में विस्तार से इसमें अड़चन बन सकता है।

इजराइल गाजा में हमले और तेज करने की तैयारी में, संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी

सहायक महासचिव ने कहा- लाखों फलस्तीनी होंगे प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र ने इजराइली सैन्य अभियानों के संभावित विस्तार के खिलाफ चेतावनी दी है। यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका के लिए संयुक्त राष्ट्र के सहायक महासचिव मिरोस्लाव जेंका ने मंगलवार को कहा कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पूरे गाजा पट्टी में सैन्य अभियानों का विस्तार करने से संबंधित नवीनतम रिपोर्टें यदि सच हैं तो बेहद चिंताजनक हैं। इससे लाखों फलस्तीनियों के लिए विनाशकारी परिणाम सामने आएंगे और गाजा में इजराइली बंधकों के जीवन को भी खतरा हो सकता है।

उन्होंने कहा, इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय कानून स्पष्ट है। गाजा फलस्तीनी राज्य का एक अभिन्न अंग है और उसे बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसा कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने जुलाई 2024 में कहा था कि इजराइल का दायित्व है कि वह सभी नई बस्तियां बसाने की गतिविधियों को तुरंत बंद करे और कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्र से सभी बसने वालों को निकाले और

वहां अपनी अवैध उपस्थिति को जल्द समाप्त करे।

उन्होंने कहा, गाज़ा में स्थिति भयावह है। यह असहनीय है। उन्होंने बताया कि फलस्तीनियों को रोज़ाना घिनौनी और अमानवीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अक्टूबर 2023 में संघर्ष शुरू होने के बाद से 60,000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। जेंका ने कहा कि इस साल मई के अंत से खाद्य आपूर्ति तक पहुंचने की कोशिश करते हुए 1,200 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं और 8,100 से ज्यादा घायल हुए हैं। मृतकों और घायलों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इजराइल गाज़ा में मानवीय सहायता को लगातार गंभीर रूप से प्रतिबंधित कर रहा है और जो सहायता पहुंचाने की अनुमति है वह बेहद अपर्याप्त है। गाजा में हर जगह भुखमरी है।

गाजा में इजराइली हमलों में 83 और फलस्तीनी मारे गए

गाजा। गाजा में मंगलवार को इजराइली हमले में कम से कम 83 फलस्तीनी मारे गए। गाजा नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ से कहा कि मृतकों में उत्तरी, मध्य और दक्षिणी गाजा में सहायता के लिए प्रतीक्षा कर रहे 58 लोग शामिल हैं। हमलों में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें गाजा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इन घटनाओं पर इजराइली सेना ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को बताया 18 मार्च को इजराइल के गाजा में तीव्र हमलों को फिर शुरू करने के बाद से कम से कम 9,519 फलस्तीनी मारे गए हैं और 38,630 घायल हुए हैं। अक्टूबर 2023 से गाजा में मरने वालों फलस्तीनियों की संख्या 61,020 हो गई है, 150,671 घायल हुए हैं।

जगमग कर्तव्य पथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में नवनिर्मित कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उनकी उपस्थिति में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान कर्तव्य पथ को प्रकाशित किया गया। एजेंसी

किन्नर कैलाश यात्रा मार्ग पर फंसे 413 श्रद्धालु निकाले

किन्नौर। हिमाचल प्रदेश के तांगलिंग क्षेत्र में किन्नर कैलाश यात्रा मार्ग पर बादल फटने के कारण ट्रैक का बड़ा हिस्सा बह जाने से सैकड़ों यात्री फंस गए थे लेकिन आईटीबीपी ने समय रहते बचाव अभियान चलाकर 413 श्रद्धालुओं को सुरक्षित बचा लिया। बल के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि आईटीबीपी की 17वीं वाहिनी की टीम ने सूचना मिलते ही रस्सी आधारित ट्रैवर्स क्रॉसिंग तकनीक का प्रयोग करते हुए 413 श्रद्धालुओं को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है।

व्हाट्सएप: नया फीचर अनजान ग्रुप में जोड़ने पर करेगा अलर्ट

नई दिल्ली। व्हाट्सएप ने एक नया सेफ्टी ओवरव्यू फीचर पेश किया है, जो यूजर्स को उन ग्रुप के बारे में सतर्क करेगा जिनमें उन्हें किसी अनजान व्यक्ति ने जोड़ा है।

व्हाट्सएप ने कहा कि इस टूल के जरिये यूजर्स को संबंधित ग्रुप के बारे में अहम जानकारी और सुरक्षित बने रहने के सुझाव भी मिलेंगे। यदि यूजर्स चाहें तो वे अलर्ट मिलने के बाद ग्रुप को देखे बिना उससे अलग हो सकते हैं। इसके अलावा यूजर उस ग्रुप में बने रहने की जब तक खुद पुष्टि नहीं करेगा, उस ग्रुप को भी 'म्यूट' रखा जाएगा। व्हाट्सएप उन मामलों में भी चेतावनी देने के उपाय खोज रहा है जब कोई यूजर अपनी संपर्क सूची से बाहर के किसी व्यक्ति के साथ बातचीत शुरू करता है।

अमेरिका: उत्तरी एरिजोना के नवाजो नेशन में हुई विमान दुर्घटना में चार लोगों की मौत

चिनले। अमेरिका के उत्तरी एरिजोना के नवाजो नेशन में मंगलवार को एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने और फिर उसमें आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई।

अधिकारियों के अनुसार यह चिकित्सीय परिवहन विमान था जिसमें बीमार और घायलों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता था। यह विमान चिनले के हवाई अड्डे के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में सवार चिकित्साकर्मी एक मरीज को लेने अस्पताल जा रहे थे। संघीय विमानन प्रशासन के अधिकारियों ने एक ईमेल में बताया कि विमान दोपहर में हवाई अड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

घाना: हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रक्षा और पर्यावरण मंत्री समेत आठ की मौत

अक्रा। घाना सरकार का कहना है कि एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में देश के रक्षा और पर्यावरण मंत्रियों सहित आठ लोगों की मौत हो गई। सेना ने कहा कि हेलीकॉप्टर ने बुधवार सुबह राजधानी अक्रा से ओबुआसी क्षेत्र के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन इसका रडार से संपर्क टूट गया।

ईरान में इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप में परमाणु वैज्ञानिक वादी को फांसी की सजा

तेहरान। ईरान की न्याय पालिका ने बुधवार को देश के परमाणु ऊर्जा संगठन के अंतर्गत परमाणु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के सदस्य और परमाणु वैज्ञानिक रूजबेह वादी को इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में फांसी की सजा सुनाई।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि वादी ने रिएक्टर इंजीनियरिंग में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी और वरिष्ठ ईरानी परमाणु विशेषज्ञों अब्दोलहामिद मिनौचेहर और अहमद जोल्फागरी के साथ 2011 में एक शोध पत्र के सहलेखक थे। मिनौचेहर एवं जोल्फागरी की ईरान-इजराइल युद्ध के दौरान मृत्यु हो गई थी। न्याय पालिका ने आरोप लगाया था कि वादी इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद को संवेदनशील डेटा सौंप रहे थे।

ईरानी अधिकारियों का दावा है कि वादी को ऑनलाइन भर्ती किया गया था एवं एलेक्स नाम के एक मोसाद अधिकारी ने उसकी जांच की थी और बाद में उसे केविन नाम के एक हैंडलर को सौंप दिया गया था। न्याय पालिका के अनुसार वादी की जांच के बाद मोसाद ने कथित तौर पर उसे एक स्रोत बना लिया था। फिर उसे मोसाद के शीर्ष प्रभागों में से एक से मिलवाया गया।

महिला ने 22 महीने में तीन सौ लीटर ब्रेस्ट मिल्क दान किया

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के कट्टूर में 33 वर्षीय गृहिणी सेल्वा बृंदा ने 22 महीने में 300 लीटर से अधिक ब्रेस्ट मिल्क (मां का दूध) दान कर समयपूर्व जन्मे और गंभीर बीमार हजारों शिशुओं की जान बचाने में मदद की।

दो बच्चों की मां सेल्वा ने महात्मा गांधी मेमोरियल सरकारी अस्पताल मिल्क बैंक को अप्रैल 2023 से फरवरी 2025 के बीच 300.17 लीटर ब्रेस्ट मिल्क दान किया। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस मिल्क बैंक को दान किए गए कुल ब्रेस्ट मिल्क में लगभग 50 फीसदी योगदान बृंदा का था।

चीन को छोड़कर अमेरिका के करीब नहीं जाएगा पाकिस्तान

बीजिंग, एजेंसी

- **विशेषज्ञों ने जताई राय, कहा- जनरल मुनीर की अमेरिका यात्रा से पश्चिम एशिया पर पड़ेगा प्रभाव**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन के सदाबहार सहयोगी पाकिस्तान के साथ अपने देश के संबंधों को मजबूत करने पर चीनी रणनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान, चीन के वैश्विक प्रभाव को नियंत्रित करने की ट्रंप की रणनीति की सीमाओं को समझता है।

पिछले महीने, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने फील्ड मार्शल का पदभार ग्रहण करने के बाद चीन की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा की थी। साथ ही ट्रंप के साथ भी एक निजी भोज में भाग लिया था। उस बैठक का समापन ट्रंप द्वारा तेल सौदे सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका-पाकिस्तान सहयोग बढ़ाने की घोषणा के साथ हुआ।

'इकोनॉमिस्ट' के एक हालिया लेख के अनुसार, जनरल मुनीर की यात्रा अमेरिकी विदेश नीति में बदलाव का प्रतीक है जिसके न केवल भारत, बल्कि चीन और पश्चिम एशिया पर भी प्रभाव पड़ेंगे। बीजिंग प्रवास के दौरान जनरल मुनीर ने उपराष्ट्रपति हान झेंग, विदेश मंत्री वांग यी और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात की। हालांकि, राष्ट्रपति शी चिनफिंग से उनकी मुलाकात नहीं हुई। यह उनके पूर्ववर्ती जनरल कमर जावेद बाजवा से बिल्कुल अलग है, जिन्होंने 2018 में अपनी चीन यात्रा के दौरान शी चिनफिंग से मुलाकात की थी। मुनीर की बैठकों के आधिकारिक बयानों में कूटनीतिक शिष्टाचार पर जोर दिया गया और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों की पुष्टि की गई। हालांकि, ट्रंप-मुनीर के संबंधों के बारे में चीन की धारणा अब भी अस्पष्ट है, खासकर जब ट्रंप चीन के एक वैश्विक शक्ति के रूप में उदय को रोकने के लिए अपनी स्पष्ट रणनीति पर अड़े हैं। पाकिस्तान के साथ सदाबहार संबंधों को बढ़ावा देने में दशकों से किए गए निवेश को देखते हुए चीन की अपनी चिंताएं हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 अगस्त, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 2:28 तक उपरान्त चतुर्दशी।

आज का पंचांग

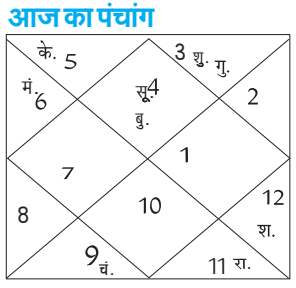

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- वर्षा।

ताराबल अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद

चन्द्रबलमिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन

मेष लंबे समय से चले आ रहे भूमि या संपत्ति से जुड़े विवाद सुलझने के संकेत हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। यशस्वी काम करने का मौका मिल सकता है। आज सुख-सुविधाओं के साधन बढ़ेंगे। परिवार में आनंद का माहौल रहेगा।

वृष आज का दिन शुभ है। दुश्मनों पर बढ़त बनाने में सफल रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आज काम की प्रशंसा मिलेगी साथ ही सहयोगियों का सहयोग मिलेगा। आज अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं। धन लाभ, सम्मान, उपहार और पुरस्कार मिलने की संभावना है।

मिथुन आज इच्छित कार्यों में सफलता मिलने की संभावना है। लाभकारी योग बन रहा है और नए काम से फायदा होगा। गुप्त विरोधियों की चाल विफल रहेगी। माता-पिता का आशीर्वाद लें। आज प्रभावशाली लोगों से सहयोग प्राप्त होगा। मन में शांति रहेगी।

कर्क लंबे समय से रुके काम बन जाएंगे। काम सफल होने में पुराने शुभचिंतक मददगार बनेंगे। आज उद्योग-व्यापार में सफलता के योग हैं। आज घर के लिए खरीददारी कर सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाएं मिलेंगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

सिंह आज सामाजिक संबंधों का लाभ मिल सकता है। आदर-सम्मान और कर्मबल में वृद्धि के योग हैं। परिस्थितियों में सुधार होगा और रुके काम पूरे होते चले जाएंगे। व्यवसाय में आशा से अधिक लाभ मिल सकता है।

कन्या जीवन में नई आशाओं का संचार होगा। धैर्य और साहस से सभी काम पूरे हो जाएंगे। आज धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। नौकरी में उत्साह बना रहेगा और प्रशंसा मिलने की उम्मीद है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला लंबे समय से चली आ रही परेशानियों का अंत होगा। मेहनत से इच्छित लाभ मिलेगा। आर्थिक संतुलन बनाए रखने में सफल रहेंगे। अलबत्ता पारिवारिक जिम्मेदारियों पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति होगी।

वृश्चिक जीवन में राजनीतिक संपर्क से प्रभाव बढ़ेगा। मनचाही इच्छाओं की पूर्ति का योग है। व्यापार में अच्छे परिवर्तन और आर्थिक लाभ की संभावना है। सम्मान की रक्षा होगी। मित्रों और परिवार का सहयोग मिलेगा। भूमि या संपत्ति से जुड़े काम सफल होंगे।

धनु आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रुके हुए कामों में प्रगति होने की संभावना है। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में कुछ नया करने का अवसर मिलेगा। किसी बड़ी योजना को साकार करने में भरपूर सहयोग मिलेगा। जीवन में खुशी रहेगी।

मकर आज रोजगार से जुड़ी चिंताएं खत्म होने की संभावना है। आप साहस से सफलता प्राप्त करेंगे। पारिवारिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। विरोधियों पर विजय प्राप्त करेंगे। सामाजिक और राजनीतिक संबंध लाभ देंगे। कहीं फंसा हुआ धन प्राप्त होगा।

कुंभ लाभकारी प्रयास सफल होंगे। मित्रों और करीबी लोगों का सहयोग मिलेगा। आत्मसम्मान और स्वावलंबन बढ़ेगा। आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं। आज नए लोगो से मुलाकात होगी। घर-गृहस्थी में सुख-शांति रहेगी। मनोकामनाएं पूरी होने के योग हैं।

मीन जीवन में लंबे समय से चली आ रही चिंता खत्म होगी। परिश्रम का उचित फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में प्रशंसा प्राप्त करेंगे। धैर्य, गंभीरता और सहनशीलता के बल पर परिवार में महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे। इससे घर में शांति का माहौल बनेगा।

सुडोकू-62

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9			4					5
			9		3		1	
	8					6		9
		6			7			1
		3				7		
5			1				6	
6		1			8		3	
	2		3		9			6
4					5			7

सुडोकू-61 का हल

1	2	8	9	5	4	3	6	7
6	5	3	2	1	7	9	8	4
4	7	9	3	6	8	2	5	1
9	4	2	5	7	3	8	1	6
8	6	5	1	4	2	7	9	3
3	1	7	8	9	6	5	4	2
2	9	1	6	3	5	4	7	8
5	3	4	7	8	1	6	2	9
7	8	6	4	2	9	1	3	5

सिराज का प्रदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला में शानदार रहा है। उसकी ऊर्जा, आक्रामकता और निरंतरता शानदार रही है। वह भारत के लिए मैच विनर है और बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है।
- मोईन अली

स्टेडियम

कानपुर, गुरुवार, 7 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मॉन्ट्रियल (कनाडा) : लीग कप फुटबॉल के पहले हाफ के दौरान सीएफ मॉन्ट्रियल डांटे सीली क्लब पुएब्ला फर्नांडो मोनारेज के साथ उलझने के कारण गिर गए। एजेंसी

रूट को मैन ऑफ द सीरीज होना चाहिए था

लंदन : इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रुक ने भारतीय कोच गौतम गंभीर के उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनने के फैसले पर असहमति जताते हुए कहा कि यह सम्मान पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले जो रूट को मिलना चाहिए था। श्रृंखला 2-2 से बराबर रहने के बाद प्रत्येक टीम के कोच ने प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार के लिए विपक्षी टीम से एक खिलाड़ी का चयन किया। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भारत की तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी के रूप में कप्तान शुभमन गिल को जबकि गंभीर ने इंग्लैंड के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी के रूप में ब्रूक को चुना।

अनुराग ठाकुर फिर अयोग्य घोषित

नई दिल्ली : पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को एक बार फिर भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया और 21 अगस्त को होने वाले चुनावों के लिए बुधवार को जारी निर्वाचक मंडल से उनका नाम हटा दिया गया। हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ (एचपीबीए) ने ठाकुर और इसके अध्यक्ष राजेश भंडारी को आम सालाना बैठक (एजीएम) के लिए अपने दो प्रतिनिधियों के रूप में नामित किया था। बैठक का मुख्य एजेंडा 2025-2029 के कार्यकाल के लिए नए पदाधिकारियों का चुनाव कराना है। हालांकि बीएफआई की अंतरिम समिति ने जांच के बाद 66 सदस्यीय निर्वाचक मंडल जारी किया जिसमें ठाकुर का नाम शामिल नहीं था।

गंभीर के आलोचकों से सिद्धू नाराज

नई दिल्ली : भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने बुधवार को मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर की इंग्लैंड दौरे के दौरान उनके दृढ़ विश्वास की सराहना की और साथ ही उनके आलोचकों से पूछा कि क्या ब्रिटेन में 2-2 से ड्रॉ के लिए वे अब खड़े होकर उनका अभिवादन करेंगे। भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के टेस्ट प्रारूप से संन्यास लेने के कुछ समय बाद ही इस दौरे के लिए रवाना हुई थी। टीम ने सीरीज में बेहतरीन क्रिकेट खेला और इंग्लैंड को उसकी ही सरजमीं पर ड्रॉ पर रोक दिया।

नाओमी ओसाका सेमीफाइनल में

मॉन्ट्रियल : चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने 10वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-2 से हराकर पहली बार नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अंतिम चार में ओसाका का सामना 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन से होगा, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ को 6-1, 6-4 से हराया। इस तरह से ओसाका ने 2022 में मियामी में फाइनल में पहुंचने के बाद से किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा।

पंजाब और झारखंड फाइनल में

चेन्नई : पंजाब और झारखंड ने बुधवार को अपने मुकाबले जीत कर 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। दिन के पहले सेमीफाइनल में पंजाब ने उत्तर प्रदेश को 4-3 से हराया जिसमें सुखदेव सिंह ने दो गोल दागे जबकि मंदीप सिंह और वरिंदर सिंह ने एक एक गोल किया। उत्तर प्रदेश के लिए हर्ष प्रताप सिंह, अली शाहरुख और कप्तान केतन कुशवाहा ने गोल किए दूसरे सेमीफाइनल में झारखंड ने मध्य प्रदेश को 3-1 से हराया। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश बृहस्पतिवार को तीसरे स्थान के लिए आमने-सामने होंगी।

बुमराह की तरह सिराज के वर्कलोड पर ध्यान देना होगा

आरपी सिंह ने कहा कि यह गेंदबाज लगातार खेलेगा तो चोटिल होने का जोखिम रहेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला में थकान को धता बताते हुए अपनी गेंदबाजी से प्रभावित करने वाले मोहम्मद सिराज के वर्कलोड (थकान और चोट से बचने के लिए खेल से विश्राम) पर ध्यान देने की वकालत करते हुए भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह ने कहा कि यह तेज गेंदबाज अगर लगातार खेलेगा तो चोटिल होने का जोखिम बना रहेगा। सिराज ने श्रृंखला में इंग्लैंड में 185.3 ओवर डालकर 23 विकेट चटकाये। वह इस श्रृंखला में सबसे अधिक गेंदबाजी करने के साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

आरपी सिंह ने भाषा को दिये साक्षात्कार में कहा सिराज को भविष्य में चोटिल होने से बचाने के लिए वर्कलोड मैनेजमेंट जरूरी होगा। तेज गेंदबाज अगर कम समय में ज्यादा मैच खेलते हैं तो चोटिल होने का खतरा रहता है। सिराज के कार्यभार को भी उसी तरह से प्रबंधित करना होगा जैसे हमने बुमराह के साथ किया है। उन्होंने कहा बेहतर कार्यभार प्रबंधन के कारण बुमराह ने

जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

विश्व कप (वनडे और टी20) में शानदार गेंदबाजी की थी। सिराज भी उसी श्रेणी का गेंदबाज है। चोटिल होने से बचाने के लिए उसके वर्कलोड पर भी आज नहीं तो कल गंभीरता से ध्यान देना होगा। भारत के लिए 14 टेस्ट सहित कुल 82 मैच खेलने वाले आरपी सिंह ने इंग्लैंड दौरे पर दिलेरी और जिम्मेदारी से गेंदबाजी करने के लिए सिराज की तारीफ की। क्रिकेट विशेषज्ञ के तौर पर आरपी सिंह ने कहा सिराज इकलौता गेंदबाज है जिसने पांचों टेस्ट मैच खेले और इन सभी मैचों में पूरे जज्बे और दमखम के साथ गेंदबाजी की। उसने श्रृंखला जिस आखिरी गेंद पर बल्लेबाज को बोल्ड किया वह उनकी इस श्रृंखला की चौथी या पांचवीं सबसे तेज गेंद थी। सिराज ने यॉर्कर गेंद पर इंग्लैंड के गस एटकिंसन को बोल्ड कर भारत को पांचवें टेस्ट में जीत दिलाई थी।

185.3
ओवर सीरीज में डाले मोहम्मद सिराज ने

करियर के सर्वश्रेष्ठ 15वें स्थान पर पहुंचे सिराज

- **दुबई :** भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में 15वें स्थान पर पहुंच गए जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेने के बाद 12 स्थान की छलांग लगाई। उन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट लिए जिससे भारत ने मेजबान टीम को रोमांचक मुकाबले में छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर की। सिराज की अब तक की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी रैंकिंग 16 थी जो उन्होंने पिछले साल जनवरी में हासिल की थी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 889 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। प्रसिद्ध कृष्णा भी करियर की सर्वश्रेष्ठ 59वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं।

हैदराबाद पहुंचने पर जोरदार स्वागत

- टेस्ट सीरीज में अहम भूमिका निभाने के बाद सिराज बुधवार को अपने गृह नगर हैदराबाद पहुंचे, जहां पर जोरदार स्वागत किया गया। सिराज ने पांच मैचों की सीरीज में सर्वाधिक 23 विकेट लिए। उन्होंने ओवल में खेले गए अंतिम टेस्ट मैच में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें इस मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। हैदराबाद का रहने वाला यह खिलाड़ी काले रंग की कैजुअल पोशाक में इससे पहले फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ सुबह मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज हवाई अड्डे पर पहुंचा, जहां प्रशंसकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

बुमराह के बिना भारत की जीत महज संयोग : सचिन तेंदुलकर

मुंबई, एजेंसी

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारत का इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट जीतना महज संयोग था और यह करिश्माई तेज गेंदबाज अब भी असाधारण और अविश्वसनीय है। बुमराह हाल में इंग्लैंड में खत्म हुई पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में से तीन मैच में ही खेले थे। सीरीज में कम अनुभव वाली भारतीय टीम इसके बावजूद इंग्लैंड से 2-2 से ड्रॉ खेलने में कामयाब रही। भारतीय टीम ने जो दो मैच जीते उनमें कार्यभार प्रबंधन योजना के कारण बुमराह का नहीं खेलना पहले से ही तय था। तेंदुलकर ने कहा कि बुमराह की अनुपस्थिति में बर्मिंघम और द ओवल में भारत की जीत महज संयोग थी। उन्होंने बुमराह के तीन टेस्ट मैच में प्रदर्शन के बारे में बात की। इस तेज गेंदबाज ने श्रृंखला में कुल 14 विकेट लिए। तेंदुलकर ने 'रेडिट' पर श्रृंखला के अपने वीडियो विश्लेषण में कहा बुमराह ने सही में अच्छी शुरुआत की, पहले टेस्ट (पहली पारी में) में पांच विकेट लिए। वह दूसरा टेस्ट नहीं खेले लेकिन तीसरे और चौथे टेस्ट में खेले। फिर इन दो टेस्ट में से एक में उन्होंने पांच विकेट झटके। उन्होंने कहा बुमराह ने जो तीन टेस्ट खेले, उनमें से दो में उन्होंने पांच विकेट लिए। मुझे पता है कि लोग कई बातों पर चर्चा कर रहे हैं कि हम उन टेस्ट मैच में जीते जिनमें वह नहीं खेले। मुझे लगता है कि यह महज एक संयोग है। तेंदुलकर ने कहा बुमराह की गेंदबाजी असाधारण है। वह अब तक जो कर पाए हैं, वह अविश्वसनीय है। इसमें कोई शक नहीं है कि वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और मैं उन्हें किसी भी अन्य गेंदबाज से बेहतर मानता हूं। बुमराह की अनुपस्थिति में मोहम्मद सिराज ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और सभी पांच मैच में खेले जिसमें उन्होंने 185.3 ओवर गेंदबाजी करते हुए 23 विकेट झटके। बुमराह आंकड़ों के हिसाब से सिराज से कहीं आगे हैं। उन्होंने 48 टेस्ट मैच में 219 विकेट लिए हैं जबकि सिराज के 41 मैच में 123 विकेट हैं।

खुद को प्रस्तुत करना आना चाहिए: सानिया

मुंबई : भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने बुधवार को कहा कि देश में अब क्रिकेट के अलावा और भी महिला खेल सुपरस्टार हैं, लेकिन यह जिम्मेदारी भी इन महिलाओं की है कि वे खुद को कैसे पेश करना चाहती हैं।

सानिया ने कहा कि करीब 32 साल पहले जब उन्होंने गाय के गोबर से बने टेनिस कोर्ट पर खेलना शुरू किया था और एहतियात के तौर पर टिटनेस के इंजेक्शन लेती थीं। तब से देश में कई महिला सुपरस्टार निकली हैं।

उन्होंने यहां द स्पोर्ट्स वुमैन नाम की पैनल चर्चा में कहा तब भारत से एकमात्र महिला सुपरस्टार पीटी उषा थीं और उनके बारे में हमने बस सुना था, उन्हें कभी नहीं देखा क्योंकि उस समय कोई सोशल मीडिया, कोई मीडिया या कोई कवरेज नहीं था।

उन्होंने कहा आज जब हम ओलंपिक में या बाहर जाते हैं तो शायद तीन या चार पुरुष क्रिकेटरों के अलावा इस देश की खेलों में सबसे बड़ी सुपरस्टार महिला एथलीट हैं और इससे पिछले 50 साल में बहुत कुछ पता चलता है।

पूर्व टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा, शटलर पीवी सिंधु के साथ मुंबई में आयोजित द स्पोर्ट्स विमेन इवेंट में भाग लेती हुईं। एजेंसी

सानिया ने कहा कि देश की महिला खिलाड़ियों को दूसरी की अपेक्षाओं के बजाय खुद के लिए खेलने और अपनी प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करने पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा, क्या हम पुरुषों की दुनिया में रह रहे हैं? इसका जवाब हां है। खेल के मामले में क्या हम पुरुषों की दुनिया में रह रहे हैं? इसका जवाब हां है। महिला प्रतिनिधित्व के तौर पर यह जिम्मेदारी हम पर भी है कि हम खुद को कैसे पेश करती हैं। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने कहा कि अगर महिला एथलीट दूसरों की राय के बारे में सोचने लगें तो यह एक खिलाड़ी के लिए नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने कहा आपको इस बात की चिंता करने या बुरा महसूस करने की जरूरत नहीं है कि वे (सोशल मीडिया) क्या सोचते हैं। बल्कि मायने यही रखता है कि आप क्या सोचते हैं और आप कैसा महसूस कर रहे हैं।

चैपल ने इंग्लैंड की आलोचना की

नई दिल्ली : आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल ने भारत के खिलाफ ड्रॉ हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान इंग्लैंड की आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने की रणनीति की आलोचना करते हुए कहा सकारात्मक क्रिकेट का मतलब लापरवाह क्रिकेट नहीं है।

चैपल ने अपने कॉलम में युवा भारतीय टीम की अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रशंसा की, वहीं इंग्लैंड के खिलाड़ियों, विशेषकर हैरी ब्रुक की आलोचना की, क्योंकि वे परिस्थितियों को समझने में विफल रहे। भारत के पूर्व मुख्य कोच चैपल ने कहा इस श्रृंखला में इंग्लैंड का सफर उसके सामने चेतावनी पेश करता है।

इसे प्रतिभाशाली लेकिन चंचल प्रकृति के हैरी ब्रुक ने मूर्त रूप दिया, जिनकी मैं पहले सार्वजनिक रूप से प्रशंसा कर चुका हूं। उन्होंने कहा उनकी टाइमिंग बहुत अच्छी है। वह कई तरह के शॉट लगा सकते हैं। उनमें आत्मविश्वास है और बल्लेबाजी को सहज बनाने का दुर्लभ कौशल है।

गिल आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित

- इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन का मिला लाभ

दुबई, एजेंसी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के जुलाई महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया।

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और बल्लेबाजी में कई रिकॉर्ड अपने नाम लिखे। भारत की युवा टीम ने यह श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ की। गिल ने श्रृंखला में 75.40 की औसत और चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए। उन्होंने एक दोहरा शतक भी लगाया। इस 25 वर्षीय बल्लेबाज ने श्रृंखला में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड (732) तोड़ा। गिल का प्रदर्शन अब सर्वकालिक कप्तानों की सूची में सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (810 रन) के बाद दूसरे स्थान पर है। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा शुभमन गिल के लिए यह महीना शानदार रहा। उन्होंने इस रोमांचक श्रृंखला के दौरान इस महीने में तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन बनाए। आईसीसी ने कहा उन्होंने एजबेस्टन में भारत की रिकॉर्ड जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस मैच की पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस तरह से उन्होंने मैच में कुल 430 रन बनाए जो किसी एक टेस्ट में ग्राहम गूच के 456 रन के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। आईसीसी ने कहा कि गिल ने नंबर चार पर सर्वकालिक महान विराट कोहली की विरासत को आगे बढ़ाया।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेली। उन्होंने अपनी टीम की पारी उस समय घोषित कर दी, जब वह महान ब्रायन लारा के 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 400 के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। उन्होंने दो मैचों में 265.50 की औसत से 531 रन बनाए।

आईसीसी ने कहा मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया तथा 15.28 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें पहले टेस्ट में लिए गए चार विकेट भी शामिल हैं। आईसीसी ने भारत के खिलाफ स्टोक्स के हरफनमौला प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने 50.20 की औसत से 251 रन बनाए।

बोलने से पहले सोचें स्टोक्स कर्म सामने आते हैं : अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को अंतिम एकादश में शामिल करने को लेकर बेन स्टोक्स की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि इंग्लैंड के कप्तान को बोलने से पहले सोचना चाहिए था, क्योंकि तब उनके कर्म तुरंत ही सामने आ गए थे जब पांचवें टेस्ट में क्रिस वोक्स के कंधे में चोट लगने के बाद उन्हें एक बल्लेबाज की कमी खल रही थी।

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मैनचेस्टर में ड्रॉ हुए चौथे टेस्ट के पहले दिन रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। स्कैन में उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि होने के बावजूद वह अगले दिन बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरे थे। इसके बाद भारतीय कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में चोटिल खिलाड़ियों के स्थान पर अन्य खिलाड़ियों को शामिल करने की बात कही थी, जिसे स्टोक्स ने खारिज करते हुए बेहद हास्यास्पद बताया था। ओवल में पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड को इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा जब वोक्स के कंधे में फ्रैक्चर हो गया लेकिन फिर भी वह अंतिम दिन बल्लेबाजी करने उतरे। उस समय इंग्लैंड के नौ विकेट गिर चुके थे और उसे जीत के लिए 20 से भी कम रन की जरूरत थी। अश्विन ने कहा एक तमिल कहावत है जिसका अनुवाद है आपके कर्म आपको लगभग तुरंत प्रभावित करेंगे।

हार के बाद ऑनलाइन घृणा का शिकार हुईं स्वितोलिना

मांट्रियल : यूक्रेन की टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने बताया है कि कनाडा में एक मैच हारने के बाद कैसे कुंठित सटोरियो ने आनलाइन उनके खिलाफ नफरत उगली, उनके मरने की कामना की और रूस द्वारा यूक्रेन में लोगों की हत्या का जश्न मनाया। नेशनल बैंक ओपन के क्वार्टर फाइनल में नाओमी ओसाका से मिली हार के बाद स्वितोलिना को इस घृणा का सामना करना पड़ा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इन मैसेज के स्क्रीनशॉट्स साझा किए हैं।

उनके लिए अपशब्द कहे गए और उनके पति गाएल मोंफिल्स को भी निशाना बनाया गया जो फ्रांस के अश्वेत टेनिस खिलाड़ी हैं। एक सटोरिये ने कहा कि काश रूस सभी यूक्रेनवासियों की हत्या कर दे। स्वितोलिना ने इसके जवाब में लिखा है सभी सट्टेबाजों को मैं इतना ही कहूंगी कि एक खिलाड़ी होने से पहले मैं एक मां की।

बिल में संशोधन — सरकारी सहायता लेने वाले महासंघ ही आरटीआई के दायरे में आएंगे

बीसीसीआई को आरटीआई से काफी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी

खेलमंत्री मनसुख मांडविया। एजेंसी

खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के आरटीआई संबंधी प्रावधान में संशोधन किया है जिसके तहत केवल उन्हीं संस्थाओं को इसके दायरे में रखा गया है जो सरकारी अनुदान और सहायता पर निर्भर हैं और इससे बीसीसीआई को काफी राहत मिली होगी।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने 23 जुलाई को लोकसभा में यह बिल रखा जिसके प्रावधान 15 (2) में कहा गया है कि किसी मान्यता प्राप्त खेल संगठन को इस अधिनियम के तहत अपने कार्यों, कर्तव्यों और शक्तियों के प्रयोग के संबंध में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत एक सार्वजनिक प्राधिकरण माना जाएगा। आरटीआई बीसीसीआई के लिए एक पेचीदा मुद्दा रहा है जिसने इसके अंतर्गत आने का लगातार विरोध किया है क्योंकि बोर्ड अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के विपरीत सरकारी सहायता पर निर्भर नहीं है। विधेयक में संशोधन से इन आशंकाओं पर विराम लग गया।

एक जानकार सूत्र ने बताया संशोधित प्रावधान सार्वजनिक प्राधिकरण को एक ऐसी संस्था के रूप में परिभाषित करता है जो सरकारी धन या सहायता पर निर्भर है। इस संशोधन के साथ सार्वजनिक प्राधिकरण की स्पष्ट परिभाषा हो गई है। सूत्र ने कहा अगर ऐसा नहीं किया जाता तो यह एक अस्पष्ट क्षेत्र होता जिसके कारण विधेयक अटक सकता था या उसे अदालत में चुनौती दी जा सकती थी। इसलिए सार्वजनिक धन से जुड़ी कोई भी चीज़ आरटीआई के दायरे में आएगी। उन्होंने आगे कहा अगर राष्ट्रीय महासंघ सरकारी सहायता नहीं भी ले रहा है तो भी अगर उसके टूर्नामेंटों के आयोजन या संचालन में किसी तरह की सरकारी सहायता मिली है तो उससे सवाल किया जा सकता है। सरकारी सहायता सिर्फ धन ही नहीं बल्कि बुनियादी ढांचे के संदर्भ में भी है। बीसीसीआई ने पहले कहा था कि विधेयक पर टिप्पणी करने से पहले वह इसका अध्ययन करेगा। आरटीआई अधिनियम के अनुसार सार्वजनिक प्राधिकरण वह संस्था या निकाय है जो संसद या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाए गए किसी कानून द्वारा बनाया गया हो। इसमें सरकार के स्वामित्व, नियंत्रण या वित्तपोषित निकाय शामिल हैं।

एनएसएफ के रूप में करना होगा रजिस्टर

- विधेयक के कानून बनने पर बीसीसीआई को स्वयं को राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के रूप में रजिस्टर करना होगा क्योंकि क्रिकेट 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में टी20 प्रारूप में पदार्पण करने जा रहा है। जवाबदेही लाने में विधेयक में राष्ट्रीय खेल बोर्ड का भी प्रावधान है और सभी एनएसएफ को केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता लेने के लिए उससे मान्यता लेनी होगी। एनएसबी में एक अध्यक्ष होगा और सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाएंगे। ये नियुक्तियां शोध सह चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर होगी। इस समिति का अध्यक्ष कैबिनेट सचिव या खेल सचिव होगा।